रांची, मंगलवार
09.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 187, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

रास चुनाव : झामुमो, कांग्रेस और निर्दलीय उम्मीदवारों ने किया दो-दो सेट में नामांकन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए तीन प्रत्याशियों ने सोमवार को दो-दो सेट में नामांकन किया। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से बैजनाथ राम, कांग्रेस से प्रणव झा और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में परिमल नाथवाणी ने अपनी दावेदारी ठोक दी है। तीनों ने दो-दो सेटों में नामांकन दाखिल किया। हर किसी के प्रस्तावकों की सूची अपने आप में एक बड़ी सियासी कहानी कह रही है।

झामुमो प्रत्याशी बैजनाथ राम के पहले नामांकन सेट में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद प्रस्तावक बने हैं। उनके साथ स्टीफन मरांडी, मथुरा महतो, उदय शंकर सिंह, लुइस मरांडी, सविता महतो, समीर मोहंती, अनंत प्रताप देव, जिग्गा सुसारन होरो और सजीव सरदार के नाम भी इस सूची में दर्ज हैं। दूसरे सेट में पार्टी ने युवा और सक्रिय चेहरों को आगे किया है। बसंत सोरेन, हफीजुल हसन अंसारी, सुदिव्य सोनू, उमाकांत रजक, धनंजय सोरेन, योगेंद्र प्रसाद, मो. ताजुद्दीन, आलोक सोरेन, सुदीप गुड़िया और राम सूर्या मुंडा इस सेट में प्रस्तावक हैं। यानी पार्टी ने वरिष्ठ और युवा दोनों मोर्चों को एक साथ साधने की कोशिश की है।

कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा के पहले सेट में झामुमो विधायक कल्पना सोरेन प्रस्तावक के रूप में सामने आई हैं। उनके साथ संजय प्रसाद यादव, सुरेश पासवान, मंगल कालिंदी, दीपक बिरूआ, निरल पूर्ति, भूषण तिर्की, सुखराम उरांव, नरेश प्रसाद सिंह और अरूप चटर्जी का नाम भी इस सूची में है। दूसरे सेट में अनुभव का पलड़ा भारी रखा गया है। प्रदीप यादव, डॉ. रामेश्वर उरांव, राधाकृष्ण किशोर, दीपिका पांडेय सिंह, सुरेश बैठा, भूषण बाड़ा, नमन विक्सल कोंगाड़ा, शिल्पी नेहा तिर्की, राजेश कच्छप और कुमार जयमंगल सिंह ने समर्थन दिया है। महागठबंधन की यह एकजुटता कांग्रेस के लिए बड़ी ताकत मानी जा रही है।

वहीं, दो सीटों पर तीन दावेदारी को देखते हुए परिमल नाथवानी ने ऐसी चाल चली कि झारखंड में राज्यसभा चुनाव का पूरा समीकरण ही पलट दिया। परिमल ने किसी खास पार्टी से अलग निर्दलीय पर्चा भरा। उनकी रणनीति तो तब चौंकाई जब वो नामांकन दाखिल करने पहुंचे। उनके पहले सेट के प्रस्तावकों में बाबूलाल मरांडी खेमे के नेताओं के साथ नवीन जायसवाल, सत्येंद्र तिवारी, डॉ. नीरा यादव, जर्नादन पासवान, सीपी सिंह, राज सिन्हा, निर्मल महतो और प्रकाश राम शामिल हैं। दूसरे सेट ने तो सारे समीकरण ही पलट दिए। चंपाई सोरेन और सरयू राय जैसे बड़े नाम उनके साथ खड़े हैं, और साथ में अमित यादव, नागेंद्र महतो, कुशवाहा शशि भूषण मेहता, मंजू कुमारी, रागिनी सिंह, पूर्णिमा साहू, देवेंद्र कुंवर और आलोक चौरसिया भी इस सूची में हैं। दो सीटों के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में हैं।

गिरिडीह में पिता ने तीन बेटियों की धारदार हथियार से की हत्या, आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह जिले में सोमवार तड़के एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक पिता ने अपनी तीन मासूम बेटियों की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के तुरुकडीहा गांव की है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित पिता को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, तुरुकडीहा निवासी नंदू यादव उर्फ नंदकिशोर यादव ने सोमवार की अहले सुबह अपनी तीनों बेटियों पर हंसुआ से हमला कर दिया। इस हमले में 14 वर्षीय पल्लवी यादव और सात वर्षीय जुड़वां बहनें रिद्धि एवं सिद्धि की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) जीतबाहन उरांव, मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो और पुलिस बल मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना के समय आरोपित की पत्नी राधा देवी और पुत्र पंटू यादव किसी तरह घर से निकलकर पड़ोसियों के यहां शरण लेने में सफल रहे। इससे उनकी जान बच गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपित पूरे परिवार को नुकसान पहुंचाने की मंशा से हमला करने वाला था, लेकिन पत्नी और पुत्र समय रहते भाग निकले।

ग्रामीणों के अनुसार, नंदू यादव रविवार रात शराब के नशे में घर लौटा था। इसके बाद घर में विवाद और तनाव का माहौल बना रहा। सोमवार सुबह जब घटना की जानकारी लोगों को मिली तो पूरे गांव में हड़कंप मच गया। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि आरोपित का किसी महिला के साथ कथित अवैध संबंध था, जिसे लेकर परिवार में लंबे समय से तनाव चल रहा था। हालांकि पुलिस ने इन दावों की पुष्टि नहीं की है और जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की बात कही है।

घटनास्थल से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हंसुआ बरामद कर लिया है। वहीं फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर वैज्ञानिक तरीके से जांच शुरू की। टीम ने रक्त के नमूने सहित कई महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। जिस कमरे में घटना को अंजाम दिया गया, उसकी भी बारीकी से जांच की जा रही है ताकि वारदात के पूरे घटनाक्रम को समझा जा सके।

एसडीपीओ ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपित नंदू यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस सभी संभावित कारणों और परिस्थितियों की जांच कर रही है। परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों और अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सके।

पुलिस ने तीनों बच्चियों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने आरोपित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। वहीं प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी को कानून के अनुसार सख्त से सख्त सजा दिलाई जाएगी।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, अब तक 19 की मौत, 134 घायल

एजेंसी

मनीला। फिलीपींस के दक्षिणी हिस्से में सोमवार सुबह आए 7.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचा दी। इसमें कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 134 लोग घायल हुए हैं। कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है और कुछ ढह गई हैं। भूकंप के बाद पूरे एशिया में सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, जिसे बाद में अधिकांश क्षेत्रों के लिए वापस ले ली गई।

फिलीपींस की सरकारी समाचार संस्था फिलिपीन न्यूज एजेंसी और यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार भूकंप सोमवार सुबह स्थानीय समयानुसार मिंडानाओ में द्वीप के पास आया। फिलिपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सिस्मोलॉजी ने बताया कि मुख्य झटके के बाद एक घंटे से ज्यादा समय तक झटके महसूस किए गए।

दक्षिणी मिंडानाओ में 7.22 लाख की आबादी वाले शहर 'जनरल सैंटोस' को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। वहीं, पीएचआईवीओएलसी ने बताया कि सोक्ससारजेन के दक्षिणी इलाके में स्थित इस शहर में भूकंप की तीव्रता उनके पैमाने पर ₹बहुत ज्यादा₹ मापी गई। आधिकारिक सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में एक तीन मंज़िला इमारत, जिसमें लोकप्रिय फास्ट फूड चेन जॉलीबी रेस्टोरेंट था, मलबे और धूल के गुबार के साथ ढहती दिख रही है। अन्य तस्वीरों में इमारतों को भारी नुकसान पहुँचा है, जिसमें खिड़कियाँ टूटना और छतें गिरना शामिल है।

स्थानीय पुलिस प्रवक्ता रॉबर्ट डगुन ने बताया कि शहर के सेंट एलिजाबेथ अस्पताल को भी भारी नुकसान पहुंचा है, जिसके चलते मरीजों और चिकित्सा कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करना पड़ा।

टीएमसी में संकट गहराया, काकोली घोष सहित 20 सांसदों का राजग को समर्थन देने का फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने सोमवार को दावा किया कि कम से कम 20 सांसदों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का समर्थन करने का फैसला किया है। इस संबंध में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपनी स्थिति से अवगत करा दिया है।

पश्चिम बंगाल के बारासात लोकसभा क्षेत्र की सांसद काकोली घोष ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि 20 सांसदों की ओर से पहले ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र भेजा जा चुका है, जिसमें केंद्र की सत्तारूढ़ राजग सरकार का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की गई है।

घोष ने कहा कि वे लोकसभा में टीएमसी की मुख्य सचेतक हैं और यह निर्णय अन्य सांसदों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें मुख्य सचेतक पद से हटाने का फैसला मनमाना और एकतरफा था। पार्टी अध्यक्ष ने भले ही मेरे स्थान पर किसी और की नियुक्ति की घोषणा कर दी हो, लेकिन इससे संवैधानिक और संसदीय स्थिति रातोंरात नहीं बदल जाती।

हमने जनता के जनादेश को स्वीकार किया है। हमारा मानना है कि भविष्य में हमारी राजनीतिक दिशा राजग के साथ होनी चाहिए।

वर्तमान में संसद के दोनों सदनों में टीएमसी के कुल 40 सांसद हैं। टीएमसी के लोकसभा में 28 और राज्यसभा में 12 सदस्य हैं। सुखेंदु शेखर रॉय ने आज ही टीएमसी और राज्यसभा सदस्ता से इस्तीफा दे दिया है। बागी सांसदों ने केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के साथ बैठक की है।

विशाखापत्तनम में बड़ा हादसा : स्टील प्लांट में पिघला हुआ लोहा गिरने से 8 श्रमिकों की मौत, कई घायल

एजेंसी

विशाखापत्तनम। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड यहां स्थित संयंत्र में सोमवार शाम हुए एक भीषण औद्योगिक हादसे में आठ श्रमिकों की मौत हो गयी, जबकि नौ अन्य घायल हो गये। आधिकारिक सूत्रों ने आठ श्रमिकों की मौत की पुष्टि की है। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्ट शॉप (एसएमएस-2) और उससे जुड़े हिस्सों में उस समय हुआ, जब बड़ी मात्रा में पिघला हुआ स्टील फैल गया। घटना के समय वहां बड़ी संख्या में श्रमिक काम कर रहे थे।

सूत्रों के अनुसार करीब 1500 डिग्री सेल्सियस तापमान वाला पिघला हुआ स्टील ले जा रही गर्म धातु की बाल्टी (लेडल) अचानक टूटकर गिर गई, जिससे पिघला हुआ धातु नीचे काम कर रहे श्रमिकों पर फैल गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और घबराए हुए श्रमिक जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हालात पर काबू पाने के लिए बड़ी संख्या में दमकल वाहन संयंत्र में पहुंचे। घायलों को तत्काल विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। पिघला हुआ लोहा पूरे क्षेत्र में फैल जाने से इस्पात संयंत्र में अफरा-तफरी और अराजकता का माहौल बन गया। एक अधिकारी ने बताया कि आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद ही मृतकों और घायलों की सही संख्या का पता चल सकेगा। घटना की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर, पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारी स्टील प्लांट पहुंच गये तथा राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने अधिकारियों से बात कर घटना की जानकारी ली और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये।

पुलिस के मुताबिक, बाल्टी में रखे पिघले लोहे को क्रेन से ले जाया जा रहा था, तभी यह श्रमिकों के ऊपर गिर गया, जिससे यह घटना हुई। पुलिस ने बताया कि पिघला हुआ लोहा बेहद गर्म था और उसका तापमान लगभग 1,600 डिग्री सेल्सियस था।

मुख्यमंत्री नायडू ने जताया गहरा दुख

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में हादसे में कई श्रमिकों की मौत की बात कही गई है, लेकिन इसमें मृतकों की संख्या नहीं बताई गई है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुख जाहिर किया है।उन्होंने सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ काम करते हुए जरूरी सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है।

संक्षिप्त खबरें

'गरीब कल्याण योजना' मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को मोदी सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि 'गरीब कल्याण योजना' हमेशा से सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। अमित शाह ने एक्स पर लिखा, सरकार ने इन 12 वर्षों में करोड़ों नागरिकों को अन्न योजना, प्रधानमंत्री आवास, जन-धन, मुद्रा लोन, प्रधानमंत्री स्वनिधि जैसी कल्याणकारी योजनाओं के जरिए बैंकिंग सुविधा, वित्तीय सुरक्षा और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ा है। इसके अलावा, बुनियादी सुविधाओं, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर जीवन स्तर के जरिए देश के गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़कर विकसित भारत की मजबूत नींव का निर्माण किया जा रहा है।

सीबीएसई ने रिजल्ट पोर्टल पर उठे सवालों को किया खारिज

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पोस्ट-रिजल्ट सेवाओं के पोर्टल के संचालन को लेकर सामने आई कुछ मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों पर सोमवार को स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन विंडो 2 से 7 जून तक पूरी तरह सुचारु रूप से संचालित हुई। इस दौरान 1.6 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने 3.8 लाख से ज्यादा उत्तर पुस्तिकाओं से संबंधित अनुरोध दर्ज किए। बोर्ड के अनुसार इस अवधि के दौरान सरकारी तकनीकी एजेंसियों और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की विशेषज्ञ टीमों की निगरानी में पोर्टल का संचालन किया गया। पोर्टल को साइबर हमलों और अन्य ऑनलाइन खतरों से सुरक्षित रखने के लिए साइबर सुरक्षा टीमों ने पूरे समय निरंतर निगरानी की। इसके अलावा छात्रों की सहायता के लिए सीबीएसई की हेल्पडेस्क और शिकायत निवारण प्रणाली भी सक्रिय रही।

यूक्रेन के पूर्व मुख्य न्यायाधीश को भ्रष्टाचार मामले में पांच साल की सजा

कीव। भ्रष्टाचार के एक चर्चित मामले में यूक्रेन के पूर्व मुख्य न्यायाधीश वसेवोलोद क्नियाजेव को पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब यूक्रेन युद्धकालीन परिस्थितियों के बीच भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और प्रशासनिक पारदर्शिता को मजबूत करने की कोशिशों में जुटा है। भ्रष्टाचार निरोधक अभियोजकों के अनुसार, क्नियाजेव पर वर्ष 2023 में एक न्यायिक फैसले के बदले भारी रिश्वत स्वीकार करने का आरोप था।

इंडी गठबंधन की बैठक में 25 दलों ने लिया हिस्सा, सर्वदलीय बैठक समेत 5 मुद्दों पर बनी सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को विपक्षी इंडी गठबंधन के घटक दलों की बैठक के बाद कहा कि दो घंटे से अधिक चली इस बैठक में 5 मुद्दों पर सहमति बनी। उन्होंने बताया कि नीट-यूजी परीक्षा और सीबीएसई की गड़बड़ियों के लिए शिक्षा मंत्री जिम्मेदार हैं और उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। साथ ही चुनावों की निष्पक्षता और वोट चोरी के मामलों पर देश के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजने का निर्णय लिया गया है।

नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में इंडी गठबंधन की 7वीं बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, सुप्रिया सुले, कपिल सिब्बल, तेजस्वी यादव, उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। जबकि दो अन्य दलों शिवसेना यूबीटी के उद्धव ठाकरे और झारखंड मुक्ति मोर्चा के हेमंत सोरेन ऑनलाइन जुड़े।

खरगे के मुताबिक बैठक में इन पांच मुद्दों पर सहमति बनी है-

इंडी गठबंधन चुनावों में निष्पक्षता और वोट चोरी के मामलों पर देश के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजेगा।

गठबंधन शिक्षा मंत्री से तत्काल इस्तीफे की मांग करेगा।

गठबंधन मौजूदा आर्थिक संकट, बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याओं और जनता से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलाने के लिए कहेगा।

विपक्षी दल हर दो महीने में बैठक करेंगे। अगली बैठक 8 अगस्त को हैदराबाद में होगी।

मानसून सत्र के दौरान भी विपक्षी दलों का समन्वय जारी रहेगा और प्रतिदिन सुबह विपक्षी नेता बैठक करेंगे।

बैठक में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी), रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, विदुथलाई चिरुथाइगल काची, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, केरल कांग्रेस , केरल कांग्रेस (मणि गुट), राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, भारत आदिवासी पार्टी, लोक दल, फॉरवर्ड ब्लॉकऔर शेतकारी कामगार पक्ष समेत कुल 25 दलों के नेता शामिल रहे।

उल्लेखनीय है कि बीते तीन साल में इंडी गठबंधन से तीन पार्टियां अलग हो चुकी हैं। इनमें जेडीयू 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान, आम आदमी पार्टी दिल्ली और हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान तथा डीएमके हाल ही में तमिलनाडु चुनाव के बाद गठबंधन से दूर हुई।

दुबई में भीषण सड़क हादसे में सात भारतीयों की मौत

एजेंसी

दुबई। दुबई में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में सात भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। दुबई स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि सड़क दुर्घटना में कई भारतीय श्रमिकों की मौत की खबर अत्यंत दुखद है। दूतावास के अधिकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों से मिले हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर हर संभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटे हैं।

दुबई पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब एक मिनीबस सड़क के बीच तकनीकी खराबी के कारण खड़े एक ट्रक से पीछे से टकरा गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रक अचानक बीच सड़क पर रुक गया था। दुबई पुलिस के यातायात विभाग के महानिदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि बस चालक पर्याप्त सावधानी नहीं बरत सका और सुरक्षित दूरी बनाए रखने में विफल रहा, जिसके कारण यह टक्कर हुई। दुर्घटना में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हुए हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण में कोताही न बरते :उपायुक्त

बिभा संवाददाता

धनबाद : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) 2026 के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में न्यू टाउन हॉल में सभी बीएलओ सुपरवाइजरों के साथ बैठक सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर विशेष गहन पुनरीक्षण में कोई कोताही नहीं बरते। गंभीरतापूर्वक और तत्परता से काम करें। विशेष गहन पुनरीक्षण में एक भी मतदाता छूटना नहीं चाहिए।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि एसआइआर 2026 के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए हर प्रखंड में बीएलओ सुपरवाइजर कोषांग का गठन किया गया है। जिसमें अतिरिक्त कंप्यूटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, जेरोक्स मशीन, फोटो प्रिंट मशीन के अलावा निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए पावर बैकअप प्रदान किया गया है। साथ ही नगर आयुक्त की अध्यक्षता में निगरानी कषांग का गठन किया गया है।

उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण में बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर एक महत्वपूर्ण कड़ी है। कोई योग्य वोटर छूटना नहीं चाहिए और कोई अयोग्य व्यक्ति मतदाता सूची में जुड़ना नहीं चाहिए, यही एसआइआर का उद्देश्य है।

उपायुक्त ने सभी बीएलओ सुपरवाइजर को काम नहीं करने वाले बीएलओ को तुरंत बदलने एवं जहां काम का अत्यधिक दबाव है वहां स्वयं सेवक रखने तथा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा इसका उद्देश्य वास्तविक मतदाताओं, विशेष रूप से वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, गरीब और अन्य कमजोर समूहों को यथासंभव सुविधा प्रदान करने के लिए है।

उन्होंने कहा कि बीएलओ यदि अन्य कार्य में लगे हो तो अपने दैनिक कार्यों के अतिरिक्त प्रतिदिन सुबह 09:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक मतदाताओं की सुगमता हेतु अपने संबंधित मतदान केन्द्रों में रहकर मैपिंग कार्य को संपादित करना सुनिश्चित करेंगे। सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी वाट्सएप एवं वीडियो कॉल अथवा भौतिक निरिक्षण कर उक्त कार्य को संपादित करना सुनिश्चित करेंगे।

कार्यशाला में बीएलओ सुपरवाइजरों को सभी प्रखण्ड व अंचल स्तर पर बूथ लेवल एजेंट-2 एवं सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक रखने का निर्देश दिया गया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 30 जून 2026 से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रहण किया जाएगा। 29 जुलाई तक मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन, 05 अगस्त को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन, 05 अगस्त से 04 सितंबर तक दावे एवं आपत्तियाँ दर्ज करने की अवधि, 05 अगस्त से 03 अक्टूबर तक नोटिस एवं दावे / आपत्तियों का निस्तारण तथा 07 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

कार्यशाला में उपायुक्त आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, डीसीएलआर दिलीप कुमार महतो, डीएसडब्ल्यूओ श्रीमती स्नेह कश्यप के अलावा सभी विधानसभा के ईआरओ, एईआरओ तथा सभी बीएलओ सुपरवाइजर मौजूद थे।

24 घंटे में चोरी कांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बेड़ो: बेड़ो थाना क्षेत्र के तुको स्थित सरना टेलिकॉम मोबाइल दुकान में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गए नौ पुराने मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

जानकारी के अनुसार तुको निवासी बिष्णु उरांव ने 7 जून को बेड़ो थाना में लिखित आवेदन देकर बताया था कि 6-7 जून की रात अज्ञात चोरों ने उनकी मोबाइल दुकान की दीवार तोड़कर मोबाइल फोन एवं नगदी की चोरी कर ली। आवेदन के आधार पर बेड़ो थाना कांड संख्या 66/26 दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई।

वरीय पुलिस अधीक्षक रांची के निर्देश पर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में डीएसपी दीपक कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों एवं मानवीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने निलेश बैठा (22) और अभय ठाकुर (22), दोनों निवासी तुको केउरा टोली, को गिरफ्तार किया। दोनों की निशानदेही पर चोरी गए नौ मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है तथा मामले की आगे की जांच जारी है।

संक्षिप्त खबरें

श्री गुरु अर्जुन देव जी की स्मृति में मीठे शरबत की शब्बील लगाई

जमशेदपुर(बिभा): सिखों के पांचवे गुरु श्री गुरु अर्जुन देव जी महाराज की शहादत को समर्पित शहीद भगत सिंह चौक जुगसलाई गोल चक्कर पर जुगसलाई सिख नौजवान सभा द्वारा संगत के सहयोग से मीठे शरबत की शब्बील लगाई गई एवं काला चना का प्रसाद बाटा गया। इस मौके पर विशेष रूप से सीजीपीसी के चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह कार्यवाहक प्रधान सुखविंदर सिंह राजू महासचिव गुरु चरण सिंह बिल्ला सीजीपीसी मीत प्रधान एवं गौरी शंकर रोड गुरुद्वारा प्रधान सुरेंद्र सिंह सलाहकार सुरेंद्र सिंह शिंदे अमरीक सिंह हरजीत सिंह लाड़ी गुरजिंदर सिंह पिंटू जितेंद्र सिंह शालू जुगनू सिंह हरभजन सिंह रविंद्र सिंह सुखविंदर सिंह जितेंद्र सिंह हैप्पी रणजीत सिंह गुरमुख सिंह अर्जुन सिंह वालिया अमृतपाल सिंह मोनू एवं अन्य सभी पदाधिकारी शामिल थे।

कदमा में बच्चों की खेल प्रतिभा निखारने के लिए शहीद निर्मल सेवा सदन की बड़ी पहल

जमशेदपुर (बिभा): कदमा स्थित शास्त्रीनगर जॉगर्स पार्क स्पोर्ट्स अकादमी में खेल प्रतिभा पहचान और आयु वर्ग निर्धारण (कैटेगरीकरण) के लिए एक विशेष फील्ड सर्वे और परिचयात्मक शिविर का आयोजन किया गया। यह अकादमी शहीद निर्मल सेवा सदन द्वारा संचालित है, जो झारखंड आंदोलन के वीर शहीद निर्मल महतो के नाम पर जन स्वास्थ्य और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए समर्पित है इस शिविर का मुख्य उद्देश्य शास्त्रीनगर, निर्मल कॉलोनी और आसपास की बस्तियों के बच्चों को संगठित खेल गतिविधियों से जोड़ना था। शिविर में भारी संख्या में बच्चों और अभिभावकों ने हिस्सा लिया, जहाँ बच्चों का प्रारंभिक पंजीकरण कर उनकी रुचि के अनुसार खेलों का वर्गीकरण किया गया। शिविर में बच्चों का हौसला बढ़ाने और उनकी क्षमता का आकलन करने के लिए कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक मौजूद थे। इनमें अंतरराष्ट्रीय योग प्रशिक्षक अंशु सरकार, अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रशिक्षक कांचो एल. नागेश्वर राव, तीरंदाजी प्रशिक्षक पुतुल खलको, हॉकी प्रशिक्षक किशोर काण्डुलना और एथलेटिक प्रशिक्षक दीपु सोरेन शामिल थे कार्यक्रम के दौरान खेल विशेषज्ञों ने कहा कि शास्त्रीनगर और आसपास के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में खेल मैदानों की भारी कमी है। ऐसे माहौल में बच्चों को योग, कराटे, हॉकी, फुटबॉल और तीरंदाजी जैसी गतिविधियों से जोड़ना बेहद जरूरी है। खेल सिर्फ शारीरिक विकास नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

पंडरिया नदी में मिले शव की पहचान, काजल कुमारी के रूप में हुई पुष्टि

खलारी(बिभा)। पंडरिया नदी के किनारे बालू में दबे मिले युवती के शव की पहचान आखिरकार हो गई है। पुलिस जांच में मृतका की शिनाख्त रांची जिले के रातू थाना क्षेत्र स्थित सिमलिया गांव निवासी 18 वर्षीय काजल कुमारी के रूप में की गई है। पहचान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया।जानकारी के अनुसार काजल कुमारी 1 जून को घर से मंडा मेला देखने जाने की बात कहकर निकली थी। परिजनों ने उसे जाने से रोका था, लेकिन वह घर से चली गई। इसके बाद उसका कोई सुराग नहीं मिला और परिवार के लोग उसकी तलाश में जुटे रहे।कुछ दिन बाद पंडरिया पुल के समीप नदी किनारे बालू में दबा एक युवती का शव बरामद हुआ।शव की स्थिति खराब होने के कारण उसकी पहचान करना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा था। मामले ने तब नया मोड़ लिया जब दो अलग-अलग परिवारों ने शव पर अपना दावा जताया।पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, परिजनों से प्राप्त जानकारी और अन्य जांच प्रक्रियाओं के आधार पर मृतका की पहचान सुनिश्चित की। अधिकारियों का कहना है कि अब जांच का फोकस घटना के पीछे की परिस्थितियों और संभावित आरोपियों तक पहुंचने पर है।मामले की जांच कर रही पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवती घर से निकलने के बाद किन लोगों के संपर्क में रही, उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई और शव को नदी किनारे बालू में छिपाने के पीछे किसकी भूमिका थी। जांच में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों को भी महत्वपूर्ण आधार बनाया जा रहा है।पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मामले में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम से पर्दा उठने की उम्मीद जताई जा रही है।

झारखंड में जल्द होगी शिवसेना की विशाल जनसभा : शिंदे

2029 विधानसभा चुनाव अपने चुनाव चिन्ह पर लड़ने की तैयारी, दिल्ली बैठक में शामिल हुए झारखंड राज्य प्रमुख दीपक सिंह

बिभा संवाददाता

बेड़ो: शिवसेना झारखंड में वर्ष 2029 के विधानसभा चुनाव अपने चुनाव चिन्ह पर पूरे दमखम के साथ लड़ने की तैयारी कर रही है। यह बात शिवसेना प्रमुख एवं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं राज्य प्रमुखों की बैठक के दौरान कही। दिल्ली स्थित सांसद श्रीकांत शिंदे के संसदीय आवास में आयोजित बैठक में झारखंड राज्य प्रमुख दीपक सिंह और राज्य उपप्रमुख संदीप मुखर्जी सहित विभिन्न राज्यों के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान एकनाथ शिंदे ने झारखंड की राजनीतिक परिस्थितियों और संगठन की गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शिवसेना झारखंड में संगठन को मजबूत करने के लिए व्यापक सदस्यता अभियान चलाएगी और राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं से युद्धस्तर पर सदस्यता अभियान चलाने का आह्वान किया।

बैठक में एकनाथ शिंदे ने यह भी कहा कि झारखंड की धरती पर जल्द ही शिवसेना की एक विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी, जिसमें वे स्वयं शामिल होंगे। उन्होंने वर्ष 2029 के विधानसभा चुनाव में राज्य की वर्तमान सरकार को चुनौती देने और गठबंधन को मजबूत करने की बात कही।

बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य प्रमुख धनंजय सिंह प्रयाग, दिल्ली राज्य प्रमुख संदीप चौधरी, रांची जिला प्रमुख रोनित कुमार, विजय गोसाईं समेत कई राज्यों के पदाधिकारी उपस्थित थे। शिवसेना नेतृत्व ने संगठन विस्तार और आगामी चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की।

राज्यसभा चुनाव में मुस्लिम प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर कांग्रेस पर बरसे शमीम अख्तर आजाद

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड राज्यसभा चुनाव को लेकर रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद ने कांग्रेस पार्टी पर मुस्लिम समाज की उपेक्षा का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव में मुस्लिम उम्मीदवार को मौका नहीं देकर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक अवसर गंवा दिया है।

शमीम अख्तर आजाद ने कहा कि झारखंड में बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी निवास करती है, लेकिन राज्यसभा जैसे महत्वपूर्ण मंच पर उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं हो सका। उनके अनुसार राज्यसभा केवल एक राजनीतिक पद नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही और विभिन्न समुदायों की आवाज को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का मंच है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े कई मुद्दे चर्चा का विषय बने हुए हैं और ऐसे माहौल में मुस्लिम प्रतिनिधित्व का प्रश्न और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कांग्रेस से भविष्य में मुस्लिम समाज की राजनीतिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व पर गंभीरता से विचार करने की मांग की।

तुलसी भवन में सुप्रसिद्ध साहित्यकार बाबा नागार्जुन जयंती समारोह एवं काव्य कलश आयोजित

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन तुलसी भवन द्वारा संस्थान के प्रयाग कक्ष में मासिक काव्य कलश सह हिन्दी के ख्यातिलब्ध साहित्यकार बाबा नागार्जुन की जयंती समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के उपाध्यक्ष राम नन्दन प्रसाद तथा संचालन साहित्य समिति के उपाध्यक्ष अशोक पाठक स्नेही ने की ।जबकि धन्यवाद ज्ञापन साहित्य समिति के सचिव डॉ. अजय कुमार ओझा ने किया ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि आर एस एस के कुटुंब प्रबोधन प्रमुख सकलदेव चौरसिया ने परिवार संस्था की महत्ता पर प्रकाश डाला है दीप प्रज्वलन के साथ समारोह की शुरूआत हुई । सरस्वती वंदना माधवी उपाध्याय ने प्रस्तुत किया ।स्वागत वक्तव्य मानद महासचिव डॉ प्रसेनजित तिवारी ने दिया । तत्पश्चात साहित्यकार नागार्जुन के साहित्यिक जीवन परिचय सुरेश चन्द्र झा ने विस्तार से प्रस्तुत किया।

तत्पश्चात 'काव्य कलश' के मौके पर शहर के कुल 35 कलमकारों ने स्वरचित काव्य पाठ किया । काव्य पाठ करने वालों में डॉ. यमुना तिवारी व्यथित, नीलिमा पाण्डेय, ब्रजेन्द्र नाथ मिश्र, माधवी उपाध्याय , कैलाश नाथ शर्मा गाजीपुरी, राजेन्द्र साह राज, जितेश तिवारी, ममता कर्ण मनस्वी, वसंत जमशेदपुरी, नीता सागर चौधरी, डॉ अरुण कुमार शर्मा, मनीष सिंह वंदन, हरभजन सिंह रहबर, बलविन्दर सिंह, रीना गुप्ता श्रुति, पुनम सिंह, रीना सिन्हा सलोनी, आलोक मंजरी, राजेन्द्र राज, मनीष सिंह वंदन, डॉङ्क अरुण कुमार शर्मा, शेषनाथ सिंह शरद, हरिहर राय चौहान, शिव नन्दन सिंह, माधुरी मिश्र, नंदा पाण्डेय, हरिकिशन चावला, विजय नारायण सिंह बेरुका , नीलम पेड़ीवाल, उषा झा, क्षमाश्री दूबे, आलोक तिवारी, पूनम सिंह, जय प्रकाश पाण्डेय, रितेश मिश्र, नीतिश मिश्र, सुजय कुमार एवं अन्य प्रमुख रहे । जबकि मौके पर प्रसन्न वदन मेहता की उपस्थिति सराहनीय रही ।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने सेवानिवृत्त कर्मियों को किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

ये सेवानिवृत्त कर्मचारी हुए सम्मानित

1. व्हीकल फैक्ट्री के सैय्यद तज्जूद्दिन 2. क्यूए के अफताब रजा अंसारी 3. रियल एक्सल के जिउत शर्मा 4. फाउंड्री के राजेंद्र प्रसाद एवं मनमोहन गोप 5. इंजन फैक्ट्री के बराह मांझी एवं विमल कुमार 6. ईआरसी के कृष्णा कुमार प्रसाद 7. फ्रंट एक्सल के कलीम खान 8. पेंट फैक्ट्री के ओम प्रकाश सिंह 9. ड्राइव हेड से राम प्रवेश सिंह 10. फ्रेम फैक्ट्री से तर्नी कुमार गोप।

जमशेदपुर : टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन कार्यालय में सोमवार को मासिक सम्मान समारोह आयोजित की गई। जिसमें सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को यूनियन की ओर से शॉल ओढ़ाकर तथा प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि यह सम्मान समारोह सिर्फ औपचारिकता पूरी करने के लिए नहीं आयोजित की जाती है बल्कि आप सबों के विचारों एवं सुझावों की समीक्षा कर उसे लागू कराने का प्रयास किया जाता है। हम आपके विचारों पर अमल करते हैं।

उन्होंने कहा कि यूनियन सदैव अपने सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ खड़ी है। जब कभी ऐसा महसूस हो कि यूनियन की मदद चाहिए तो निःसंकोच यूनियन कार्यालय आईए यह यूनियन आपका है। उन्होंने सबों को स्वस्थ रहने की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मी अपने परिवारजनों के साथ उपस्थित थे। सबों ने बारी - बारी से अपने अनुभव साझा किये। कार्यक्रम में अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री आरके सिंह, तमाम यूनियन पदाधिकारी, कमेटी मेंबर एवं आरके सिंह फैंस क्लब के सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश विश्वकर्मा ने किया।

एसबीयू में समर इंटर्नशिप का हुआ शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय में ह्यआदित्य बिरला समर इंटर्नशिप प्रोग्राम 2026ह्न का शुभारंभ आज से शुरू हुआ। जेन जी के सशक्तिकरण के उद्देश्य से शुरू किया गया यह कार्यक्रम प्रयोगात्मक एवं प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षण पद्धति पर आधारित है। कार्यक्रम 31 जुलाई 2026 तक संचालित होगा। समकालीन और अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों को केंद्र में रखकर तैयार किए गए इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के चयनित छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में चयनित विद्यार्थियों को प्रतिमाह 2000 रु की फेलोशिप राशि दी जाएगी। इंटर्नशिप में बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी को ?2000 की अतिरिक्त राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जाएगी।

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों के साथ-साथ निर्मला कॉलेज एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्रीय शिक्षण संस्थानों के प्रतिभाशाली छात्र भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने हैं। विद्यार्थियों को पीडी एंड लाइफ स्किल, स्पोर्ट्स, योगा एवं गेम्स से लेकर आईओटी, डिजिटल मीडिया, ड्रोन एंड रोबोटिक्स, फिनटेक, इंटरनेट वेब एंड नेटवर्क एवं ग्रुप प्रोजेक्ट की जानकारी इंटर्नशिप के दौरान प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर अपने संबोधन में एसबीयू के माननीय कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने चयनित प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए भारत के विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में प्रौद्योगिकी, आधारभूत संरचना, मजबूत अर्थव्यवस्था और मानव विकास की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरला बिरला विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर स्वच्छ एवं हरित वातावरण में इन महत्वपूर्ण कौशलों को सीखने का अवसर प्रदान कर रहा है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले माननीय राज्यसभा सांसद एवं निदेशक, प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की।

विश्वविद्यालय के माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने अपने संबोधन में प्रसिद्ध उद्योगपति आदित्य बिरला की प्रेरणादायी विरासत का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से इस प्रतिष्ठित नाम की गरिमा बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने प्रतिभागियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, वित्तीय प्रबंधन तथा भारतीय ज्ञान परंपरा जैसे विविध विषयों पर आधारित कार्यक्रम का अधिकतम लाभ उठाने और समय प्रबंधन में अनुशासन बनाए रखने की सलाह दी।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एस.बी. डांडिन ने इस कार्यक्रम को झारखंड का अपनी तरह का पहला समर इंटर्नशिप मॉडल बताते हुए कहा कि यह डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नई प्रतिभाओं को विकसित करने का कार्य करते हुए विद्यार्थियों में महत्वपूर्ण कौशल का विकास करेगा।

कार्यक्रम में प्रो. जगनाथन ने व्यक्तित्व विकास विषय पर आधारित प्रथम सत्र का संचालन किया तथा विद्यार्थियों के साथ व्यक्तित्व निखार से जुड़े महत्वपूर्ण अनुभव एवं सुझाव साझा किए।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. वी.एन.एल. लक्ष्मी दुर्गा एवं डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव ने धन्यवाद भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन डॉ. पिंटू दास ने किया। एसबीयू के माननीय प्रतिकुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान ने संस्थान में समर इंटर्नशिप के आयोजन पर आयोजन टीम के सदस्यों और चयनित विद्यार्थियों को शुभकामना संदेश प्रेषित किया है।

वर्षों का इंतजार खत्म: नया धौड़ा बस्ती में बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजना से पहुंचा शुद्ध पेयजल, ग्रामीणों में खुशी की लहर

पाइपलाइन कार्य पूरा होते ही शुरू हुई जलापूर्ति, महिलाओं और बच्चों को मिलेगा सबसे अधिक लाभ

बिभा संवाददाता

खलारी। बुकबुका पंचायत के नया धौड़ा बस्ती के ग्रामीणों को वर्षों बाद पेयजल संकट से बड़ी राहत मिली है। सोमवार को बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत फिल्टर प्लांट से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति शुरू कर दी गई। बस्ती में पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा होते ही घरों तक स्वच्छ पानी पहुंचने लगा, जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।पीएचईडी विभाग के जूनियर इंजीनियर दीपांकर ने बताया कि पिछले कई दिनों से पाइपलाइन बिछाने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा था। कार्य पूरा होने के बाद योजना के तहत नियमित जलापूर्ति शुरू कर दी गई है।शुद्ध पेयजल मिलने पर ग्रामीणों ने कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा, बुकबुका पंचायत के मुखिया पारसनाथ उरांव, चूरी दक्षिणी पंचायत की मुखिया मल्का मुंडा तथा पीएचईडी विभाग के जूनियर इंजीनियर दीपांकर के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि अब उन्हें वर्षों पुरानी पेयजल समस्या से निजात मिल गई है।ग्रामीणों ने बताया कि पानी की कमी के कारण खासकर महिलाओं और बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। उन्हें पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था, लेकिन अब घर के पास ही शुद्ध पेयजल उपलब्ध होने से उनकी परेशानी काफी हद तक कम हो जाएगी।गौरतलब है कि बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजना लागू होने के बावजूद नया धौड़ा बस्ती के लोग लंबे समय से इसके लाभ से वंचित थे और पेयजल संकट झेल रहे थे। ग्रामीणों की लगातार मांग और जनप्रतिनिधियों के प्रयासों के बाद आखिरकार योजना धरातल पर उतरी, जिससे अब बस्ती के लोगों को नियमित रूप से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

पिठोरिया फायरिंग का खुलासा, दो आरोपित गिरफ्तार, देसी पिस्टल और बाइक बरामद

बिभा संवाददाता

रांची। रांची जिले के पिठोरिया थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 7.65 एमएम की देसी पिस्टल, एक जिंदा कारतूस और मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, यह घटना पुरानी रंजिश और एक हत्या मामले में गवाही को लेकर हुए विवाद का परिणाम है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक गौरव गोस्वामी ने सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि दो जून की शाम करीब छह बजे कोकदोरो निवासी फिरोज अंसारी ने पिठोरिया थाना में शिकायत दर्ज कराई थी,जिसमें कहा गया था कि मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने उन्हें जान से मारने की नीयत से गोली चलाई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय सूचना तंत्र और पुलिस जांच के आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए मामले के मुख्य आरोपित शोएब अंसारी उर्फ जुनुवा अंसारी (23) और अफसर अंसारी (22) को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपितों ने पुलिस को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई 7.65 एमएम की देसी पिस्टल, एक जिंदा कारतूस तथा मोटरसाइकिल बरामद की। बरामद हथियार को जब्त कर पुलिस ने फॉरेंसिक जांच की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

जांच में यह तथ्य सामने आया कि वर्ष 2022 में फिरोज अंसारी के भतीजे की हत्या हुई थी। उस मामले में गिरफ्तार आरोपित अफसर अंसारी भी नामजद था। पुलिस के अनुसार, उसी मामले में गवाही और पुराने विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ था। आरोप है कि फिरोज अंसारी पर अदालत में गवाही नहीं देने के लिए दबाव बनाया जा रहा था और इसी रंजिश के चलते उन पर जानलेवा हमला किया गया।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों ने पूछताछ के दौरान फायरिंग की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। इसके अलावा उन्होंने पिठोरिया और कांके थाना क्षेत्र में हुई कई अन्य आपराधिक घटनाओं में भी अपनी भूमिका होने की बात कबूल की है। पुलिस उन मामलों की भी जांच कर रही है और संबंधित साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित अफसर अंसारी के खिलाफ पहले से हत्या सहित कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस दोनों आरोपितों के आपराधिक इतिहास की विस्तृत जांच कर रही है तथा उनके अन्य सहयोगियों की पहचान कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

पुलिस का कहना है कि जिले में अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य कार्यकर्ता निभा सकते हैं आत्महत्या रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका : शशि प्रकाश

बिभा संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि प्रशिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान, समय पर हस्तक्षेप और आत्महत्या रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सामुदायिक स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए इस पहल की सराहना की। प्रकाश झा सोमवार को केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान (सीआईपी), रांची के मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग की ओर से भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के वित्तीय सहयोग से संचालित परियोजना झारखंड में ग्रामीण (जनजातीय) सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं के लिए सोमवार को सीआईपी परिसर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का मूल्यांकन के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान एमफिल मनोरोग सामाजिक कार्य के विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सीआईपी के प्रभारी निदेशक डॉ एके सुधांशु ने कहा कि परियोजना के प्रथम चरण में रांची जिले के 100 सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जबकि पांच जिलों के 500 स्वास्थ्य कार्यकताओं को प्रशिक्षित कर समुदाय स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और आत्महत्या रोकथाम प्रयासों को सुदृढ़ किया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ प्रभात कुमार, डॉ राजीव कुमार, प्रो अमूल रंजन सिंह, डॉ लाल मांझी, डॉ संतना, डॉ सुनील कुमार सूर्यवंशी, डॉ प्रशांत श्रीवास्तव और डॉ नरेंद्र कुमार सिंह सहित कई विशेषज्ञ मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

होटवार में साइबर अपराध अनुसंधान पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, 78 पुलिसकर्मी ले रहे भाग

रांची(बिभा)। अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय, होटवार में सोमवार को साइबर अपराध का अनुसंधान विषय पर पांच दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण का संचालन सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी से आए तीन अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार सिन्हा ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य साइबर अपराधों की जांच से जुड़े विभिन्न तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं पर पुलिस पदाधिकारियों की क्षमता को सुदृढ़ करना है। पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को डिजिटल पेमेंट से जुड़े अपराधों की जांच, घटनास्थल से डिजिटल साक्ष्य संकलन, सोशल मीडिया आधारित अपराधों की पड़ताल, सीडीआर एवं आईपीडीआर विश्लेषण, डार्क वेब तथा क्रिप्टोकरेंसी से संबंधित अपराधों के अनुसंधान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड पुलिस की विभिन्न इकाइयों से आए आरक्षी, सहायक अवर निरीक्षक, अवर निरीक्षक एवं पुलिस निरीक्षक स्तर के कुल 78 पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पुलिस बल को आधुनिक तकनीकी ज्ञान और अनुसंधान कौशल से सशक्त बनाना है।

झारखंड में गर्मी और उमस से लोग परेशान, 11 को बारिश की संभावना

रांची(बिभा)। राजधानी रांची सहित राज्य के अधिकांश हिस्सों में सोमवार को गर्मी और उमस से लोग परेशान रहे। राज्य के कुछ इलाकों में हुई बारिश के कारण राहत रही, लेकिन बाकी हिस्सों में प्रचंड गर्मी महसूस की गई। मौसम विभाग ने 11 जून को राज्य के उत्तर पूर्वी और इससे सटे मध्यवर्ती हिस्सों में बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है। साथ ही इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी भी चल सकती है। इसे लेकर मौसम विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। दक्षिणी पश्चिमी मानसून देश के पश्चिम मध्यवर्ती और पूर्वी मध्यवर्ती अरब सागर, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में पहुंच गया है। इसके अगले एक-दो दिनों में पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और ओड़िशा में पहुंचने को लेकर परिस्थितियां बनी हुई हैं।

सेपक टकरा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का सफल समापन

रांची(बिभा) : जयपाल सिंह स्टेडियम रांची के जयपाल सिंह स्टेडियम में आयोजित सेपक टकरा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का सफलतापूर्वक समापन हो गया। यह प्रशिक्षण शिविर दिनांक 31 मई से 7 जून 2026 तक आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण शिविर में रांची जिला के कई खिलाड़ियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। शिविर में खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय रेफरी सह कोच श्री अमरेंद्र दत्त द्विवेदी द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल की तकनीकी बारीकियों, फिटनेस एवं प्रतिस्पर्धात्मक तैयारी के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया। समापन समारोह के अवसर पर सेपक टकरा एसोसिएशन के अध्यक्ष उदय साहू, उपाध्यक्ष विभूति भूषण अमर एवं सचिव शिवेंद्र दुबे उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के उपाध्यक्ष बने हैदर गद्दी

रांची(बिभा)। सेंट्रल मुहर्रम कमिटी रांची के पुनर्गठन के दौरान शहर के युवा एवं सक्रिय समाजसेवी हैदर गद्दी को कमिटी का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उनकी नियुक्ति के बाद मुहर्रम कमिटी से जुड़े लोगों, सामाजिक कार्यकताओं, युवाओं तथा शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। विभिन्न संगठनों एवं समाज के लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है। हैदर गद्दी को कम उम्र में मिली यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उनकी मेहनत, लगन, सामाजिक सक्रियता और लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता का परिणाम

झारखंड में लैंड सर्वे में देरी पर हाई कोर्ट सख्त, 25 जून तक सरकार से शपथपत्र तलब

बिभा संवाददाता

रांची। भूमि सर्वेक्षण (लैंड सर्वे) कार्य में देरी को लेकर दायर जनहित याचिका पर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। अदालत ने निर्धारित समय सीमा के बावजूद सर्वेक्षण कार्य पूरा नहीं होने पर कड़ी नाराजगी जताई।

मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह 25 जून तक शपथपत्र दाखिल कर यह स्पष्ट करे कि राज्य के सभी जिलों में लैंड सर्वे कब तक पूरा किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 29 जून को निर्धारित की गई है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि पूर्व में दिए गए निर्देशों के बावजूद कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। अदालत ने 17 जून 2025 को राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव को चार सप्ताह में नई तकनीक अपनाने और छह माह के भीतर पूरे राज्य में सर्वेक्षण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया था, लेकिन इसका पालन नहीं किया गया। राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि झारखंड में लैंड सर्वे के लिए अपनाई जा रही तकनीक पुरानी है, जिसके कारण कार्य में बाधाएं आ रही हैं। सरकार ने यह भी जानकारी दी कि कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में उपयोग हो रही आधुनिक तकनीकों का अध्ययन किया जा रहा है और उनके आधार पर राज्य में सर्वे प्रक्रिया को बेहतर बनाने की योजना है।

इससे पहले की सुनवाई में यह भी बताया गया था कि तीन अलग-अलग टीमें बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में जाकर सर्वे तकनीक का अध्ययन कर चुकी हैं और डिजिटल प्रणाली के माध्यम से भूमि रिकॉर्ड को अपडेट करने की प्रक्रिया पर काम चल रहा है।

अदालत ने कहा था कि भूमि सर्वेक्षण समय पर पूरा होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आम नागरिकों के साथ-साथ सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि झारखंड में भूमि सर्वे की प्रक्रिया वर्ष 1975 से चल रही है, जो अब तक पूरी नहीं हो सकी है। हालांकि सरकार ने अदालत को बताया कि लातेहार और लोहरदगा जैसे कुछ जिलों में सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया गया है, जबकि अन्य जिलों में कार्य प्रगति पर है।

झारखंड के 188 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनेंगे फर्स्ट रेफरल यूनिट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में आपातकालीन और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार ने सभी 188 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) को फर्स्टरेफरल यूनिट (एफआरयू) के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत पहले चरण में 20 सीएचसी को मॉडल एफआरयू के रूप में अपग्रेड किया जाएगा। इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी), नई दिल्ली ने सोमवार को एक ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह जानकारी देते हुए मातृत्व कोषांग की राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. पुष्पा ने बताया कि चयनित स्वास्थ्य केंद्रों को भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक (आईपीएचएस) के अनुरूप विकसित किया जाएगा। इसके तहत आधारभूत संरचना, चिकित्सकों की उपलब्धता, दवाओं तथा चिकित्सा उपकरणों को 50 से 80 प्रतिशत तक उन्नत किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने सभी केंद्रों में गैप एनालिसिस कर आवश्यक मानव संसाधन और बुनियादी सुविधाओं की कमी दूर करने के निर्देश दिए हैं। गैप एनालिसिस के आधार पर केंद्रों को राष्ट्रीय प्रमाणन के लिए तैयार किया जाएगा।

भाजपा ने राज्यसभा चुनाव को बनाया धनबल का खेल, अपने नेताओं पर नहीं रहा भरोसा : कांग्रेस

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने राज्यसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी को भारतीय जनता पार्टी द्वारा समर्थन दिए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि भाजपा का यह निर्णय लोकतांत्रिक मूल्यों के बजाय थैलीशाही और धनबल की राजनीति को बढ़ावा देने वाला है।

उन्होंने ने कहा कि भाजपा का यह कदम इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि उसे अब अपने ही नेताओं, कार्यकताओं और संगठन पर भरोसा नहीं रह गया है। जिस पार्टी के पास देश और राज्य में बड़ा संगठन होने का दावा है, वह यदि राज्यसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार खड़ा करने के बजाय एक निर्दलीय उम्मीदवार के पीछे खड़ी होती है, तो यह उसके आत्मविश्वास की कमी और राजनीतिक दिवालियापन को दशार्ता है। सिन्हा ने आरोप लगाया कि भाजपा लगातार विचारधारा और सिद्धांतों की राजनीति की बात करती है, लेकिन व्यवहार में वह धनबल और प्रभावशाली व्यक्तियों के सहारे राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास करती है। राज्यसभा जैसी महत्वपूर्ण संस्था में ऐसे समर्थन का संदेश यह जाता है कि भाजपा जनसंघर्ष से निकले नेताओं और समर्पित कार्यकताओं के बजाय संसाधन संपन्न लोगों को प्राथमिकता दे रही है।

कांग्रेस ने कहा कि भाजपा को झारखंड की जनता को बताना चाहिए कि आखिर उसके पास ऐसा कौन-सा नेता नहीं था जो राज्यसभा में पार्टी और राज्य का प्रतिनिधित्व कर सके। यह निर्णय भाजपा के उन हजारों समर्पित कार्यकताओं का भी अपमान है, जो वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रहे हैं।

कांग्रेस ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की ताकत उनके सिद्धांत, कार्यकर्ता और जनता का विश्वास होता है, न कि धनबल और प्रभाव का प्रदर्शन। भाजपा का यह फैसला साबित करता है कि उसके कथनी और करनी में बड़ा अंतर है।

कांग्रेस ने विश्वास व्यक्त किया कि झारखंड की जनता और जनप्रतिनिधि इस राजनीति को समझते हैं तथा लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली राजनीति का समर्थन करेंगे।

जीआरडीए ने डोरंडा पीएचसी को मुहैया कराया अत्याधुनिक एंबुलेंस

बिभा संवाददाता

रांची। नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार के निर्देश पर ग्रेटर रांची डेवलपमेंट एजेंसी (जीआरडीए) ने जनसेवा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ करने के लिए एक अत्याधुनिक एंबुलेंस राजकीय औषधालय डोरंडा (पीएचसी) को सीएसआर फंड के तहत सोमवार को उपलब्ध कराया।

इस अवसर पर नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने एंबुलेंस की चाबी सदर अस्पताल के डॉक्टर ताबान रिजवी को उपलब्ध कराया। मंत्री ने एंबुलेस को हरी झंडी दिखाकर डोरंडा अस्पताल के लिए रवाना किया।

मंत्री आवास के समक्ष जीआरडीए के महाप्रबंधक राकेश कुमार नंदक्योलियार ने संस्थान की ओर एंबुलेंस की चाबी उपलब्ध करायी। महाप्रबंधक ने बुके, शॉल और स्मृति चिन्ह देकर मंत्री कुमार को सम्मानित किया।

वहीं डॉ रिजवी सहित अन्य लोगों ने भी मंत्री को स्मृति चिन्ह और बुके दिया।

इस अवसर पर मंत्री सुदिव्य ने कहा कि डोरंडा अस्पताल के लिए एंबुलेंस उपलब्ध होना क्षेत्र के निवासियों के लिए एक बड़ी राहत की बात होगी। राजकीय अस्पताल की प्रभारी डॉ मिता सिन्हा को यह एंबुलेस सदर अस्पताल की ओर से कागजी कार्रवाई के बाद सौंप दी गई।

इस अवसर पर जीआरडीए के अधिकारी शशि भूषण पाठक और साकेत कुमार सिंह सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष, झारखंड के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आज लगेगा विशेष शिविर

बिभा संवाददाता

रांची: प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के सफल 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंगलवार 09 जून को राज्य भर में कई कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे. वहीं राज्यभर के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा.

भारत सरकार द्वारा 9 जून 2016 को शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच की सुविधा प्रदान करना है. इस विशेष उपलब्धि के उपलक्ष्य में 'सुरक्षित गर्भावस्था, स्वस्थ माताएं एवं सशक्त भारत' के विषय पर एक विस्तृत मार्गदर्शिका जारी की गई है.

इस अभियान के एक दशक पूरे होने पर राज्य के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 09 जून को आयुष्मान आरोग्य शिविर लगाया जाएगा. इसके साथ ही जिला अस्पतालों, अनुमंडल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और फर्स्ट रेफरल यूनिट पर विशेष पीएमएसएमए सत्र आयोजित किए जाएंगे. इस दौरान सभी गर्भवती माताओं को समय पर जांच कराने के लिए जागरूक करने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जाएगा.

मातृत्व स्वास्थ्य कोषांग की राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. पुष्पा ने बताया कि पिछले 10 वर्षों (2016-2026) में इस अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं, अल्ट्रासाउंड, रक्त एवं मूत्र की सभी आवश्यक जांच निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है.

इसके तहत राज्य में कुल उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचारपी) का चिह्नीकरण 3.5 प्रतिशत से बढ़कर अब 10 प्रतिशत हो गया है. जिसे आगामी समय में 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है ताकि इन जटिल मामलों की पहचान कर सुरक्षित व शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव कराया जा सके. इसके अलावा महिलाओं को आयरन, कैल्शियम की गोलियां, टीडी टीकाकरण और उचित पोषण व परिवार नियोजन के संबंध में निरंतर परामर्श भी दिया जा रहा है.

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6, 2023-24) के ताजा आंकड़े झारखंड में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में हुए महत्वपूर्ण सुधार को दशार्ते हैं. आंकड़ों के अनुसार, राज्य में पहली तिमाही में प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) कराने वाली माताओं की संख्या एनएफएचएस-5 के 68.0 प्रतिशत से बढ़कर अब 76.4 प्रतिशत (शहरीः 83.0%, ग्रामीणः 74.0%) हो गई है. इसी तरह, कम से कम 4 प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) कराने वाली माताओं का ग्राफ 38.7 प्रतिशत से बढ़कर अब 59.0 प्रतिशत (शहरीः 77.2%, ग्रामीणः 55.6%) पर पहुंच गया है.

गर्भावस्था के दौरान कम से कम 100 दिनों तक आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) की गोलियों का सेवन करने वाली माताओं की संख्या भी पिछले सर्वेक्षण के 28.2 प्रतिशत से बढ़कर 30.6 प्रतिशत हो गई है. इसके अलावा, राज्य में सुरक्षित व संस्थागत प्रसव की दर में भी वृद्धि दर्ज की गई है, जो एनएफएचएस-5 के 75.8 प्रतिशत से सुधरकर अब 77.4 प्रतिशत (शहरीः 91.7%, ग्रामीणः 75.0%) हो गई है. कुशल स्वास्थ्य कर्मियों की देखरेख में कराए गए प्रसव की दर भी 80.3 प्रतिशत हो गई है.

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने राज्य के सभी सिविल सर्जनों को निर्देश दिया है कि वे जिला स्तर पर इन गतिविधियों का सफल कार्यान्वयन सुनिश्चित करें. कार्यक्रमों से संबंधित प्रतिवेदन उसी दिन पोर्टल पर अपलोड करने और राज्य मुख्यालय को ईमेल के माध्यम से उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं.

आईईसी के राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. राहुल किशोर सिंह ने आम जनमानस से अपील की है कि हर महीने की 09 तारीख को गर्भवती महिलाएं अपनी नियमित और सुरक्षित जांच के लिए नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में अवश्य जाएं.

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ओ-एसी-टी-47 से 49-26-27 (ओपन), दिनांक 05.06.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, केस सं.: ओ-एसी-टी-47-26-27; कार्य का नाम:** डीईएन/4/आसनसोल के अधीन कॉर्ड लाइन में पुल सं. 42 (अजय नदी) के खम्भों के संरक्षा कार्य के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 3,24,17,839.96। **बयाना राशि:** रु. 6,48,400; **क्रमांक 2, केस सं.: ओ-एसी-टी-48-26-27; कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के तहत ट्रैक रखरखाव के लिए बुनियादी सुविधा एवं संचालन कर्मियों के साथ गैंट हटों, गुमटियों, पेय जल की सुविधाओं, पाथवे इत्यादि के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 4,26,65,446.01। **बयाना राशि:** रु. 8,53,300; **क्रमांक 3, केस सं.: ओ-एसी-टी-49-26-27; कार्य का नाम:** डीईएन/4/आसनसोल अनुभाग में परिहार्य ज्वाइंटों में एसकेवी वेल्डिंग के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 47,59,304.50। **बयाना राशि:** रु. 95,200; **कार्य हेतु समापन अवधि:** प्रत्येक के लिए 12 महीने। **बंद होने की तारीख एवं समय:** 02.07.2026 को 12.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

(ASN-132/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

डीपीएस बोकारो के पूर्व छात्र डॉ. विजय को राष्ट्रीय मेडिकल परीक्षा में देशभर में पहला स्थान

बिभा संवाददाता

बोकारो। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो से निकली एक और होनहार प्रतिभा ने इस शहर और राज्य का परचम राष्ट्रीय स्तर पर लहराया है। हम बात कर रहे हैं विद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. विजय मनोहर की, जिन्होंने जीवन के चुनौतीपूर्ण क्षण को अपनी प्रेरणा का स्रोत बनाया और देशभर में अपनी कामयाबी का डंका बजाया। विद्यालय के 2014 बैच के विद्यार्थी डॉ. विजय मनोहर ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्?थान (एम्स), नई दिल्ली की ओर से आयोजित राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल प्रवेश परीक्षा आईएनआई-एसएसएस यानी इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इम्पोर्टेंस सुपर स्पेशियलिटी एग्जाम 2026 में देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया। उन्होंने एमसीएच रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी की अखिल भारतीय परीक्षा में रैंक 1 पाई। इसके लिए पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में केवल एक सीट है और डॉ. विजय ने इसके लिए जी-तोड़ पढ़ाई कर राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान हासिल करते हुए अपना दाखिला सुनिश्चित किया। अब गुर्दा-प्रत्यारोपण शल्यक्रिया की यह चिकित्सकीय पढ़ाई वह अगले तीन साल तक कर इस क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को नया आयाम दे सकेंगे।

उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष है। प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने डॉ. विजय को बधाई देते हुए उनकी इस कामयाबी को गौरवपूर्ण तथा सभी विद्यार्थियों के

लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। कहा कि विद्यालय में छात्र-छात्राओं के समग्र विकास, शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की अपनी मेहनत है, जो यहां से निकले ऐसे हीरे आज राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर अपनी चमक बिखेर रहे हैं।

सोमवार को एक खास बातचीत में डॉ. विजय ने कहा कि कोरोनाकाल उनके जीवन के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण और जीवन का यू-टर्न साबित हुआ। उस वक्त वह बोकारो में थे और महामारी के इस दौर में लोगों को जिस चिकित्सकीय संकट का सामना करना पड़ रहा था, उसने उन्हें काफी प्रभावित किया। उस दौरान ही उन्होंने मानवता की सेवा के संकल्प के साथ ठान लिया कि जीवन में उन्हें और आगे बढ़ते हुए अपनी चिकित्सकीय क्षमता बढ़ानी है, ताकि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभान्वित कर सकें। इस दिशा में उन्होंने सभी के सहयोग से मेहनत की और आज परिणाम सामने है।

डीपीएस बोकारो में चेनाब हाउस का छात्र रहे डॉ. विजय ने बताया कि अपने स्कूल ने हमेशा ही उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। यहां शिक्षकों का सहयोग, मित्रों का साथ, स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण और विद्यार्थियों के चतुर्दिक विकास का जो माहौल मिला, वह काफी कारगर साबित हुआ। यह उनके जीवन के लिए लांचपैड बना और सपनों को नई उड़ान मिली। अपनी कामयाबी का श्रेय उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों के साथ-साथ अपने माता-पिता, अपनी बड़ी बहन और मित्रों के सहयोग को दिया है। 2012 में उन्होंने 10वीं में 10 सीजीपीए तथा 2014 में 12वीं में 88 प्रतिशत अंकों के साथ सफलता पाई थी। बचपन से ही मेडिकल क्षेत्र में जाने की इच्छा थी, इसलिए अपने पसंदीदा विषय बायोलॉजी में परिश्रम किया।

डीपीएस बोकारो से निकलकर रिम्स से 2019 में एमबीबीएस और 2025 में जनरल सर्जरी में जयपुर गोल्डन हॉस्पिटल, दिल्ली से जनरल सर्जरी में डीएनबी की डिग्री अर्जित की। चीराचास के वास्तु विहार, फेज- 2 निवासी सेवानिवृत्त इस्पातकर्मी श्रीनिवास राव और गृहिणी श्रीमती अनुराधा के पुत्र डॉ. विजय अब यूरोलॉजी अथवा नेफ्रोलॉजी में सुपर स्पेशलाइजेशन के बाद उच्च प्रशिक्षित सर्जन के रूप में अपना योगदान दे सकेंगे। उनके पिता श्री राव ने कहा कि विजय बचपन से ही पढ़ाई में काफी मेधावी थे। बायोलॉजी में शत-प्रतिशत अंक के लिए 12वीं कक्षा में देशभर के 0.1 प्रतिशत विशिष्ट मेधावी विद्यार्थियों की सूची में वह भी शामिल थे।

आकाशीय बिजली बनी काल: 9वीं की छात्रा रेशमा की मौत, गांव में शोक की लहर

बिभा संवाददाता

बोकारो। गोमिया प्रखंड के बारीडारी पंचायत स्थित नारंग गांव में बीते दिन को आकाशीय बिजली गिरने से 14 वर्षीय छात्रा रेशमा कुमारी की मौत हो गई। रेशमा, जो पुसन मांझी की पुत्री और 9वीं कक्षा की छात्रा थी, घर के बाहर बर्तन धो रही थी जब अचानक मौसम बिगड़ा और तेज गर्जना के साथ वर्षा होने लगी। इसी दौरान आकाशीय बिजली उसकी चपेट में आ गई और वह गंभीर रूप से झुलस गई।

परिजन उसे तुरंत रामगढ़ सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उपचार के बावजूद रेशमा को बचाया नहीं जा सका। देर रात इलाज के दौरान उसने अंततः दम तोड़ दिया। रेशमा परिवार की सबसे बड़ी संतान थी; घर में दो बहनें और एक भाई है। बेटी के असामयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और परिजन बिलख-बिलख कर रो रहे हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही गांव में शोक छा गया और आसपास के लोग परिजनों के साथ संवेदना व्यक्त करने पहुंचे। पुलिस और ग्रामवासी ने कहा कि मौसम अचानक बिगड़ने के चलते पूर्व चेतावनी का समय न मिलने के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। आशंका जताई जा रही है कि बिजली गिरने के तुरंत बाद रेशमा को उचित दूरी पर न ले जाया गया या फौरन एम्बुलेंस उपलब्ध न होने के कारण समय पर बचाव संभव नहीं हो पाया। स्थानीय पुलिस ने कहा कि मामले की तफ्तीश की जा रही है और परिवार को सरकारी कल्याण सहायता व रोशनी मामलों में आवश्यक मदद दिलाने के प्रयास किए जाएंगे। नजदीकी ग्रामीण और स्कूल प्रशासन भी परिवार के दुःख में शामिल हैं और समुदाय में सुरक्षा व मौसम चेतावनी संबंधी जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो में राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 100-दिन का शिविर संपन्न, 88 लोगों की हुई जांच

बोकारो: चंदनकियारी प्रखण्ड के चंद्रा पंचायत भवन में राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में आयोजित 100-दिन के शिविर का समापन हुआ। इस दौरान कुल 88 लोगों की जांच की गई। शिविर में उच्च जोखिम वाले लोगों जैसे डायबिटीज मरीज, पुराने टीबी रोगी, टीबी रोगियों के घर के सदस्य, शराब और धूम्रपान करने वाले, 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग और कम बीएमआई वाले लोगों की एआई आधारित पोर्टेबल एक्स-रे मशीन द्वारा जांच की गई और बलगम संग्रहण किया गया।इस अवसर पर एसटीएस अनुराग कुमार, एसटीलए इंद्रद्वीप, टीवीएभी संजीव मंडल, सीएचओ शिल्पा, एक्स-रे तकनीशियन मुकेश, एएनएम,एमपीडब्ल्यू, सहिया साथी, सहिया और अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य यक्ष्मा के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना और उच्च जोखिम वाले लोगों की समय पर पहचान कर उचित उपचार सुनिश्चित करना बताया गया।

पल्स पोलियो जून चक्र 2026 की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न

बोकारो । सोमवार को प्रखंड सभागार, चास में प्रखंड विकास पदाधिकारी, चास की अध्यक्षता में आगामी पल्स पोलियो जून चक्र 2026 के सफल संचालन हेतु समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, पर्यवेक्षकों एवं संबंधित कर्मियों ने भाग लिया। बैठक में बताया गया कि 28, 29 एवं 30 जून 2026 को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक (दो बूंद जिंदगी की) पिलाई जाएगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी, चास ने सभी सुपरवाइजरों को अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने एवं यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। अभियान की सफलता के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय एवं सतत निगरानी पर विशेष बल दिया गया। सभी अभिभावकों से अपील है कि 28, 29 एवं 30 जून 2026 को अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं। दो बूंद जिंदगी की - हर बच्चे तक, हर बार !

जिला परिषद कार्यालय परिसर में होगा आम्रलिका आम महोत्सव का आयोजन कल

बोकारो। जिला प्रशासन, बोकारो द्वारा बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत 09 जून 2026 (मंगलवार) को जिला परिषद कार्यालय परिसर में आम्रलिका आम महोत्सव 2026 का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक आयोजित होगा। स्वाद तीन, पहचान एक थीम पर आयोजित होने वाले इस महोत्सव में आम्रपाली, मल्लिका एवं लंगड़ा किस्म के आम प्रमुख आकर्षण होंगे। कार्यक्रम के माध्यम से आम उत्पादन को प्रोत्साहित करने, किसानों/एसएचजी दीदीओं को अपने उत्पादों के मार्केटिंग (विपणन) का अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की दीदियों की विशेष सहभागिता रहेगी। उनके द्वारा आम एवं आम आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की व्यवस्था की जाएगी। इससे उन्हें अपने उत्पादों के विपणन का अवसर मिलेगा तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। जिला प्रशासन का उद्देश्य एसएचजी दीदियों को आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाना है। महोत्सव में आम उत्पादकों, लाभुक किसानों, स्वयं सहायता समूहों एवं आम नागरिकों की सहभागिता रहेगी। विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से बागवानी - आम उत्पादन प्रसंस्करण एवं विपणन से संबंधित उपयोगी जानकारियां भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इसको लेकर उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार ने किसानों, स्वयं सहायता समूहों एवं आमजनों से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

आजसू केंद्रीय समिति की बैठक 22 जून को धनबाद में, मनाया जाएगा 40वां स्थापना दिवस

आजसू के संघर्ष से मिला राज्य, फिर करेंगे उलगुलान : सुदेश महतो

बिभा संवाददाता

बोकारो : आजसू पार्टी की केंद्रीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आजसू अध्यक्ष व पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें पार्टी ने 22 जून को धनबाद में अपना 40वां स्थापना दिवस मनाने और नए राजनीतिक संघर्ष का बिगुल फूंकने का निर्णय लिया। बैठक बोकारो स्थित कैंप 2 जायका हैपीनेस बैंक्वेट हॉल में संपन्न हुई।

बैठक में पार्टी ने राज्य में बढ़ते ह्लमाफिया राजह्व और सरकारी कुशासन पर चिंता जताई। सुदेश महतो ने कहा कि आजसू के संघर्ष से अलग राज्य तो मिला, पर शहीदों के सपनों का सच्चा झारखंड अभी तक नहीं बन पाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में

शोषण और लूट के खिलाफ आवाज उठाने वालों को दबाया जा रहा है और जेल भेजा जा रहा है। महतो ने कहा, हम फिर उलगुलान करेंगे और लोगों के हक के लिए सड़कों पर उतरेंगे।

बैठक के दौरान संगठन सुदृढ़ीकरण और आगामी चुनावी व आंदोलनात्मक रणनीति पर व्यापक मंथन हुआ। केंद्रीय नेताओं ने बूथ स्तर से लेकर राज्य स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया और आगामी कार्यक्रमों का ऐलान किया। पार्टी ने 5 जुलाई को रांची में महिलाओं का महाधिवेशन तथा 7-8 अगस्त को जमशेदपुर में युवा महाधिवेशन आयोजित करने का निर्णय लिया।

विशिष्ट अतिथि गिरिडीह से चंद्र प्रकाश चौधरी ने हेमंत सरकार की नीतियों पर निशाना साधा और कहा कि अधिकारियों का बेलगामाना व्यवहार विस्थापितों व रैयतों का शोषण बढ़ा रहा है। चौधरी ने चेतावनी दी कि इन दमनकारी नीतियों के खिलाफ आजसू सड़कों पर उतरकर संघर्ष करेगी और जनता से अपील की कि वह आजसू से उम्मीद रखें।

बैठक में धनबाद की हालिया घटना की भी विस्तार से समीक्षा हुई। पार्टी ने घटना पर अपनी प्रतिक्रिया और भावी आंदोलनात्मक कार्यक्रम तैयार करने का निर्णय लिया तथा संघर्ष तेज करने का मन बनाया।

बैठक को मांडू विधायक निर्मल महतो, बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष डोमन सिंह मुंडा, पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो, मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत तथा केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। बैठक में संगठन के विस्तार, बूथ, पंचायत, प्रखंड, जिला व राज्य स्तर पर ठोस रणनीति तैयार करने पर सहमति बनी।

सेक्टर-6 थाना ने चालकों को गुलाब और माला देकर दी ट्रैफिक जागरूकता

बिभा संवाददाता

बोकारो : सेक्टर-06 थाना प्रभारी संगीता के नेतृत्व में मंगलवार को पत्थरकट्टा चौक पर एक सजीव ट्रैफिक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान में पुलिस उपाधीक्षक (नगर) और पुलिस उपाधीक्षक (ट्रैफिक) भी मौजूद रहे और उन्होंने राहगीरों व वाहन चालकों को नियमों का पालन करने के लिए संदेश दिया।

अभियान के दौरान ट्रैफिक नियमों का पालन करने वाले चालकों को सम्मान स्वरूप गुलाब देकर प्रेरित किया गया। जिन चालकों ने नियमों का उल्लंघन किया – विशेषकर बिना हेलमेट पहुंचे दोपहिया चालाकों – उन्हें सार्वजनिक रूप से माला पहनाकर बताया गया कि उनकी फोटो पर ऐसी माला न लगे और साथ ही संदेश दिया गया कि जीवन अनमोल है, अतः नियमों का कड़ाई से पालन करें।

इस अवसर पर सेक्टर-06 थाना क्षेत्र की शांति समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी अभियान का समर्थन करते हुए नागरिकों से सहयोग का आह्वान किया। थाना प्रभारी संगीता ने कहा कि हमारा उद्देश्य दंड देना नहीं बल्कि लोगों को सुरक्षित रहने और नियम अपनाने के प्रति प्रेरित करना है। उन्होंने आगे बताया कि ऐसी साप्ताहिक जागरूकता गतिविधियों से सड़क सुरक्षा में सुधार की उम्मीद है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे हेलमेट, सीट-बेल्ट और अन्य यातायात नियमों का पालन करें जिससे दुर्घटनाओं और जनहानि को रोका जा सके।

कसमार अंचल के सेवानिवृत्त नाजिर हरिचरण महतो का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

बिभा संवाददाता

कसमार । कसमार प्रखंड के मंजुरा गांव निवासी एवं कसमार अंचल कार्यालय के सेवानिवृत्त नाजिर हरिचरण महतो का निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वे लंबे समय तक अंचल कार्यालय में अपनी सेवाएं देते रहे और अपने सरल स्वभाव, कर्तव्यनिष्ठा तथा ईमानदार कार्यशैली के लिए जाने जाते थे।

हरिचरण महतो ने सरकारी सेवा के दौरान आम लोगों के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। उनके व्यवहार और कार्यशैली के कारण वे अधिकारियों, कर्मचारियों तथा आम जनता के बीच काफी

सम्मानित थे। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहते थे और क्षेत्र के लोगों के सुख-दुःख में सहभागी बनते थे।

उनके निधन से मंजुरा गांव सहित पूरे कसमार क्षेत्र में शोक का माहौल है। उनके आवास पर अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं शुभचिंतक पहुंचे और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित लोगों ने कहा कि हरिचरण महतो का जीवन समाज और प्रशासनिक सेवा के प्रति समर्पण का उदाहरण था। उनका निधन क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। ग्रामीणों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

कसमार अंचल के सेवानिवृत्त नाजिर एवं मंजुरा निवासी हरिचरण महतो के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर उनकी पुण्य आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति दें।

शहीद जगदेव बाबू के आदर्शों पर समतामूलक समाज की स्थापना पर विचार गोष्ठी

बिभा संवाददाता

बोकारो (चास)। समाजिक समन्वय समिति, बोकारो द्वारा आयोजित शहीद जगदेव बाबू के विचार और हमारा बहुसंख्यक समाज विषयक विचार गोष्ठी कुशवाहा भवन, चास में आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन सभा अध्यक्ष अधिवक्ता अशोक कुमार महतो, ललन आनंदकर, राम सागर दास, अवधेश कुमार सिंह, सुरेश बैठा, कुंवर सिंह कुशवाहा, रेणु प्रसाद तथा रामाश्रय प्रसाद एवं अधिवक्ता रविन्द्र प्रसाद सिंह की उपस्थिति में शहीद जगदेव बाबू की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया।

गोष्ठी में वक्ताओं ने जगदेव बाबू के व्यक्तित्व, कृतित्व और उनके नारों के सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक प्रकाश पर विचार साझा किए। मुख्य वक्ताओं संजय शान, मनोज कुमार, ए. पी. वर्मा, आर. पी. सिंहा, अधिवक्ता विरेन्द्र प्रसाद, अधिवक्ता धनजीत चौधरी, राम गहन सिंह, श्रीचंद प्रसाद, देव कुमार, रामाशंकर, सरयु प्रसाद, मीना बागी, रामजी रजक, सुखदेव रजक, लाल बाबू यादव व के. ए. पी. वर्मा ने अलग-अलग पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जगदेव बाबू के नारे – सबको इज्जत, सबको रोटी और सौ में नब्बे शोषित हैं, नब्बे भाग हमारा – आज भी सामाजिक असमानता और जनांदरभेद के खिलाफ प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में समाजिक कार्यों में विशेष योगदान देने वाले कई लोगों को शहीद जगदेव बाबू सम्मान से सम्मानित भी किया गया। सभा का संचालन सुनील गांधी और ललन आनंदकर ने किया। आयोजन को सफल बनाने में सुनील प्रसाद, धर्मेंद्र पटेल, अरविंद कुमार मेहता, अरुण कुमार सिंह, सिद्धार्थ, अखिलेश कुमार सिंह, अमरेंद्र कुमार सिंह और यशवंत सिंह सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

25 वर्षों बाद +2 हाई स्कूल, सेक्टर-12 के वर्ष 2000 बैच का सिल्वर जुबली रियूनियन संपन्न, गुरुजनों का हुआ सम्मान

बिभा संवाददाता

बोकारो । +2 हाई स्कूल, सेक्टर-12, बोकारो स्टील सिटी के वर्ष 2000 बैच के पूर्व छात्र-छात्राओं का दो दिवसीय सिल्वर जुबली रियूनियन समारोह उत्साह, भावनाओं एवं पुरानी यादों के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मैट्रिक उत्तीर्ण किए 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस समारोह में देश के विभिन्न भागों से आए पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत आपसी परिचय, स्मृतियों के आदान-प्रदान एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई। वर्षों बाद एक-दूसरे से मिलकर सभी सहपाठी भावुक दिखाई दिए। प्रतिभागियों ने अपने विद्यालयीन जीवन की अनेक रोचक घटनाओं को साझा किया और शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

समारोह का सबसे भावनात्मक क्षण

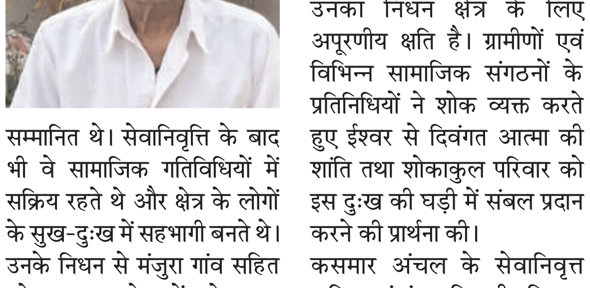

वह रहा जब विद्यालय के तत्कालीन प्राचार्य पी. भारती सर, मोहन राकेश सर, ए. के. प्रसाद सर, लता मैडम, बी. के. सिंह सर सहित अन्य सम्मानित गुरुजनों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में सदैव सीखते रहने, नैतिक मूल्यों का पालन करने तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संदेश दिया।

पूर्व छात्रों ने कहा कि विद्यालय में प्राप्त शिक्षा, अनुशासन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज बैच के सदस्य चिकित्सा, अभियंत्रण, शिक्षा, प्रशासन, व्यवसाय, उद्योग एवं विभिन्न अन्य क्षेत्रों में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। कई प्रतिभागियों ने स्वीकार किया कि जीवन में मिली उपलब्धियों की नींव इसी विद्यालय में रखी गई थी।

रियूनियन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्मृति साझा सत्र, मनोरंजक गतिविधियाँ एवं समूह संवाद का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों ने इसे केवल एक पुनर्मिलन नहीं, बल्कि गुरु-शिष्य परंपरा, मित्रता और साझा जीवन मूल्यों के उत्सव के रूप में वर्णित किया।

आयोजन समिति ने बताया कि इस रियूनियन का उद्देश्य पुराने सहपाठियों को पुनः एक मंच पर लाना, शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए मित्रता और सामाजिक जुड़ाव का एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करना था। समारोह के समापन पर सभी पूर्व छात्र-छात्राओं ने भविष्य में भी आपसी संपर्क बनाए रखने, सामाजिक कार्यों में सहयोग करने तथा विद्यालय के विकास में यथासंभव योगदान देने का संकल्प लिया। यह सिल्वर जुबली रियूनियन सभी प्रतिभागियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया, जिसने 25 वर्षों पुरानी यादों को पुनः जीवंत कर दिया।

बोकारो जिले के 1400 से अधिक होमगार्ड जवानों को तीन माह से नहीं मिला वेतन

बिभा संवाददाता

बोकारो । बोकारो जिले के अंचल व प्रखंडों में तैनात 1400 से अधिक होमगार्ड जवानों को तीन माह से वेतन नहीं मिला है. इसके कारण इन्हें परिवार चलाने में परेशानी हो रही है. बच्चों के पढ़ाई पर प्रभाव पड़ रहा है. बैंक हर माह इएमआइ के लिए तकादा कर रहे हैं. जवानों ने कमांडेंट से वेतन भुगतान करने की गुहार लगायी है. जवानों ने कहा कि दुकान वाले राशन व अन्य सामग्री देने में भी कन्नी काटने लगे हैं. लोग कर्ज देने में भी कतराने लगे हैं. वेतन नहीं मिलने से आर्थिक के साथ-साथ मानसिक परेशानी से भी गुजर रहे हैं. आर्थिक संकट के कारण कई जवानों ने परिवार को गांव भेज दिया है.

जिला कमांडेंट (होमगार्ड) किरण कुमारी ने कहा कि मुख्यालय को राशि आवंटन के लिए पत्र भेजा है. निजी तौर पर जवानों की समस्याओं से भी अवगत कराया है. आशा है कि एक सप्ताह में बकाया राशि का भुगतान हो जायेगा. कुछ तकनीकी कारणों से वेतन रूका हुआ था.

उपायुक्त ने नगर परिषद एवं छावनी परिषद क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों एवं स्थलों का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रामगढ़ : उपायुक्त ऋतुराज ने सोमवार को नगर परिषद एवं छावनी परिषद क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों, निमार्णाधीन परियोजनाओं तथा जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ऋतुराज द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किये गये निरक्षण का आम जन स्थाई विकास के नजरिए से देखें रही है। चर्चा है कि बहुत समय बाद कोई स्थाई विकास करने आया है, अब तो केवल चर्चा व समीक्षा तक ही विकास होता था।

निरीक्षण की शुरूआत छावनी फुटबॉल मैदान से हुई। इस दौरान छावनी परिषद के अधिशासी अधिकारी विवेक सिंह ने मैदान के समग्र विकास हेतु प्रस्तावित कार्यों एवं लेआउट प्लान की विस्तारपूर्वक जानकारी उपायुक्त को दी। उपायुक्त ने मैदान के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुझाव एवं निर्देश दिए ताकि इसे बेहतर खेल अवसंरचना के रूप में विकसित किया जा सके।

इसके उपरांत बस स्टैंड के समीप स्थित खाली भूमि का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि उक्त भूमि पर टाउन हॉल अथवा सामुदायिक भवन निर्माण का प्रस्ताव है। उपायुक्त ने भूमि की उपयोगिता एवं संभावनाओं का आकलन करते हुए विस्तृत प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

रामगढ़ कॉलेज गेट के समीप जलजमाव की समस्या का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने संबंधित पथ प्रमंडल के अधिकारियों को ड्रेनेज व्यवस्था की तत्काल सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही इस संबंध में 15 दिनों के भीतर प्रगति प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा।

मुर्रामकला स्थित डंप यार्ड का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने निमार्णाधीन चहारदीवारी एवं अन्य संरचनात्मक कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने डंप यार्ड तक पहुंच मार्ग (एप्रोच रोड) के निर्माण को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ताकि कचरा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

बस स्टैंड रामगढ़ के निरीक्षण के दौरान प्रथम तल पर निमार्णाधीन कैंटीन, यात्रियों के बैठने एवं ठहरने की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया गया। उपायुक्त ने संबंधित एजेंसी को कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त द्वारा बस स्टैंड के समीप स्थित ब्रिगेडियर पुरी पार्क का भी निरीक्षण किया गया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

इसके पश्चात बिजुलिया तालाब का निरीक्षण कर उसके संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की गई। वहीं सुभाष चौक के समीप खाली पड़ी भूमि पर पार्किंग व्यवस्था विकसित करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

मसमोहना स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट-1 के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने जेसीबी मशीन लगाकर संबंधित क्षेत्र में ट्रेंच कटवाने का निर्देश दिया।

थाना चौक स्थित सतकौड़ी कॉम्प्लेक्स के समीप अवस्थित तालाब का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने तालाब की भूमि का सीमांकन (डीमार्केशन) कराने तथा संभावित अतिक्रमण की पहचान करने का निर्देश दिया।

मरार स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने केंद्र पर सभी आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का निर्देश दिया।

सांसद खेल महोत्सव और नमो फुटबॉल टूर्नामेंट को वर्ल्ड क्लास स्तर पर भव्य बनाने का संकल्प

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के हुड़हुडू स्थित फुडीज कैफे सभागार में आगामी सांसद खेल महोत्सव-2026 और नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के व्यापक आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिसमें सांसद मनीष जायसवाल सहित लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधियों, रेफरियों और टूर्नामेंट संचालन से जुड़े खेल प्रेमियों ने हिस्सा लिया। इस महामंथन में निर्णय लिया गया कि झारखंड के इस सबसे बड़े खेल आयोजन को इस वर्ष और अधिक अनुशासित, भव्य और उपयोगी बनाया जाएगा, जिसके तहत सभी 22 प्रखंडों में एक सप्ताह के भीतर मुकाबले शुरू कराकर महज एक पखवाड़े में टूर्नामेंट संपन्न कराया जाएगा। तिथि की घोषणा भी जल्द की जायेगी। खेल को राजनीतिक दांव-पेंच से दूर रखने की प्रतिबद्धता जताते हुए इस बार खिलाड़ियों को पारंपरिक पोटली के बजाय एक आकर्षक किट बैग में 15 सेट वर्ल्ड क्लास जर्सी दी जाएगी और फुटबॉल के साथ-साथ अन्य स्थानीय खेलों को भी इसमें शामिल कर खिलाड़ियों का डेटाबेस तैयार किया जाएगा। आयोजन समिति ने ऐसे मैदानों और समय के चयन पर जोर दिया है जहां दर्शकों की भारी भीड़ जुटे, ताकि स्थानीय खेल प्रतिभाओं को बड़ा मंच मिल सके और युवाओं को नशाखोरी व अपराध की मानसिकता से दूर रखकर सामाजिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हम राजनीतिक क्षेत्र के लोग हैं लेकिन हमारे कई कार्य जैसे बेटियों का सम्मान और खेल प्रतिस्पधाएं राजनीति से कतई प्रेरित नहीं होते। यह टूर्नामेंट सिर्फ हजारीबाग ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड का सबसे बड़ा आयोजन है जिसमें गत वर्ष 1500 टीमों के 25 हजार खिलाड़ियों का समागम होता है। खेल युवाओं को आपराधिक मानसिकता और नशाखोरी से दूर रखता है, इसलिए इसे और अधिक भव्य बनाने तथा अधिक से अधिक स्थानीय टीमों को जोड़ने में आप सभी अपनी सामाजिक जवाबदेही निभाएं।

संक्षिप्त खबरें

उत्पाद विभाग ने 4000 किलोग्राम जावा महुआ किया विनष्ट

हजारीबाग(बिभा): उपायुक्त हेमन्त सती के निदेर्शानुसार जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, संचय एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत उत्पाद विभाग द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। इसी क्रम में सहायक आयुक्त उत्पाद के निर्देशन में विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चटकरी (उपर टोला), पंचायत मैडमो में संचालित अवैध महुआ चुलाई शराब निर्माण स्थलों पर छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न घरों में संचालित अवैध महुआ चुलाई शराब की कुल 05 जलती हुई भट्ठियों का भंडाफोड़ किया गया। छापेमारी के दौरान घटनास्थल एवं उसके आसपास छिपाकर रखे गए लगभग 4000 किलोग्राम जावा महुआ (किन्वयण योग्य पदार्थ) को विनष्ट किया गया। साथ ही शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, बर्तन आदि को नष्ट करते हुए करीब 135 लीटर अवैध चुलाई शराब जब्त की गई। मामले में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है तथा उनके विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। छापेमारी दल में अवर निरीक्षक उत्पाद श्री भुनेश्वर नायक, उत्पाद आरक्षी श्री अनूप कुमार सिंह एवं सशस्त्र गृह रक्षा वाहिनी के जवान शामिल थे।

उपायुक्त ने की आधारभूत संरचना से संबंधित समीक्षा बैठक

लातेहार (बिभा): उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आधारभूत संरचना, भू अर्जन से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने बनहर्दी, कोल ब्लॉक पीवीयूएनएल, पथ निर्माण विभाग, एनएमएल एनटीपीसी सहित अन्य परियोजनाओं के द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए एफआरए, एनओसी, जमीन अधिग्रहण सहित लंबित मामलों की जानकारी लेने के उपरांत जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए उनके निष्पादन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने विभिन्न परियोजनाओं में अधिग्रहित किए गए जमीन के लंबित मुआवजे के भुगतान की समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द मुआवजा भुगतान करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने अंचलवार अंचल अधिकारियों से उनके उनके क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं में भूमि सहित अन्य मामलों के तहत हो कार्यों की जानकारी लेने के उपरांत मामलो पर कार्रवाई करते हुए ससमय उनका निष्पादन करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, एलआरडीसी प्रभात कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार दिनेश कुमार , जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल , कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत राजीव रंजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, संबंधित पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी ,कोल कंपनियों के अधिकारी ,प्रतिनिधि, आदि उपस्थित थे।

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने की उपायुक्त से मुलाकात

धनबाद(बिभा) : जिले के भ्रमण के दौरान देहरादून में प्रशिक्षणरत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2025 बैच के सात प्रशिक्षु अधिकारियों ने आज उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन से मुलाकात की। इससे पूर्व उन्होंने बाबूडीह स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का भ्रमण किया। तत्पश्चात सदर अस्पताल के पैट्रियोटिक वार्ड, गोविंदपुर के गोटोप्पा में एफपीओ, गोविंदपुर के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कृषक पाठशाला का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान वे उसकी विविध गतिविधियों से रूबरू हुए। इस संबंध में उपायुक्त ने बताया कि सभी प्रशिक्षु आईएएस पदाधिकारी भारत दर्शन कार्यक्रम के तहत धनबाद दौरे पर है। इनको अलग-अलग राज्यों में गुड गवर्नेंस की पहलों से परिचित कराया जाता है। जो उनमें युवा सिविल सेवक के लिए कौशल विकसित करेगा। साथ ही उनको कॉमर्स और इंडस्ट्री, रिसोर्स तथा फाइनेंस और इकोनॉमी के सेक्टर का अनुभव देगा। मौके पर जिला खनन पदाधिकारी श्री रितेश राज तिग्गा तथा डीएमएफटी पीएमयू टीम के सदस्य मौजूद थे।

लातेहार उपायुक्त संदीप कुमार बने बुजुर्ग सोमर भुईयां का सहारा, अभी तक पेंशन,आवास,आधार कार्ड से थे वंचित

जिले का कोई भी योग्य जरूरतमंद व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहेगा: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त संदीप कुमार के निर्देश पर सदर प्रखंड प्रशासन ने इचाक पंचायत के लबरपुर गांव निवासी बुजुर्ग सोमर भुइयां को सरकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में त्वरित कार्रवाई की है। वर्षों से उपेक्षा और अभाव के बीच जीवन बिता रहे सोमर भुइयां की स्थिति संज्ञान में आते ही उपायुक्त ने सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज तिवारी को आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया, जिसके बाद प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर सहायता उपलब्ध करानी शुरू कर दी।जानकारी के अनुसार, सोमर भुइयां का कच्चा मकान पिछले वर्ष बारिश में ध्वस्त हो गया था। इसके बाद वे गांव के एक अनुपयोगी शौचालय में रहने को मजबूर थे। बीमारी के कारण

उनके हाथ और उंगलियां भी प्रभावित हो चुकी हैं, जिससे आजीविका चलाना कठिन हो गया था। उन्हें राशन, पेंशन और आवास जैसी बुनियादी सरकारी सुविधाओं का लाभ भी नहीं मिल रहा था।

उपायुक्त के निर्देश पर बीडीओ मनोज तिवारी ने संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर बुजुर्ग को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू कराई। उनका आधार कार्ड बनवाने की कार्रवाई की गई है। वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत कराने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्वास्थ्य जांच कर स्वच्छता किट एवं अन्य जरूरत की सामग्री उपलब्ध कराया। आपूर्ति विभाग ने राशन सामग्री और लुंगी प्रदान की। साथ ही अंबेडकर आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। फिलहाल सोमर भुइयां को सुरक्षित स्थान पर उनके पड़ोसी महरान भुइयां के घर में स्थानांतरित कराया गया है तथा प्रशासन की ओर से आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया गया है।उपायुक्त ने कहा कि जिले का कोई भी योग्य जरूरतमंद व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहेगा। प्रशासन की प्राथमिकता है कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे। सोमर भुइयां के मामले में सभी आवश्यक विभागों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। उन्हें आवास, पेंशन, राशन सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है।

सिमडेगा के आम का लंदन में भारी मांग

बिभा संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड के सिमडेगा जिले में उत्पादित आम विश्व स्तर पर धूम मचा रहा है। विश्व स्तर पर सिमडेगा के आम्रपाली आम की मांग लगातार बढ़ रही है। सिमडेगा जिले से लंदन,यूएई, अमेरिका आदि विदेश में इसका निर्यात हो रहा है। झारखंड के सिमडेगा से 1.5 का एम टी आम्रपाली आम की पहली खेप लंदन पहुंच चुकी है। अगले सप्ताह भी आम्रपाली आम का एक खेप लंदन निर्यात होगा।

पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री भारत सरकार ने कहा झारखंड के सिमडेगा की महिला किसान उत्पादक समूह द्वारा उगाए गए आम्रपाली आम यूनाइटेड किंगडम पहुंचने वाला है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के निरंतर प्रयासों से किसानों को बेहतर मूल्य महिलाओं को नहीं पहचान और भारत के किसी निर्यात को नई गति मिल रही है। सिमडेगा की जिलाधिकारी उपायुक्त श्रीमति कंचन सिंह ने कहा कि जिले में कर 3100 एकड़ में आम की खेती हो रही है,350 एमटी आम उत्पादन की उम्मीद है। महिला किसानों को आम का अच्छा मूल्य प्राप्त हो इसके लिए कई प्रकार के प्रयास हुआ, देश-विदेश से क्रेताओं को आकर्षित किया गया ताकि ग्रामीणों को आम का अच्छा मूल्य प्राप्त हो सके। उपायुक्त सिमडेगा श्रीमति कंचन सिंह ने बताया कि झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बिरसा हरित ग्राम योजना से जुड़ी महिला किसानों की यह उपलब्धि पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है हमारी कोशिश रही है कि महिला किसानों को केवल उत्पादन तक सीमित ना रखकर उन्हें बाजार और निर्यात से जोड़ा जाय।आम्रपाली आम का यूनाइटेड किंगडम पहुंचना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जिले के अन्य उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय और भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के बीच हुआ एमओयू

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार तथा कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग और भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के बीच दो जून 2026 को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते पर भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ एसएन सुशील तथा आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने हस्ताक्षर किए।

इस दौरान विश्वविद्यालय के समकुलपति डॉ एसआर रथ, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ अरविंद कुमार, सहायक प्राध्यापक डॉ सुजीत कुमार पटेल सहित दोनों संस्थानों के अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान की ओर से पादप शरीर क्रिया विज्ञान एवं जैव रसायन विभाग के प्रमुख डॉ एमके श्रीवास्तव तथा संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन इकाई की प्रभारी डॉ स्वप्ना एम सहित अन्य कर्मियों ने सहभागिता की।

समझौते के तहत दोनों संस्थान संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, छात्र एवं शिक्षक आदान-प्रदान, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, तकनीकी विशेषज्ञता के साझा उपयोग तथा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए मिलकर कार्य करेंगे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का शैक्षणिक भ्रमण भी किया। भ्रमण के दौरान उन्हें गन्ना अनुसंधान, आधुनिक कृषि तकनीकों, प्रयोगशाला सुविधाओं तथा विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी दी गई। इससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ कृषि अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं से भी परिचित होने का अवसर मिला।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गौरव शुक्ला ने कहा कि यह समझौता विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा, जो कृषि क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को गति प्रदान करेगा।

सिलवार का ऐतिहासिक रथ मेला 16 जुलाई से, उद्घाटन के लिए उपायुक्त को सौंपा गया आमंत्रण

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : आगामी 16 जुलाई से सिलवार स्थित जगन्नाथ धाम में ऐतिहासिक रथ मेला का शुभारंभ होने जा रहा है। रथ मेला के सफल आयोजन एवं उद्घाटन को लेकर जगन्नाथ धाम सिलवार मंदिर समिति के प्रतिनिधिमंडल ने हजारीबाग उपायुक्त से मुलाकात कर उन्हें उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आग्रह किया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने उपायुक्त को आमंत्रण पत्र के साथ जगन्नाथ धाम सिलवार मंदिर का आकर्षक चित्र भी भेंट किया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा के साथ मेले का शुभारंभ होगा। वहीं 24 जुलाई को भगवान जगन्नाथ मौसीबाड़ी से पुनः अपने धाम लौटेंगे, जिसके साथ रथ यात्रा महोत्सव का समापन होगा।

समिति ने उपायुक्त से अनुरोध किया कि वे रथ मेला के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएं। इस पर उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि यदि 16 जुलाई को वे हजारीबाग में उपलब्ध रहे तो निश्चित रूप से सिलवार पहुंचकर रथ मेला के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे।

मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सिलवार का रथ मेला क्षेत्र का एक प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन है, जिसमें हर वर्ष हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। मेले की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं तथा श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न व्यवस्थाएं की जा रही हैं।उपायुक्त से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में मंदिर समिति के अध्यक्ष अभय सिंह, सचिन नेमीचंद प्रसाद, पूर्व जिला परिषद सदस्य कालेश्वर रजक, पूर्व मुखिया एवं सीपीआई नेता महेंद्र राम, सीपीएम के जिला सचिव गणेश कुमार, मंदिर के मुख्य पुजारी विशेश्वर पांडे तथा संजय कुमार मेहता शामिल थे।

समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष का रथ मेला धार्मिक आस्था, सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकता का भव्य उदाहरण बनेगा तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें शामिल होकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

डीवीसी कोनार में आदिवासी विस्थापित संघर्ष मोर्चा के बैनर तले आक्रोशपूर्ण एकदिवसीय धरना प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

विष्णुगढ। प्रखंड अंतर्गत कोनार डैम डीवीसी कार्यालय के समक्ष सोमवार को आदिवासी विस्थापित संघर्ष मोर्चा के बैनर तले आक्रोशपूर्ण एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन के पूर्व कोनार डैम से ढोल, नगाड़ा और पारंपरिक हथियार के साथ विशाल जनरैली निकाला गया। रैली में सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष शामिल होकर, जमीन हमारा राज तुम्हारा नहीं चलेगा, कोनार डैम तिलैया में प्रस्तावित सोलर पावर प्लांट के निर्माण पूर्व त्रिपक्षीय वार्ता कर विस्थापित रैयतों की समस्या का समाधान करो, सोलर पावर प्लांट से विस्थापित रैयतों को जमीन के बदले जमीन दिया जाए, जैसे गगन भेदी नारे

लगाते दिखे। कोनार डैम जलाशय के लिए विस्थापित रैयतों के जमीन पर होने वाले सोलर पावर प्लांट के निर्माण से बिजली उत्पादन का 40% राशि विस्थापित परिवारों को भुगतान का नीति बनाओ, साथ ही सोलर पावर प्लांट के सभी कार्य और स्थायी देखरेख का कार्य स्थानीय विस्थापित परिवार को दिया जाए। कोनार डैम डीवीसी के विस्थापित भूमि का रसीद निर्गत किया गया है, उस पर 2015 में लगाई गई रोक को निरस्त कर अधिग्रहण से बाहर भूमि का रसीद रैयतों को निर्गत किया जाए। कोनार डैम डीवीसी के विस्थापितों की जमीन का विस्थापन प्रमाण पत्र और मालिकाना हक दिया जाए। कोनार डैम जलाशय में प्रस्तावित बृहद प्लॉटिम सोलर पावर प्लांट को रद्द किया जाए, कोनार डैम जलाशय में विस्थापित सभी गांवों में पेयजल और बिजली निशुल्क उपलब्ध कराया जाए। विस्थापितों के समर्थन एवं आंदोलन को धारदार बनाने के लिए धरना प्रदर्शन में भाकपा माले के राज्य कमेटी सदस्य, भुवनेश्वर केवट एवं संथाली समाज के नेता सोहराय मांझी राज्य कमेटी सदस्य आरडी मांझी, जिला सचिव पच्चू राणा विस्थापित मोर्चा के बोकारो जिलाध्यक्ष बालेश्वर यादव डीवीसी के पदाधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि विस्थापितों की समस्या जल्द हल करने का प्रयास करें। अन्यथा आंदोलन और तीव्र होगी, नेताओं ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि संपूर्ण भारत समेत झारखंड में कारपोरेटों के पक्ष में सत्ता जमीन बेच रही है, जिसको विस्थापित व लाल झंडे के सिपाही बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उपायुक्त ने जनसंपर्क कार्यालय का किया निरीक्षण, साफ-सफाई बनाए रखने के दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त संदीप कुमार ने आज समाहरणालय परिसर स्थित जनसंपर्क कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा कार्यालय परिसर में साफ-सफाई एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।उपायुक्त ने कहा कि कार्यालयों में स्वच्छता न केवल बेहतर कार्य वातावरण सुनिश्चित करती है, बल्कि आम नागरिकों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। उन्होंने संबंधित कर्मियों को नियमित रूप से कार्यालय परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर का भी भ्रमण कर विभिन्न स्थानों का अवलोकन किया। उन्होंने परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़

करने, कचरे का उचित निष्पादन सुनिश्चित करने तथा सभी कार्यालयों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को दिए।उपायुक्त ने कहा कि स्वच्छ एवं व्यवस्थित कार्यस्थल बेहतर प्रशासनिक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों से स्वच्छता के प्रति सजग रहने तथा समाहरणालय परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।मौके पर कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत राजीव रंजन उपस्थित थे।

अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उलगुलान करने वाले धरती आवा बिरसा मुंडा

कुमार कृष्णन

नौ जून बिरसा मुंडा का वलिदान दिवस है। उन्होंने अपना पूरा जीवन जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए समर्पित किया और अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान से आदिवासी सभ्यता की रक्षा कर, अपना अमूल्य योगदान दिया। वे भारत के एक महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

धरती आबा बिरसा मुंडा का उलगुलान भूमि से लेकर धर्म सम्बन्धी तमाम समस्याओं के खिलाफ जनसंघर्ष था तथा उन समस्याओं के खिलाफ राजनीतिक समाधान का प्रयास भी। वह आदिवासी और खासकर मुंडा समाज की आंतरिक बुराईयों और कमजोरियों को दूर करने का सामूहिक अभियान भी था। समाज की परंपरागत प्रकृति निर्भर तत्व ने आर्थिक समाजवाद की अवधारणा को बिरसा के अंदर जागृम किया। गांधी से पहले गांधी की अवधारणा के तत्व के उभार के पीछे भी बिरसा का समाज एवं पड़ोस के सूक्ष्म अवलोकन एवं उसे नयी अतर्दृष्टि देने का तत्व ही था। तभी तो उन्होंने गांधी के समान समस्याओं को देखा.-सुना, फिर चिंतन-मनन किया। उन्होंने मुंडा समाज को पुनर्गठित करने का जो प्रयास किया, वह अंग्रेजी हुकूमत के लिये विकराल चुनौती बनी। नये बिरसाइत धर्म की स्थापना की तथा लोगों कों नई सोच दी, जिसका आधार सात्विकता, आध्यात्मिकता, परस्पर सहयोग, एकता व बंधुता था। समस्या के कारणों को ढूढ़ 'गोरों वापस जाओह्ल का नारा दिया एवं परंपरागत लोकतंत्र की स्थापना पर वल दिया, ताकि शोषणमुक्त ह्य आदिम साम्यवाद' की स्थापना हो सके। उन्होंने कहा -'महारानी राज जाएगा एवं अबुआ राज आएगा।

1857 के गदर शांत होने के बाद सरदार आंदोलन संगठित जनांदोलन के रूप में शुरू हो गया। 1858 से भूमि आंदोलन के रूप में विकसित यह आंदोलन 1890 में राजनीतिक आंदोलन में तब्दील हो गया, जब बिरसा मुंडा ने इसकी कमान संभाली। बिरसा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को खूंटी जिले के अड़की प्रखंड के उलिहातु गांव में हुआ था। व्यक्तित्व निर्माण और तालीम ईसाई मिशनरियों के संरक्षण में हुई। स्कूली शिक्षा के दौरान बिरसा में विद्रोह के लक्षण प्रकट होने लगे। आदिवासियों में भूतकेता पहनाई आदि की परंपरा है। वे धार्मिक कृत्यों के लिये जमीन छोड़ते हैं। उस समय ईसाई पादरी उस जमीन पर मिशन का कब्जा करने की कोशिश करते थे। बिरसा ने इसकी शिनाख्त ईसाई मिशनरियों और गोरों की साजिशों के रूप में की और इसकी वेबाक ढंग से आलोचना की, जिस कारण वे स्कूल से निकाल दिये गये। इसके बाद वे सरदार आंदोलन में शमिल हो गये। ईसाई मिशन की सदस्यता छोड़ 1890-91 से करीब पांच साल तक वैष्णव संत आनंद पांड से हिन्दुओं के वैष्णव पंथ के आचार का ज्ञान प्राप्त किय और व्यक्तिक तथा सामाजिक जीवन पर धर्म के प्रभाव का मनन किया। परंपरागत धर्म की ओर उनकी वापसी हुई और उन्होंने धर्मोपदेश देना तथा धर्माचरण का पाठ पढ़ाना शुरू किया ।ईसाई धर्म छोड़नेवाले सरदार बिरसा के अनुयायी बनने लगे। बिरसा का पंथ मुडा जनजातीय समाज के पुनर्जागरण का जरिया बना । उनका धार्मिक अभियान प्रकारांतर से आदिवासियों को अंग्रेजी हुकूमत और ईसाई मिशनरियों के विरोध में संगठित होकर आबाज बुलंद करने को प्ररित करने लगा। उस दौर उनकी लोकप्रियता इस कदर परवान चढ़ी कि उनके अनुयायी 'बिरसाइत' कहलाने लगे। उन्होंने सादा जीवन उच्च विचार अपनाने का उपदेश दिया और मुंडा समाज में व्याप्त अंधविश्वासों और कुरितियों पर जमकर प्रहार किया । वह जनेउ, खड़ाउ और हल्दी रंग की धोती पहनने लगे। उन्होंने कहा कि ईश्वर एक है और वह है सिंगवोंगा। भूत-प्रेत की पूजा और बलि देना निरर्थक है ।सार्थक जीवन के लिये सामिष भोजन अथवा मांस-मछली का त्याग करना जरूरी है। हड़िया पीना बंद करना होगा।

बिरसा के लोकप्रिय व्यक्तित्व के कारण सरदार आंदोलन में नई जान आ गयी। अगस्त 1895 में वन सम्बन्धी बकाये की माफी का आंदोलन चला। उसका नेतृत्व बिरसा ने किया। धर्मिक आधारों पर एकजूट बिरसइतो का संगठन जुझारू सेना की तरह मैदान मे उतर गया। बकाये की माफी के लिये उन्होंने चाईवासा तक की यात्रा की तथा रैयतों को एकजुट किया। अंग्रेजी हुकूमत ने बिरसा की मांग को ठुकरा दिया। बिरसा ने भी ऐलान कर दिया कि -' सरकार खत्म हो गयी। अब जंगल जमीन पर आदिवासियों का राज होगा। 9 अगस्त 1895 को चलकद में पहली बार विरसा को गिरफ्तार किया गया, लेकिन उनके अनुयायियों ने उन्हे छुड़ा लिया।16 अगस्त 1895 को गिरफतार करने की योजना के साथ आये पुलिस वल को बिरसा के नेतृत्व में सुनियोजित ढ़ंग से घेरकर खदेड़ दिया। इससे बौखलाई अंग्रेजी हुकूमत ने 24 अगस्त 1895 को पुलिस अधीक्षक मेयर्स के नेतृत्व में पुलिस वल चलकद रवाना किया तथा रात के अंधेरे में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर यह आरोप लगाया गया कि लोगों को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विद्रोह करने के लिये उकसा रहे थे। मुंडा और कोल समाज ने बिरसाइतों के नेतृत्व में सरकार के साथ असहयोग करने का ऐलान कर दिया। व्यापक विरोध के कारण मुकदमा चलाने का स्थान रांची से बदलकर खूंटी कर दिया गया, लेकिन विरोध के तेवर में फर्क नहीं पड़ने के कारण मुकदमें की कार्रवाई रोककर तुरंत जेल भेज दिया गया। भाद्रवि की धारा 505 के तहत मुकदमा चला तथा उन्हें दो साल सश्रम कारावास की सजा सुनायी गयी। उन्हें रांची से हजारीबाग जेल भेज दिया गया। 1997 में झारखंड में भीषण अकाल पड़ा तथा चेचक की महामारी भी फैली। आदिवासी समाज बिरसा के नेतृत्व के अभाव में भी दमन-शोषण, अकाल तथा महामारी से एकसाथ जूझता रहा। 30 नवम्बर 1897 को बिरसा जेल से छुटे तथा चलकद लौटकर अकाल तथा महामारी से पीड़ित लोगों की सेवा में जुट गये। उनका यह कदम अपने अनुयायियों को संगठित करने का आधार बना। फरबरी 1898 में डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडारी क्षेत्र से आये मुंडाओं की सभा में उन्होंने आंदोलन की नई नीति की घोषणा की तथा खोये राज्य की वापसी के लिये धर्म तथा शांति का मार्ग अपनाने का आह्वान किया। उनके अभियान के तहत सामाजिक तथा सांस्कृतिक पक्ष को केन्द्र में रखकर आदिवासी समाज को मजबूत तथा संगठित करने का सिलसिला जारी रहा। 1889 के अंत में यह अभियान रंग लाया और अधिकार हासिल करने, खोये राज्य की प्राप्ति का लक्ष्य, जमीन को मालगुजारी से मुक्त करने तथा जंगल के अधिकार को वापस लेने के लिये व्यापक गोलवंदी षुरू हुई। कोलेबिरा, बानो लोहरदग्गा, तोरपा, कर्रा, बसिया, खूंटी, मुरहु, बुंडु, तमाड़, पोड़ाहाट, सोनाहातु आदि स्थानों पर बैठक हुई।24 दिसम्बर 1899 को रांची के तोरपा, खूंटी, तमाड़ बसिया, आदि से लेकर सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर थाने तक में विद्रोह की आग भड़क उठी विद्रोह के दमन के लिये सिहभूम से रांची तक 500 बर्गमील क्षेत्र में सेना और पुलिस की कम्पनी बुलाकर बिरसा की गिरफ्तारी का अभियान तेज किया गया। सरदारों पर हमला करने और आंदोलन का साथ देनेवालो मुंडा- मानकियों को गिरफ्तार करने व आत्मसमर्पण न करनेवाले विद्रोहियों की घर -सम्पत्ति कुर्क करने की योजना को अमलीजामा पहनाया जाने लगा। सरकार ने बिरसा की सूचना देनेवालों और गिरफ्तारी में मदद देनेवालों मुंडा या मानकी को पांच सौ रुपयें पुरस्कार देने का ऐलान किया। बावजूद इसके बिरसा को गिरफ्तार नहीं कर पायी। बिरसा ने आंदोलन की रणनीति बदली, साठ स्थानों पर संगठन के केन्द्र बने। डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडाओं की बैठक में 'उलगुलान' का ऐलान किया गया। बिरसा के इस आंदोलन की तुलना आजादी के आंदोलन में बहुत बाद 1942 के अगस्त क्रांति के काल से की जा सकती है। 1942 में महात्मा गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था।

बिरसा के नेतृत्व में अफसरों, पुलिस, अंग्रेज सरकार के संरक्षण में पलनेवाले जमींदारों और महाजनों को निशाना बनाया गया। खूंटी, तोरपा, बसिया, तमाड़, सबार्दा, मुरहू, चक्रणरपुर, पोड़ाहाट रांची और सिंहभूम में गोरिल्ला युद्ध ने हुकूमत की चूलें हिला दी। आंदोलन को कुचलने के लिये रांची और सिंहभूम को सेना के हवाले कर दिया गया। 8 जनबरी 1900 को डोम्बारी पहाड़ियों पर जमी बिरसाइत के जत्थे पर सेना ने आक्रमण कर दिया तथा युद्ध के दौरान लगभग 200 मुंडा मारे गये। सैलरकब पहाड़ी पर भी संघर्ष हुआ। इसके बाद भी बिरसा पकड़ में नहीं आये। आंदोलन की रणनीति के तहत अपने आंदोलन के केन्द्र बदले तथा घने जंगलों में संचालन के केन्द्र बनाये गये। जमकोपाई तथा पोड़ाहाट के जंगलों संगठन तथा प्रशिक्षण के कैंप बनाये गये। 3 फरवरी 1900 को सेंतरा के पश्चिम जंगल में बने शिबिर से बिरसा को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे गहरी नींद मे सोये हुए थे। पुलिस के भारी बंदोबस्त के साथ उन्हें तत्काल खुटी के रास्ते रांची कारागार लाकर बंद कर दिया गया। बिरसा के साथ अन्य 482 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ 15 आरोप दर्ज किये गये। शेष अन्य गिरफ्तार लोगों में सिर्फ 98 के खिलाफ आरोप सिद्ध हो पाया। बिरसा के विश्वासी गया मुडा और उनके पुत्र सानरे मुंडा को फांसी दी गयी। गया मुंडा की पत्नी मांकी को दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा दी। मुकदमें की सुनवाई के शुरूआती दौर में उन्होंने जेल में भोजन करने के प्रति अनिच्छा जाहिर की। अदालत में तवियत खराब होने की बजह से जेल वापस भेज दिया गया। 1 जून को जेल अस्पताल के चिकित्सक ने सूचना दी कि बिरसा को हैजा हो गया है और उनके जीवित रहने की संभावना नहीं है। 9 जून 1900 की सुबह सूचना दी गयी कि बिरसा नहीं रहे ।इस तरह एक क्रांतिकारी जीवन का अंत हो गया। बिरसा के संघर्ष के परिणामस्वरूप छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 बना। जल , जंगल और जमीन पर पारंपरिक अधिकार की रक्षा के लिये शुरू हुए आंदोलन एक के बाद एक श्रृंखला में गतिमान रहा तथा इसकी परिणति अलग झारखंड राज्य के रूप में हुई, लेकिन अबुआ दिशुम का सपना साकार नहीं हो सका।

बिरसा के द्वारा स्थापित बिरसाइत पंथ आज भी कायम है।खूंटी जिला मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर जंगल के बीच बिरसाइतों का गांव है अनिगड़ा। बिरसाइत सम्प्रदाय से जुड़े लोग मांस मछली नहीं खाते हैं, तुलसी की पूजा करते हैं। पहनने में सूती बस्त्र का इस्तेमाल करते हैं तथा नशे से दूर रहते है। हिंसा से दूर रहकर अहिंसा का पालन करते है। अनगड़ा में ही उदय मुडा को फांसी दी गयीं। कभी इस गांव में बिरसाइतों की संख्या 50 थी। अब ये नाममात्र के रह गये हैं। ये अपनी गरीबी और मुश्किलों से नाराज नहीं है, पर सरकारी उपेक्षा से ज्यादा दुखी है। यदि अंग्रेजों ने शोषण किया तो आजाद भारत की सरकार ने भी कम धोखा नहीं दिया। आजादी के बाद भी लगान- सूद से मुंडाओं को मुक्ति नहीं मिली। जल,जंगल,जमीन पर अधिकार नहीं मिला। अबुआ दिशुम का सपना पूरा नहीं हुआ। आज भी आदिवासियों की जल, जंगल, जमीन छीनी जा रही है। अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को विस्थापन के खिलाफ आवाज उठाने पर नक्सलवादी का ठप्पा लगाकर गोली मारी जा रही है। भूमाफियाओं द्वारा खुलेआम जमीन हड़पी जा रही है और आदिवासी समाज को समान वर्ग में परिवर्तित करने का षड्यंत्र चल रहा है। बफर जोन, वन सौंदर्यकरण, सिंचाई परिसर और बांधों के नाम पर पांचवीं अनुसूची क्षेत्र से आदिवासियों का कौड़ी के मोल मुआवजे देकर विस्थापन किया जा रहा है।अबुआ दिशुम-अबुआ राईज मात्र नारा बनकर रह गया। सीएनटी-एसपीटी एक्ट और संविधान प्रदत्त पांचवीं अनुसूची, पेसा कानून, वनाधिकार कानून तथा न्यायिक निर्णय समता जजमेंट आदि मुद्दों पर राज्य गठन होने के बाद जो सार्थक प्रयास केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा होना चाहिए, वो अब तक दिखाई नहीं दे रहा है।

वर्तमान दौर का समय कहीं ज्यादा प्रतिकूल है। भारत में अधिकांश विकास परियोजना संविधान की पांचवीं अनुसूची वाले आदिवासी क्षेत्रों में स्थापित की जा रही है ।क्योंकि संसाधनों के मामले में आदिवासी क्षेत्र समृद्ध रहा है और अब भी है । इस इलाके में देश का 71 फीसदी जंगल, 92 फीसदी कोयला, फीसदी बाक्साइट, 78 फीसदी लोहा, 100 फीसदी युरेनियम, 85 फीसदी तांबा, 65 फीसदी डोलोमाइट इत्यादि की भरमार है ।भारत के जल स्त्रोत का 70 फीसदी जल आदिवासी इलाके में है तथा करीब फीसदी उधोग के लिए कच्चा माल इन्ही क्षेत्रों से मिलता है ।यह प्रकृति की ओर से मिला वरदान है ।लेकिन यही वरदान इनके लिए चुनौती भी है, क्योंकि इन्ही संसाधनों की लूट और कब्जे को लेकर देश और दुनिया के कार्पोरेट की गिद्ध दृष्टि लगी है । इन संसाधनों पर काबिज होने की प्रक्रिया काफी तेज हो गया है। द्रुत गति से बढ़ रही कथित विकास परियोजनाओं से होने वाले विस्थापन का सामाधान निकालने के लिए अबतक कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। तेजी से बढ़ते विस्थापन की सबसे अधिक मार देश के आदिवासी पर पड रही है।

> बिरसा मुंडा अपना पूरा जीवन जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए समर्पित किया और अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान से आदिवासी सभ्यता की रक्षा कर, अपना अमूल्य योगदान दिया। वे भारत के एक महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

संपादकीय

प्रतिरोध के तेवर

मुख्य न्यायाधीश की कॉकरोच वाली टिप्पणी के प्रतिरोध में व्यंग्यात्मक रूप में अस्तित्व में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने आखिरकार आभासी दुनिया से निकलकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर दस्तक दे ही दी। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के दिल्ली पहुंचने और हजारों युवाओं की भागीदारी के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन समाप्त हो गया। सीजेपी का आरोप है कि नीट परीक्षा रद्द होने के बाद कई छात्रों ने आत्महत्या की है। पिछले दिनों सीजेआई द्वारा 'फेक डिग्री वाले युवाओं' की तुलना कॉकरोच से करने के बाद ऑनलाइन व्यंग्यात्मक आंदोलन के जमीन पर उतरने और विपक्षी दलों के समर्थन ने निश्चय ही सरकार की चिंता बढ़ाई है। ऑनलाइन मूवमेंट को लाखों युवाओं का समर्थन मिलने के बाद सरकार ने पहले सख्ती भी दिखायी थी। जंतर-मंतर के प्रदर्शन के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार को सात दिन का समय देने की बात कही। साथ ही इसे महज एक ट्रेलर बताया है। उनकी दलील थी कि यह पार्टी योजनाबद्ध नहीं, स्वतःस्फूर्त पार्टी है और सरकार से नाराज हर छात्र की आवाज बनेगी। पार्टी ने देश में युवाओं को रोजगार न मिलने का आरोप भी लगाया। पार्टी का मानना है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था सुधारने में तो नाकाम रही ही है, लेकिन उन परीक्षाओं को भी पारदर्शी ढंग से आयोजित नहीं कर पा रही है, जो देश के लाखों युवाओं का भविष्य तय करते हैं। यह भी कि व्यवस्था की विफलता से लाखों युवाओं के सपने टूटे हैं, जो अब कॉकरोच को प्रतिरोध का प्रतीक बनाकर विरोध जता रहे हैं। राजनीति के पंडित जंतर-मंतर में सीजेपी को प्रदर्शन के लिये अनुमति दिए जाने पर हैरानी जता रहे हैं। उनका मानना है कि पड़ोसी देशों में जेन जी पर हुई सख्ती के बाद उग्र होने वाले आंदोलन सरकार को याद आए हैं, यही वजह है कि उसने कुछ उदारता बरती है। साथ ही यह भी कोशिश है कि देश के लाखों परिवारों से जुड़ा पेपर लीक का गुस्सा किसी तरह शांत हो जाए। यूं तो विषम आर्थिक परिस्थितियों में बेरोजगारी तो बढ़ी है, साथ ही रोजगार देने वाली व्यवस्था की विफलता देश के युवाओं को अशांत कर रही है। वे अपने भविष्य को लेकर खासे चिंतित हैं। इसीलिए शिक्षा और रोजगार देने वाली व्यवस्था का मुद्दा युवाओं को प्रभावित कर रहा है। विपक्षी राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि यह आंदोलन युवा अशांति,जवाबदेही और असहमति की स्वतंत्रता का प्रतीक बन रहा है। तभी युवाओं ने हेय दृष्टि से देखे जाने वाले जीव कॉकरोच यानी तिलचट्टे को जीवटता के प्रतीक के रूप में परिभाषित किया है। यह बताने की कोशिश कि मुश्किल हालात में भी वे अपनी बात को रखते रहेंगे। युवाओं का मानना है कि पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अंकुश लगाना डिजिटल लोकतंत्र को नियंत्रित करने का प्रयास है। युवाओं की मांग है कि स्वस्थ लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त असहमति को शांतिपूर्ण ढंग से स्वीकार किया जाए। कहा जा रहा है कि कॉकरोच आंदोलन ने लोकतंत्र के सभी हितधारकों मसलन राजनीतिक वर्ग, नौकरशाही, न्यायपालिका तथा मीडिया को आत्मनिरीक्षण का मौका दिया है।

सूक्ति

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है।
– रविन्द्रनाथ टैगोर

पुरुष की सिगरेट से लेकर टायर तक में वह दख़ल देती है।
– हरिशंकर परसाई

कांग्रेस पार्टी में कुर्सी की जिद, बगावती बुढ़ापा और बिखरी साख

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति का एक सीधा सा नियम है। एक समझदार नेता वह नहीं है जिसे सिर्फ आगे बढ़ना आता हो, बल्कि वह है जिसे यह पता हो कि कब और कितनी इज्जत के साथ दो कदम पीछे हट जाना है। आज की आपाधापी और कुर्सी से चिपके रहने की राजनीति के बीच, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जो समझदारी दिखाई है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने देश के बाकी बुजुर्ग नेताओं को एक ऐसा सधा हुआ संदेश दिया है, जो न सिर्फ उनकी इज्जत को बढ़ाता है बल्कि दूसरों के लिए एक सबक भी है।राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि पार्टी अब शायद दिग्विजय सिंह को दोबारा राज्यसभा नहीं भेजेगी। अमूमन ऐसे मोड़ पर बड़े-बड़े नेता या तो बगावत पर उतर आते हैं या फिर कोने में बैठकर नाराजगी जताने लगते हैं। लेकिन दिग्गी राजा ने जिस अक्लमंदी से अपनी साख और सम्मान को बनाए रखा है, वह उनकी राजनीतिक परिपक्वता को दिखाता है। लोकतंत्र में कोई उनकी विचारधारा से अलग सोच रख सकता है, लेकिन उनकी राजनीतिक समझ और सही टाइमिंग के मामले में वे आज भी बेजोड़ हैं। वे जानते हैं कि जब हवा का रुख बदल रहा हो, तो खुद को कैसे संभाला जाता है। पद पर न रहकर भी संगठन में अपनी साख को कैसे बरकरार रखा जाता है, यह कला दिग्विजय सिंह ने बखूबी दिखाई है। इसके ठीक उलट, जब हम मध्य प्रदेश की राजनीति में उनके ही समकालीन नेता कमलनाथ को देखते हैं, तो स्थिति बिल्कुल विपरीत नजर आती है। पार्टी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की जगह कमलनाथ पर भरोसा जताकर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी। लेकिन अपनी जिद और कुंठा के कारण कमलनाथ ने न सिर्फ सरकार गंवाई, बल्कि धीरे-धीरे प्रदेश में अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। हाल ही में एक राज्यसभा सीट के लिए दिल्ली से भोपाल तक की गई उनकी भागमभाग को सबने देखा। इतनी दौड़-धूप करने के बाद भी अंत में उन्हें खाली हाथ रहना पड़ा और सीट नहीं मिली, जिससे राजनीतिक गलियारों में उनकी जो किरकिरी हुई वह अलग। खुद को समय के अनुसार न ढालने की यह कुंठा किसी भी कद्दावर नेता के बने-बनाए इतिहास को धूमिल कर देती है।यही हाल राजस्थान के जादूगर कहे जाने वाले अशोक गहलोत का भी है। जब कोई नेता यह मान बैठता है कि पूरा प्रदेश उसकी मुट्ठी में है, तो वहीं से उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल शुरू होती है। जीवनभर सत्ता के शीर्ष पर रहने के बाद भी जब एक बड़ा नेता युवाओं का रास्ता रोकने लगता है, तो वह खुद अपनी इज्जत कम कर लेता है। राजस्थान में सचिन पायलट के प्रति उनकी नफरत और पदों के लिए कभी न खत्म होने वाली भूख ने उनके कद को बहुत छोटा कर दिया है। सवाल यह है कि जब आप खुद पूरी जिंदगी मलाईदार पदों पर रहे, तो आज युवाओं की महत्वाकांक्षा पर सवाल उठाने वाले आप कौन होते हैं? गहलोत के बदले हुए सुर और उनकी भाषा साफ इशारा कर रही है कि वे अब पार्टी से अलग रास्ता तलाश रहे हैं। अपनी राजनीति बचाने की ज़िद में वे अपनी ही इज्जत दांव पर लगा चुके हैं। अब होगा यह कि या तो वे खुद ही बाहर निकल जाएंगे, या फिर पार्टी उन्हें खुद किनारे लगा देगी।अशोक गहलोत और कमलनाथ का यह रुख कोई पहला उदाहरण नहीं है। कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि जो नेता समय रहते मार्गदर्शक की भूमिका में नहीं आए, उन्होंने अपनी ही जिद से अपना राजनीतिक बुढ़ापा खराब कर लिया। पंजाब के कैप्टन अमरिंदर सिंह और जम्मू-कश्मीर के कद्दावर नेता गुलाम नबी आजाद इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूरी जिंदगी पंजाब की सियासत पर राज किया, लेकिन आखिरी वक्त में कुर्सी न छोड़ने की जिद ने उन्हें उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया जहां आज उनकी कोई राजनीतिक पूछ नहीं है। यही हाल गुलाम नबी आजाद का हुआ, जिन्होंने अपनी नई पार्टी तो बना ली, लेकिन आज वे पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुके हैं। इन नेताओं ने जीवन भर जो मान-सम्मान कमाया था, वह उम्र के आखिरी पड़ाव में आकर सिर्फ पदों की भूख के कारण मिट्टी में मिल गया।सियासत का यह कड़वा सच है कि समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता। जो नेता वक्त की नब्ज को पहचानकर नई पीढ़ी के लिए जगह खाली नहीं करते, इतिहास उन्हें कभी सम्मान से याद नहीं रखता। दिग्विजय सिंह के इस कदम से बाकी वरिष्ठ नेताओं को यह सीखना चाहिए कि राजनीति सिर्फ पद की नहीं, बल्कि कद की होती है और कद कभी कुर्सियों से नहीं, बल्कि सही समय पर गरिमा के साथ पीछे हटने से बड़ा होता है।

अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवसः अतीत की धड़कन, भविष्य की दिशाः अभिलेखागार

सुनील कुमार महला

ऐतिहासिक दस्तावेजों और अभिलेखों के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 9 जून को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) द्वारा किया जाता है, जो विश्वभर में अभिलेखों के संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमुख संस्था है।इस दिवस का इतिहास भी अत्यंत रोचक है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के तत्वावधान में 9 जून 1948 को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) की स्थापना हुई थी। बाद में वर्ष 2007 में आईसीए की आम सभा में यह निर्णय लिया गया कि परिषद के स्थापना दिवस को ही प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप पहला आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस 9 जून 2008 को आयोजित किया गया। इस दिवस का मूल उद्देश्य इतिहास, संस्कृति और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने वाले अभिलेखागारों के महत्व को रेखांकित करना है। वास्तव में, अभिलेखागार केवल पुराने कागजों का संग्रह नहीं हैं, बल्कि वे किसी समाज, राष्ट्र और सभ्यता की सामूहिक स्मृति होते हैं। वे हमारी पहचान, अधिकारों और विरासत के संरक्षक हैं तथा अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि दुनिया का सबसे प्राचीन अभिलेख मिट्टी की पट्टियों पर अंकित व्यापारिक लेन-देन का विवरण माना जाता है। समय के साथ अभिलेखों का स्वरूप बदलता गया और आज इनमें सरकारी दस्तावेज, नक्शे, तस्वीरें, फिल्में, ऑडियो रिकॉर्डिंग, ई-मेल तथा डिजिटल फाइलें भी शामिल हैं। अनेक अभिलेखागारों में ऐसे संवेदनशील और गोपनीय दस्तावेज भी सुरक्षित रखे जाते हैं जिन्हें 'डार्क आर्काइव्स' कहा जाता है। इन अभिलेखों को संरक्षित तो रखा जाता है, लेकिन उनकी सामग्री को आम जनता अथवा शोधकर्ताओं के लिए कई दशकों तक उपलब्ध नहीं कराया जाता।अभिलेखों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि किसी देश के कानूनों, युद्धों, स्वतंत्रता आंदोलनों, सरकारी निर्णयों और सामाजिक परिवर्तनों से जुड़े मूल दस्तावेज इन्हीं में सुरक्षित रहते हैं। सरकारी अभिलेख प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। नई दिल्ली स्थित भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार में मुगल काल, ब्रिटिश शासन और स्वतंत्र भारत से जुड़े लाखों मूल्यवान दस्तावेज संरक्षित हैं, जो शोधकर्ताओं और इतिहासकारों के लिए अमूल्य धरोहर हैं।

हमें यह याद रखना चाहिए कि अभिलेख केवल इतिहास को संरक्षित नहीं करते, बल्कि संकट के समय लोगों के अधिकारों की रक्षा भी करते हैं। युद्ध, बाढ़, भूकंप या आग जैसी आपदाओं के बाद नागरिकों की पहचान, संपत्ति और कानूनी अधिकारों को प्रमाणित करने में अभिलेख महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी कारण इन्हें भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखी जाने वाली अमूल्य विरासत माना जाता है।वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। सूचनाओं के तीव्र प्रवाह और तकनीकी परिवर्तनों के बीच प्रमाणिक दस्तावेजों को सुरक्षित रखना पहले की अपेक्षा अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसी संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि अपने अतीत को सुरक्षित रखे बिना हम एक सशक्त और जागरूक भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते।

अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी।

घर पर बनाएं कैफे जैसी होममेड आइस्क्रीम, फैमिली के साथ उठाएं इसका लुत्फ

गर्मियों में आइस्क्रीम खाना भला किसे नहीं पसंद होता है। गर्मी में खुद को फ्रेश रखने के लिए ठंडी, क्रीमी और स्वादिष्ट चीज खाने के क्रेविंग बढ़ जाती है। ऐसे में हम कुछ न कुछ अपनी डाइट में ऐसा शामिल करते हैं, जिसका स्वाद लेना किसी जादू से कम नहीं होता है। लेकिन रोजाना आर्टिफिशियल फ्लेवर लेना हमारे लिए अच्छा नहीं होता है। ऐसे में आप अपने घर पर कुछ नया और अच्छा बना सकते हैं।

बता दें कि अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होममेड आइस्क्रीम की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री
कॉफी पाउडर– 1 पैकेट या 2 चम्मच
चीनी– आधा कप
पानी– आधा कप
दूध– 1 कप
क्रीम– आधा कप
चॉकलेट चिप– आधा कप
वैनिला एसेंस– आधा कप

होममेड आइसक्रीम

सबसे पहले ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को तैयार रखें। अब एक बाउल में गुनगुने पानी में कॉफी पाउडर और चीनी डालकर अच्छे से घोल लें।

फिर इन सभी सामग्रियों को अच्छे से मिलाएं। वहीं दूसरे बाउल में क्रीम, दूध और बाकी का सामान डालकर अच्छे से मिलाएं। आप चाहें तो इसमें वैनिला एसेंस भी मिला सकते हैं।

इसके बाद एक चम्मच की सहायता से सभी चीजों को मिलाएं और फिर दोनों को एक साथ मिक्स कर दें। अब तैयार हुए मिश्रण को एक एयरटाइट कंटेनर में डालें और ढक्कन लगाकर करीब 6–8 घंटे या फिर पूरी रात फ्रीजर में जमने के लिए रख दें।

वहीं अगर आपको ज्यादा क्रीमी टेक्सचर चाहिए, तो आपको 2–3 घंटे बाद फ्रीजर से मिक्सचर को निकालकर फिर से फेंटें और दोबारा फ्रीज करें।

जब आइस्क्रीम अच्छे से जम जाए तो स्कूप निकालें और फिर ऊपर से थोड़ा सा इंस्टेंट कॉफी पाउडर या चॉकलेट चिप्स डालकर सर्व करें।

होंठों का रंग पड़ने लगा है काला? सुर्ख गुलाबी और मुलायम लिप्स के लिए अपना लें ये 5 आसान तरीके

कहते हैं कि होठों की खूबसूरती चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती है और काले होंठ चेहरे की खूबसूरती कम कर देते हैं। यदि होंठ गुलाबी और मुलायम हों तो मुस्कान भी अधिक आकर्षक लगती है। लेकिन कई कारणों से होंठों का रंग काला पड़ सकता है, जैसे धूप में ज्यादा रहना, कम पानी पीना, धूम्रपान करना, ज्यादा चाय–कॉफी पीना या खराब लिप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना।

ऐसे कई लोग हैं जो अपने होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने के लिए बाजार में मौजूद महंगे उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन उन्हें कोई फर्क नजर नहीं आता। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जिन्होंने अपने काले होठों पर काफी पैसे खर्च कर दिए हैं और होठों के कालेपन में कोई सुधार नहीं हुआ है तो आइए जानते हैं ऐसे 5 टिप्स के बारे में जिन्हें अपनाकर आप प्राकृतिक गुलाबी होंठ पा सकते हैं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा में मौजूद एलिसिन त्वचा का रंग हल्का करने में मदद करता है। रोजाना होठों पर ताजा एलोवेरा जेल लगाएं और 15–20 मिनट बाद धो लें। यह होठों को मुलायम और गुलाबी बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह होठों को नमी प्रदान करने में भी मदद करता है।

नींबू का रस

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण होते हैं। रोजाना रात को सोने से पहले अपने होठों पर ताजा नींबू का रस लगाएं और सुबह इसे धो लें। यह धीरे–धीरे होठों का कालापन कम कर देता है।

शहद और चीनी

1 चम्मच शहद में 1 चम्मच चीनी मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे अपने होठों पर हल्के हाथों से रगड़ें और कुछ मिनट बाद धो लें। यह मृत कोशिकाओं को हटाता है और होंठों को मुलायम बनाता है। इसके साथ ही यह आपके होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने में भी मदद करता है।

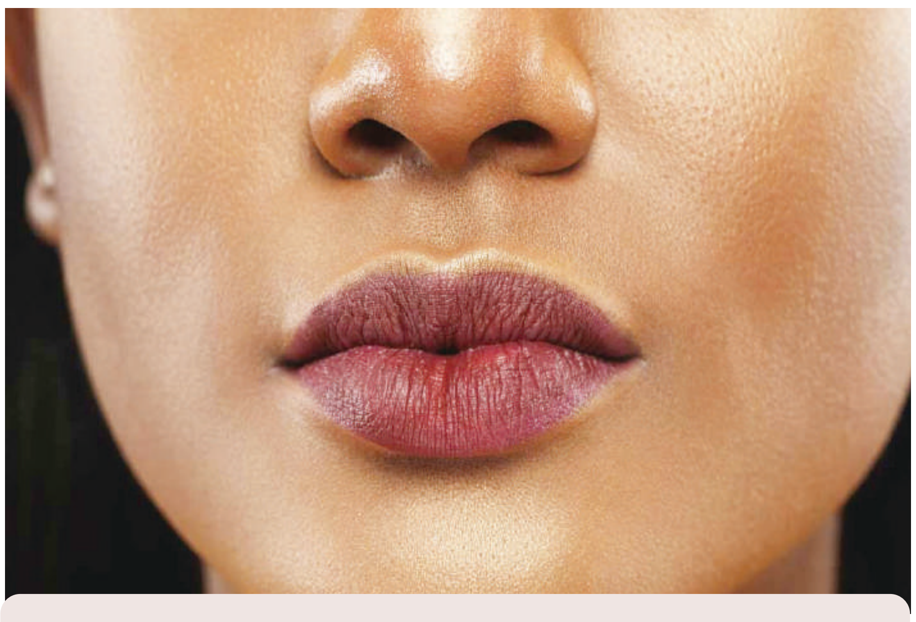

चुकंदर का रस

चुकंदर का जूस एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और होठों को गुलाबी रंग देता है। होठों पर ताजा चुकंदर का रस लगाएं और 15–20 मिनट बाद धो लें या रात भर के लिए छोड़ दें। इससे आपके होठों को प्राकृतिक गुलाबी रंग मिलेगा।

हल्दी

हल्दी त्वचा का कालापन कम करने में मदद करती है। थोड़ी सी हल्दी को दूध या शहद में मिलाकर पेस्ट बना लें और होठों पर लगाएं। 5–10 मिनट बाद धो लें। नियमित उपयोग से होठों का रंग हल्का हो सकता है। इसके साथ ही आपके होंठ मुलायम भी हो जाएंगे।

धूम्रपान बिलकुल न करें।

सस्ते लिपस्टिक और लिप बाम का प्रयोग न करें।

बार–बार होठों पर जीभ न लगायें।

घर से बाहर निकलते समय न केवल चेहरे पर बल्कि होठों पर भी सनस्क्रीन लगाएं।

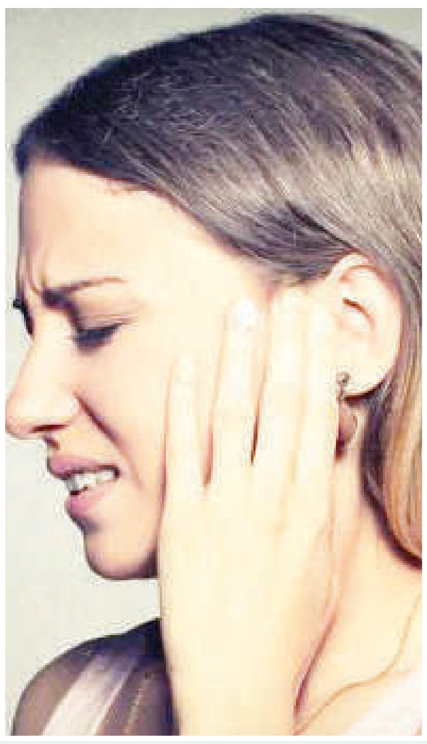

कानों पर आने वाले बालों को कैसे करें साफ?

इन घरेलू उपायों से आसानी से हो जाएंगे क्लीन

कानों के आसपास अनचाहे बाल होना आम बात है, लेकिन ये बाल चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। आप इन अनचाहे बालों को घर पर ही देसी तरीके से हटा सकते हैं।

कानों के आस–पास कई बार अनचाहे बाल हो जाते हैं। पुरुषों में तो इस तरह की समस्याएं सामान्य तौर पर देखने को मिल ही जाती हैं, लेकिन कई बार महिलाओं में भी हार्मोनल बदलाव के कारण कानों पर बाल उगने लगते हैं, जो चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। वैसे तो कानों पर आने वाले बालों को हटाने के लिए मार्केट में कई तरह की क्रीम मौजूद हैं, लेकिन आप इन अनचाहे बालों को आसानी से घरेलू उपाय से भी हटा सकते हैं।

नींबू और शहद का करें उपयोग

कानों पर आए अनचाहे बालों को आप नींबू और शहद की मदद से आप आसानी से हटा सकते हैं। इसके लिए आप एक चम्मच नींबू का रस और दो चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे कानों के बालों पर लगाएं और 20 मिनट बाद पानी से धो लें। यह उपाय हफ्ते में 2 बार करें। इससे बाल तो कम होंगे ही, साथ ही साथ हेयर ग्रोथ भी कम हो जाएगा।

बेसन और हल्दी का पैक

कानों पर आए बालों को हटाने के लिए आप बेसन और हल्दी के पैक का उपयोग कर सकते हैं। इसका उपयोग पुराने समय से बालों को हटाने के लिए किया जाता रहा है। इसको बनाने के लिए आप एक चम्मच बेसन, आधा चम्मच हल्दी और थोड़ा दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें और इसे कानों पर लगाकर सूखने दें। कुछ समय के बाद इसको हल्के हाथों से रगड़कर हटाएं। इससे बाल कम हो जाएंगे।

घर पर बनाएं वैक्स

बालों को हटाने के लिए आप घर पर ही एक हेयर रिमूवल वैक्स भी तैयार कर सकते हैं। इसको बनाने के लिए आप शक्कर, नींबू का रस और पानी को मिलाकर गर्म करें और एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे कान के बालों पर लगाएं और एक साफ कपड़े से इसको हटा लें।

बच्चों को हेल्दी और फिट रखने के लिए उनकी डाइट का रखें खास ख्याल, अपनाएं ये टिप्स

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा फिट और हेल्दी रहे ताकि उसको ग्रोथ अच्छे से हो सके. लेकिन बच्चों को हेल्दी रखना किसी टॉस्क से कम नही है. खासतौर से जब बात आती है खानपान की तो बच्चों को हेल्दी खाना अमूमन पसंद नही आता है. हरी सब्जियां और दाल जैसी चीजें जो पोषक तत्वों से भरपूर होती है बच्चे उनको खाने में मुंह बनाते हैं. अनहेल्दी खाने की चीजों जैसे की जंक फूड और पैकेज्ड फूड की तरफ उनका रूझान ज्यादा रहता है. यह चीजें सही ग्रोथ और शरीर मजबूत बनाने से रोक सकती हैं. ऐसे में बच्चों की खास देखभाल करने की जरूरत होती है, जिसमें डाइट और लाइफस्टाइल पर ध्यान देना जरूरी है.

आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंग जो आपके बच्चों को हेल्दी रखने में मदद कर सकते हैं.

हेल्दी ब्रेकफास्ट

बच्चे के ब्रेकफास्ट में हमेशा हेल्दी चीजों को ही शामिल करें. अमूमन घरों में नाश्ते में ब्रेड–बटर या फिर रेडी टू ईट चीजों का सेवन किया जाता है. जिससे बच्चों से सही से पोषण नहीं मिल पाता है. ऐसे में आप उनके लिए घर में ही हेल्दी चीजें बनाएं. आप उन्हें नाश्ते में इडली, डोसा, उपमा या पोहा उन्हें दे सकते हैं.

घर में बनाएं स्प्रेड

अगर आपके बच्चे को चॉकलेट स्प्रेड, जैम और केचप खाना पसंद है तो इन चीजों को बाजार से खरीदने की बजाय घर पर ही बनाने की कोशिश करें. क्योंकि बाहर मिलने वाली चीजों में प्रिजर्वेटिव होते हैं जो सेहत के लिए अच्छे नहीं पाए जाते.

पैकेज्ड फूड

पैकेज्ड फूड्स चिप्स, कुकीज जैसी चीजों का सेवन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. इसलिए आप इन चीजों से बच्चों को बचाएं और घर पर बनी चीजों को ही उन्हें खाने के लिए दें.

फल

अपने बच्चे की डाइट में फलों को जरूर शामिल करें. एक दिन में कम से कम उनकी डाइट में 1 सीजनल फ्रूट जरूर शामिल करें.

पैकेज्ड जूस

पैकेज्ड जूस में केवल प्रिजर्वेटिव और चीनी होती है. इनका सेवन करने से बच्चे बीमार भी हो सकते हैं. इसलिए इनकी जगह ताजे फलों का जूस, नींबू पानी, नारियल पानी देना शुरू करें.

हरी सब्जियां

अपने बच्चे की डाइट में सीजनल सब्जियां और हरी सब्जियां जरूर शामिल करें. अगर वो इनको देखकर मुंह बनाते हैं तो आप क्रिएटिव तरीके से उनकी डाइट में हरी सब्जियों को शामिल करें.

टीएमसी नेता जहांगीर खान गिरफ्तार, नेपाल भागने की फिराक में था

-फालता पुलिस स्टेशन में खान के खिलाफ सात एफआईआर दर्ज हैं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने टीएमसी नेता जहांगीर खान को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी नेपाल बॉर्डर से की गई है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फालता पुलिस स्टेशन में खान के खिलाफ 7 एफआईआर दर्ज की गई थीं। वह नेपाल भागने की फिराक में थे। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जहांगीर खान के समर्थकों ने महिलाओं को गैंगरेप की धमकी दी थी। हालांकि अभी बंगाल पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जहांगीर खान ने 2026 का विधानसभा चुनाव फालता सीट से लड़ा था। चुनाव के दौरान हुई गड़बड़ियों के कारण यहां दोबारा चुनाव हुए थे। दोबारा चुनाव से पहले ही जहांगीर ने मैदान छोड़ दिया था और कहा था कि वे चुनाव से अपना नाम वापस ले रहे हैं। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को फिल्म 'पुष्पा' के किरदार की तरह पेश किया था। उन्होंने कई बार फिल्म का चर्चित डायलॉग 'पुष्पा झुकेगा नहीं साला' भी बोला था। उन्होंने खुद को इलाके के ऐसे मजबूत नेता के रूप में पेश किया, जो किसी दबाव के सामने नहीं झुकेगा।

दिल्ली-एनसीआर में फिर सताएगी भीषण गर्मी, इस हफ्ते लू और बढ़ते तापमान का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून के पिछले हफ्ते में आई आंधी-तूफान और बारिश के कारण मौसम खुशनुमा हो गया था, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली थी। हालांकि, दिल्ली- एनसीआर के निवासियों को एक बार फिर सूरज की तपिश और चिलचिलाती धूप का सामना करना पड़ेगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इस हफ्ते राजधानी और आसपास के इलाकों में तापमान का ग्राफ तेजी से बढ़ने वाला है। सोमवार से आसमान पूरी तरह साफ रहेगा, जिससे गर्मी का कहर और अधिक बढ़ जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में 8 जून से गर्मी का नया दौर शुरू होने जा रहा है। इस पूरे हफ्ते लोगों को तेज गर्म हवाओं और लू (हीटवेव) के थपेड़े झेलने पड़ेंगे। इस दौरान दिन का अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका जताई गई है, जबकि न्यूनतम तापमान 27 से 29 सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अब न केवल दिन के समय भीषण गर्मी रहेगी, बल्कि रातें भी लोगों को तपाने वाली हैं। पिछले दिनों हुई आंधी और बारिश का असर अब पूरी तरह खत्म हो चुका है और मौसम शुष्क होने के कारण उमस भरी गर्मी लोगों की परेशानियां बढ़ाएगी। दिल्ली के विभिन्न इलाकों (उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम) में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दोपहर या शाम के समय गरज-चमक की स्थिति बनने की संभावना है। इस दौरान 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं भी चल सकती हैं, लेकिन बारिश को लेकर कोई बड़ा अलर्ट जारी नहीं किया गया है। गौरतलब है कि 11 से 13 जून के आसपास एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कहीं-कहीं हल्की बारिश और आंधी आ सकती है, जिससे तापमान में मामूली गिरावट दर्ज होगी। इसके बाद, दिल्ली-एनसीआर में लोगों को राहत देने वाला दक्षिण-पश्चिम मानसून 25 से 30 जून के आसपास दस्तक दे सकता है। फिलहाल मानसून आने से पहले केवल छिटपुट प्री-मानसून गतिविधियां ही देखने को मिलेंगी। दूसरी ओर, वायु गुणवत्ता सूचकांक वर्तमान में 50 से 100 के बीच यानी मध्यम स्तर पर बना हुआ है, लेकिन उड़ती धूल और बढ़ती गर्मी के कारण सांस के मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच बेवजह घर से बाहर न निकलने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और बुजुर्गों व बच्चों का विशेष ख्याल रखने की सलाह दी है।

वीरप्पन से जुड़े मामले में अभिनेत्री सुकन्या को मिली बड़ी जीत

-30 साल लड़ी कानूनी लड़ाई के बाद मिलेगा 10 लाख का मुआवजा

चेन्नई (एजेंसी)। अभिनेता कमल हासन के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'इंडियन' में काम कर चुकीं मशहूर अभिनेत्री आर. सुकन्या ने एक निजी टेलीविजन नेटवर्क के खिलाफ तीन दशक पुरानी मानहानि की कानूनी लड़ाई जीत ली है। मद्रास उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए संबंधित टीवी नेटवर्क को आदेश दिया है कि वह अभिनेत्री को मुआवजे के तौर पर 10 लाख रुपये का भुगतान करे। यह पूरा मामला साल 1996 का है और इसका सीधा संबंध कुख्यात चंदन तस्कर व डकैत वीरप्पन से जुड़ा हुआ है। दरअसल, वर्ष 1996 में इस टीवी नेटवर्क ने पत्रकार नक्कीरन आर. गोपाल द्वारा जंगल में लिए गए वीरप्पन के एक इंटरव्यू का प्रसारण किया था। इस इंटरव्यू के दौरान डकैत वीरप्पन ने अभिनेत्री सुकन्या को लेकर बेहद आपत्तिजनक और मानहानिकारक टिप्पणियां की थीं, जिन्हें चैनल ने बिना किसी कांट-छांट या संपादन (एडिट) के सीधे प्रसारित कर दिया था। सुकन्या ने आरोप लगाया था कि चैनल ने उनकी छवि को धूमिल करने और उन्हें अपमानित करने के उद्देश्य से जानबूझकर इस आपत्तिजनक हिस्से को नहीं हटाया। इसके बाद उन्होंने 1996 में ही मद्रास उच्च न्यायालय में टीवी नेटवर्क, पत्रकार गोपाल और वीरप्पन के खिलाफ 10 लाख रुपये के हर्जाने का सिविल मुकदमा दायर किया था। बाद में इस मामले को सिटी सिविल कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान टीवी नेटवर्क ने दलील दी थी कि उनका इरादा किसी को बदनाम करने का नहीं था, बल्कि पत्रकार ही उनके पास वह फुटेज लेकर आए थे। दूसरी ओर, पत्रकार गोपाल ने अदालत को बताया कि अनुबंध के अनुसार चैनल के पास पूरे इंटरव्यू को संपादित करने, काटने या किसी भी हिस्से को हटाने का पूरा अधिकार था। उन्होंने चैनल को 9 घंटे की फुटेज सौंपी थी, जिसमें से चैनल ने केवल 4 घंटे का हिस्सा ही प्रसारित किया था।

राम मंदिर में चढ़ावे के करोड़ों रुपए गायब, कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध

-सपा प्रमुख अखिलेश ने इस मामले में यूपी सरकार और मंदिर ट्रस्ट को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने दावा किया है कि मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपए गायब हो गए हैं। इस मामले को लेकर उन्होंने सीधे योगी सरकार और मंदिर ट्रस्ट को घेरा है। यादव ने इस मामले में कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सपा प्रमुख अखिलेश ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि 'राम मंदिर' के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब हो गई है।' यादव ने पोस्ट में कहा, 'ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक की बात है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता। उन्होंने कहा कि कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है।'

वहीं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि समय-समय पर आंतरिक ऑडिट होता रहता है। इस प्रक्रिया में ट्रस्ट और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। ऑडिट की प्रक्रिया कई दिनों तक चलती है। इन दिनों भी यही काम हो रहा है। अभी तक कोई खास बात सामने नहीं आई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के न्यासी और निर्मोही अखाड़े के महंत दिनेन्द्र दास ने अखिलेश यादव के बयान पर कहा कि अगर इस मामले में किसी ने कुछ गलत किया है, तो भगवान राम स्वयं उन्हें दंडित करेंगे।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों और सरकार द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय ट्रस्ट को स्वीकार्य है। दास ने कहा कि अगर कोई गलती हुई है, तो वह सामने आ जाएगी। अगर कोई कुकर्म हुआ है, तो जिम्मेदार लोगों को उसके परिणाम भुगतने होंगे।

सपा प्रमुख ने मंदिर ट्रस्ट की ओर से चंपत राय के जवाब पर तंज कसते हुए कहा कि 'स्पष्टीकरण ही स्पष्ट नहीं है।' यादव ने कहा लगता है ये इनके लिए हर हफ्ते की साधारण बात है, और इतनी ज्यादा साधारण है कि ये इसे अब 'उल्लेखनीय' भी नहीं मानते हैं। चेहरे के भाव और देह की हताशा और निराशा से भरी है। अखिलेश ने चंपत राय के बयान पर असंतोष व्यक्त करते हुए इसी पोस्ट में कहा, '' ट्रस्ट के सभी सदस्यों को एक साथ बैठाकर स्पष्टीकरण दिया जाए और आंकड़ों के मिलान के लिए सीसीटीवी के साक्ष्य का सहारा लिया जाए। जैसे ही सारे ट्रस्टी एक साथ बैठेंगे तो सच बाहर आ जाएगा क्योंकि उनमें हर कोई एक जैसा नहीं है। इस हेराफेरी की शंका के केंद्र में जब कोई एक व्यक्ति विशेष है ही नहीं तो फिर किसी एक के स्पष्टीकरण का क्या महत्व है।

उन्होंने कहा कि ये भी स्पष्ट किया जाए कि 40 सेकंड का स्पष्टीकरण आने में इतने घंटे क्यों लगे और स्पष्टीकरण के नाम पर एक मिनट बोलना भी भारी क्यों पड़ रहा है। यूपी सरकार की चुप्पी की तरह ये सफ़ाई भी संदिग्ध है। ऐसा लग रहा है जैसे स्पष्टीकरण के नाम पर शाब्दिक औपचारिकता निभाई जा रही है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज, इस बेहद कमजोर स्पष्टीकरण से और भी ज्यादा शंकित और आहत हुआ है।

मणिपुर असम राइफल्स और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प, 4 घायल

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले के न्यू हेवन गांव में रविवार को एक नई सुरक्षा चौकी के निर्माण को लेकर स्थानीय प्रदर्शनकारियों और असम राइफल्स के जवानों के बीच तीखी झड़प हो गई। इस हिंसक टकराव में कम से कम चार नागरिक घायल हो गए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक यह घटना शाम करीब 4 बजे की है, जब ग्रामीणों ने न्यू हेवन इलाके में असम राइफल्स द्वारा नई चौकी बनाए जाने का विरोध करना शुरू कर दिया। स्थानीय निवासियों और ग्रामीणों का आरोप है कि लंबुई गांव में तैनात असम राइफल्स के लगभग 40 जवानों ने ग्राम अधिकारियों से बिना किसी पूर्व सलाह या सहमति के इस नई चौकी का निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। इसके विरोध में महिलाओं और छात्र संगठनों सहित भारी संख्या में स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए और निर्माण कार्य को तुरंत रोकने की मांग करने लगे। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ने की कोशिश की। भीड़ को नियंत्रित करने के अभियान के दौरान कथित तौर पर लाठीचार्ज किया गया और हवाई फायरिंग की गई, जिससे एक छात्र संगठन के अध्यक्ष सहित चार लोग जख्मी हो गए। ग्रामीणों का यह भी दावा है कि सुरक्षा बलों ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट की अनुपस्थिति में यह कार्रवाई की और महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ भी बल प्रयोग किया। इस घटना के बाद से स्थानीय समुदाय में भारी आक्रोश है। प्रदर्शनकारियों ने असम राइफल्स की इस नई चौकी को तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि इस एकतरफा कार्रवाई से स्थानीय जनता और सुरक्षा बलों के बीच का आपसी विश्वास टूट गया है, जिससे लोग अपनी जान और संपत्ति की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। जिला पुलिस के अनुसार, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है लेकिन इलाके में तनाव बरकरार है। गौरतलब है कि पिछले कुछ हफ्तों में हुई हिंसक घटनाओं, विशेषकर मई महीने में हुए दोहरे हमलों के बाद से पूरे क्षेत्र में पहले से ही सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ी हुई हैं।

हालिया संकेतों से बढ़ीं अटकलें, मोदी कैबिनेट में जल्द होगा फेरबदल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के वर्तमान कार्यकाल के दो साल पूरे होने के अवसर पर केंद्रीय मंत्रिमंडल में जल्द ही फेरबदल और विस्तार की अटकलें तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी के हालिया संगठनात्मक और रणनीतिक कदमों ने इन कयासों को हवा दी है। इन कदमों में दो केंद्रीय मंत्रियों को राज्य इकाइयों की अहम जिम्मेदारी सौंपना और दो अन्य को राज्यसभा के लिए दोबारा नामांकित न करना शामिल है।

राजनीतिक गलियारों में हलचल तब और बढ़ गई जब भाजपा ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए पांच राज्यों से 11 नेताओं को नामांकित किया, लेकिन इस सूची से दो केंद्रीय मंत्रियों-रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन का नाम गायब रहा। इन दोनों मंत्रियों की राज्यसभा सदस्यता 21 जून को समाप्त हो रही है। पंजाब से कांग्रेस के पूर्व सांसद बिट्टू वर्तमान में राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं, जबकि केरल के मूल निवासी कुरियन मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 72 सदस्यीय केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 9 जून 2024 को शपथ ग्रहण की थी। इस मंत्रिपरिषद में वर्तमान में 30 कैबिनेट मंत्री, 5 स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और 36 राज्य मंत्री शामिल हैं। गौरतलब है कि मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकालों के दौरान भी सरकार के दो साल पूरे होने के ठीक बाद जुलाई 2016 और जुलाई 2021 में मंत्रिपरिषद का फेरबदल और विस्तार किया गया था। इस बार भी वैसा ही पैटर्न दिखने की उम्मीद जताई जा रही है। आगामी 18 जून को 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों के साथ महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा में उपचुनाव होने हैं, जिसके लिए नामांकन की अंतिम तारीख 8 जून है। संवैधानिक नियमों के अनुसार, मंत्रिपरिषद का आकार लोकसभा की कुल सदस्य संख्या का अधिकतम 15 प्रतिशत हो सकता है। सरकार के दो साल पूरे होने और मंत्रियों के सदन के कार्यकाल के समीकरणों को देखते हुए इस सप्ताह मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

ममता और केजरीवाल के चलते बर्बाद हुआ इंडिया गठबंधन

संजय झा ने नीतीश के यूटर्न की स्टोरी से उठाया पर्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी एकजुटता की नींव रखने वाले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अपनी ही मेहनत से बने इंडिया गठबंधन से नाता क्यों तोड़ा, इस रहस्य से आखिरकार पर्दा हट गया है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के कार्यकारी अध्यक्ष और नीतीश कुमार के बेहद करीबी राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने एक इंटरव्यू में चौंकाने वाले खुलासे करते हुए गठबंधन के बिखरने की पूरी इनसाइड स्टोरी बयां की है। उन्होंने सीधे तौर पर दो बड़े विपक्षी नेताओं को इस गठबंधन के सत्यानाश के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

संजय झा ने ऑन रिकॉर्ड कहा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत इंडिया गठबंधन को व्यक्तिगत तौर पर बर्बाद कर दिया। उन्होंने बताया कि गठबंधन के भीतर यह आम सहमति बन चुकी थी कि नीतीश कुमार को इस विपक्षी मोर्चे का संयोजक बनाया जाएगा। लेकिन एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने अचानक नया दांव चल दिया। दोनों ने सुर में सुर मिलाते हुए कहा कि गठबंधन का संयोजक किसी दलित चेहरे को होना चाहिए और इसके लिए उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम आगे बढ़ा दिया। इस अप्रत्याशित कदम के चलते कांग्रेस तुरंत बैकफुट पर आ गई और पूरी योजना खटाई में पड़ गई।

जेडीयू नेता ने स्पष्ट किया कि नीतीश कुमार कभी भी किसी पद या संयोजक की कुर्सी के लिए बेचैन नहीं थे, उनका एकमात्र उद्देश्य सभी विपक्षी दलों को एक मंच पर लाना था। लेकिन इस गठबंधन के पास न तो कोई स्पष्ट विजन था और न ही आंतरिक एकजुटता। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दलों को हमेशा यह महसूस होता रहा कि कांग्रेस केवल कुछ ही राज्यों में राजनीति करती है, जिससे उन्हें कोई खास फायदा नहीं था।

इंटरव्यू के दौरान जब संजय झा से मौजूदा केंद्र सरकार और अटल बिहारी वाजपेयी के दौर के गठबंधन मॉडल के अंतर पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वाजपेयी सरकार के समय 24 दल शामिल थे, जबकि आज के दौर में आपसी संवाद का एक बेहतर सिस्टम है। उन्होंने साफ किया कि एनडीए में यदि बिहार या किसी राष्ट्रीय मुद्दे पर असहमति होती है, तो शीर्ष स्तर पर बातचीत कर उसे सुलझा लिया जाता है। महिला आरक्षण बिल जैसे महत्वपूर्ण फैसलों पर भी जेडीयू से सलाह ली गई थी, इसलिए पार्टी को सरकार में असहज होने जैसी कोई बात नहीं है। इसके अलावा, क्षेत्रीय पार्टियों के कमजोर होने और टूटने पर चिंता व्यक्त करते हुए संजय झा ने इसके लिए परिवारवाद को मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि जेपी आंदोलन से निकले समाजवादी नेता पहले विचारधारा से शुरू हुए, फिर जाति के नेता बने और अंततः परिवार की पार्टी बनकर रह गए, जिससे उनका पतन शुरू हुआ। उन्होंने दावा किया कि नीतीश कुमार की विरासत और जेडीयू का अस्तित्व हमेशा मजबूत रहेगा क्योंकि उन्होंने कभी राजनीति को निजी संपत्ति या बैंक अकाउंट की तरह इस्तेमाल नहीं किया।

सीएम विजय महिलाओं-बच्चों की सुरक्षा के लिए सिंगाप्पन फोर्स का आज करेंगे शुभारंभ

-आईपीएस अफसर भवानीश्वरी को सिंगप्पन विशेष कार्य बल का आईजी बनाया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय सिंगप्पन स्पेशल टास्क फोर्स का शुभारंभ करेंगे। यह फोर्स राज्यभर में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए स्थापित एक समर्पित पुलिस इकाई है। उद्घाटन समारोह मंगलवार शाम चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू राजारथिनम स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा। सीएम पदभार संभालने के बाद विजय द्वारा की गई प्रमुख घोषणाओं में से एक विशेष बल का गठन था। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल केंद्रित पुलिसिंग, त्वरित हस्तक्षेप और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के जरिए महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के भवानीश्वरी को सिंगप्पन विशेष कार्य बल का पहला आईजी नियुक्त किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नवगठित इकाई में एक एसपी, दो उप पुलिस अधीक्षक, चार निरीक्षक और कई अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों सहित 30 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल हैं। फोर्स को एक विशिष्ट पहचान देने के लिए सरकार ने एक विशेष वर्दी पेश की है। कार्य बल से जुड़ी महिला पुलिसकर्मी और महिला सब-इंस्पेक्टर नीली कमीज के साथ खाकी पेंट पहनेंगी। उन्हें काली टोपी और काले जूते भी दिए गए हैं। उम्मीद है कि यह अनूठी वर्दी राज्यभर में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय बल को आसानी से पहचानने योग्य बनाएगी।

सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का शुभारंभ मूल रूप से 29 मई को तय था और मुख्यमंत्री द्वारा उसी दिन इसका उद्घाटन किया जाना था। हालांकि, प्रशासनिक कारणों से अंतिम समय में कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। अब औपचारिक उद्घाटन मंगलवार को तय है, उम्मीद है कि यह विशेष बल इसके तुरंत बाद परिचालन शुरू कर देगा। चेन्नई में शुभारंभ समारोह के बाद सिंगाप्पन कर्मियों को तमिलनाडु भर में तैनात किया जाएगा और वे सभी जिलों में कार्य करना शुरू कर देंगे।

अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए अधिक सशक्त और समन्वित कार्रवाई हेतु इस कार्य बल का गठन किया गया है।

सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का शुभारंभ विजय सरकार की प्रमुख कानून-व्यवस्था पहलों में से एक माना जा रहा है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और कल्याण पर विशेष रूप से केंद्रित एक समर्पित इकाई का गठन करके, सरकार को उम्मीद है कि इससे पुलिसिंग में जनता का विश्वास बढ़ेगा और तमिलनाडु में एक सुरक्षित वातावरण बनेगा।

लद्दाख के कठिन पहाड़ी इलाके से पांच गंभीर मरीजों को वायुसेना ने चंडीगढ़ पहुंचाया

-रेसक्यू किए गए लोगों में भारतीय सेना के तीन जवान भी शामिल

लद्दाख (एजेंसी)। वायुसेना ने मेडिकल इमरजेंसी अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस दौरान लद्दाख के कठिन पहाड़ी इलाके से पांच गंभीर रूप से बीमार मरीजों को चंडीगढ़ पहुंचाया। रेसक्यू किए गए व्यक्तियों में भारतीय सेना के तीन जवान भी शामिल हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और प्रतिकूल मौसम के बावजूद वायुसेना ने कार्रवाई करते हुए मरीजों को सुरक्षित निकाला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय वायुसेना ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि लद्दाख से एयरलिफ्ट किए गए पांच मरीजों में भारतीय सेना के तीन जवान, उनका एक आश्रित सदस्य, और लद्दाख का एक स्थानीय निवासी शामिल था। सभी मरीजों की स्थिति गंभीर थी और उन्हें तत्काल बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की जरुरत थी। इस अभियान के लिए भारतीय वायुसेना ने अपने सी-17 और एएन-32 परिवहन विमानों का इस्तेमाल किया। ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों, सीमित संसाधनों और खराब मौसम जैसी चुनौतियों के बावजूद विमानों के चालक दल ने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया और मरीजों को समय पर चंडीगढ़ पहुंचाया। बता दें 2026 में केवल लद्दाख सेक्टर में ही भारतीय वायुसेना के कैजुअल्टी इवैक्यूएशन अभियानों के जरिए अब तक 143 लोगों की जान बचाई जा चुकी है। यह आंकड़ा दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्रों में वायुसेना की मानवीय सेवाओं और तत्परता का प्रमाण है। इस अभियान की सफलता के साथ ही भारतीय वायुसेना ने कहा कि हर जीवन अहम है और हर आपातकालीन पुकार का जवाब देना उसका कर्तव्य है। यही भावना ऐसे चुनौतीपूर्ण अभियानों को सफल बनाने की प्रेरणा देती है। बता दें कुछ महीने पहले लद्दाख की बर्फ से ढकी खतरनाक चोटियों और दो विदेशी नागरिकों के फंसने का एक गंभीर मामला सामने आया था। यहां दो कोरियाई नागरिक 17,000 फीट से ज्यादा ऊंचाई वाली चोटी पर मौजूद थे। सेना ने इस घटना का पता लगने पर बिना देरी किए रात के अंधेरे में संवेदनशील व साहसिक ऑपरेशन चलाया। यह अभियान भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर की आर्मी एविएशन यूनिट द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया था। कड़ी मेहनत के बाद दोनों विदेशी नागरिकों को बचा लिया था।

इजरायल में स्थापित होगी छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा

मुंबई (एजेंसी)। इजरायल के मुंबई स्थित वाणिज्य दूतावास ने मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की एक भव्य प्रतिमा इजरायल में स्थापित करने की ऐतिहासिक योजना की घोषणा की है। इस विशेष परियोजना का ऐलान शिवराज्याभिषेक दिन के गौरवशाली अवसर पर किया गया है। इजरायल के वाणिज्य दूत यानिव रेवाच ने इस संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखकर राज्य सरकार से सहयोग की अपील की थी, जिसे मुख्यमंत्री ने तुरंत और सहर्ष स्वीकार कर लिया है।

वाणिज्य दूत यानिव रेवाच ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत के अनुरूप एक शानदार स्मारक बनाने के लिए उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से जो मदद मांगी थी, उस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल अपनी सहमति दे दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इजरायल की धरती पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का निर्माण भारत और इजरायल के बीच के बेहद घनिष्ठ और मजबूत होते संबंधों का एक जीवंत प्रतीक बनेगा। यह स्मारक इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि महाराष्ट्र और भारतीय यहूदी समुदाय के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंध रहे हैं, और इस समुदाय के वंशज आज इजरायली समाज के विकास में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए इजरायली दूतावास ने महाराष्ट्र सरकार से ऐतिहासिक संदर्भ, कलात्मक विमर्श, प्रतिमा के डिजाइन संबंधी तकनीकी सलाह और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का औपचारिक अनुरोध किया है। इजरायली वाणिज्य दूत ने उम्मीद जताई कि इस अनूठी परियोजना को भविष्य में एक बड़े जन-आंदोलन का रूप दिया जा सकता है, जो दोनों देशों के नागरिकों के बीच मित्रता को और प्रगाढ़ करेगा तथा साहस, कुशल नेतृत्व व पारस्परिक सम्मान जैसे साझा मूल्यों का एक स्थायी प्रतीक बनेगा।

मराठा साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास की दिखेगी झलक

मुंबई में अपनी नियुक्ति के बाद से ही रेवाच ने मराठा साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास का गहन अध्ययन किया है। उन्होंने शिवाजी महाराज की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे केवल एक साम्राज्य के संस्थापक नहीं थे, बल्कि एक असाधारण और दूरदर्शी नेता थे, जिनकी सुशासन, अदम्य साहस, धार्मिक सहिष्णुता, आधुनिक नौसेना शक्ति और लोक-कल्याण की नीतियां आज भी पूरी दुनिया की पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के बाद से ही दोनों देशों के लोगों को सांस्कृतिक रूप से करीब लाने के प्रयास तेज हुए हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा, कृषि, जल प्रबंधन और तकनीक में पहले से ही मजबूत सहयोग है, लेकिन इस पहल से सांस्कृतिक संबंधों को एक नई गति मिलेगी और वैश्विक स्तर पर भारत की समृद्ध विरासत का प्रदर्शन होगा।

ड्रग्स कारोबार पर पुलिस का शिकंजा : 13.7 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल पुलिस ने गुप्त सुचना के अधार पर नशे के खिलाफ छापेमारी फुलवरिया पटाल (बगीचा) के समीप अवैध मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही उनके पास से 13.7 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स बरामद भी किया है जिसकी जानकारी राजमहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त मिली कि फुलवरिया पटाल (बगीचा) के पास अवैध मनोतेजक पदार्थ खरीद-बिकी किया जा रहा है वहीं पुलिस अधीक्षक के द्वारा सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु एक छापामारी दल का गठन किया गया। जिसमें राजमहल प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी की मौजूदगी में राजमहल थाना क्षेत्र के फुलवरिया पटाल (बगीचा) के पास पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बल द्वारा छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस को देखकर एक व्यक्ति भागने लगा, जिसे खदेड़कर पकड़ लिया गया। वहीं उनकी विधिवत तलाशी लेने पर उसके पास से 13.7 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स जैसा संदिग्ध मादक पदार्थ बरामद किया गया। साथ ही कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम फकरुद्दीन शेख उर्फ मिंटू (29 वर्ष), पिता स्व. मनारूल शेख, निवासी मुगीटौला, थाना राजमहल, जिला साहेबगंज बताया। साथ ही कहा कि पूछताछ के दौरान अवैध मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री में सलमान शेख, पिता सुकरूद्दीन शेख, निवासी फुलवरिया, थाना राजमहल, जिला साहेबगंज की संलिप्तता सामने आई। इसके बाद पुलिस ने सलमान शेख को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, सलमान शेख ने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार किया है।साथ ही कहा कि इस मामले में राजमहल थाना कांड संख्या 181/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 21/27 के अंतर्गत मामला दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। कहा दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों को सोमवार को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। वहीं छापेमारी दल में बीडीओ सह सीओ मोहम्मद युसुफ, थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, पुअनि पवन यादव, महादेव उरांव, सअनि बृजनन्दन चौधारी सहित पुलिस बल शामिल थे।

थाना प्रभारी ने बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, दिए दिशा-निर्देश

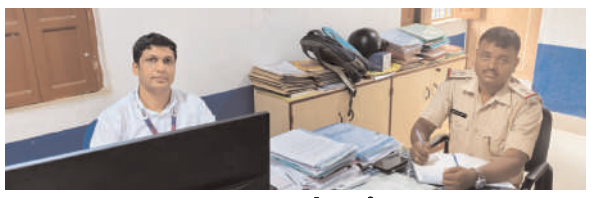

बिभा संवाददाता

उधवा । राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने सोमवार को विभिन्न बैंकों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक शाखा उधवा एवं भारतीय स्टेट बैंक शाखा श्रीधर तथा बैंक ऑफ इंडिया शाखा राधानगर की सुरक्षा व्यवस्था का थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने जायजा लिया। इस दौरान थाना प्रभारी ने बैंक परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों,अलार्म सिस्टम,स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था,प्रवेश एवं निकास द्वारों की निगरानी तथा सुरक्षा गार्डों की तैनाती की जांच किया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बैंक प्रबंधन को निर्देश दिए कि सभी सुरक्षा उपकरण हर समय सक्रिय रखें तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि होने पर इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। थाना प्रभारी ने बैंक कर्मियों के साथ बैठक कर ग्राहकों की सुरक्षा,नकदी लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर भी चर्चा की। उन्होंने कर्मचारियों को सतर्क रहने और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने की सलाह दी। इस दौरान थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने कहा कि अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए समय-समय पर बैंकों का निरीक्षण एवं सुरक्षा जांच अभियान चलाया जाता रहेगा। मौके पर राधानगर पुलिस बल मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

सुरक्षा मानकों में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी : थाना प्रभारी

राजमहल(बिभा) । राजमहल थाना क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाने और बैंकिंग संस्थानों को सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस ने एक सराहनीय कदम उठाया है। वही राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी के नेतृत्व में क्षेत्र के सभी सरकारी एवं निजी बैंकों का व्यापक सुरक्षा निरीक्षण किया गया। वही निरीक्षण के दौरान राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने खुद बैंकों के हर कोने का जायजा लिया। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, सुरक्षा गार्डों की तैनाती, अलार्म सिस्टम और आपातकालीन दरवाजों की स्थिति को बारीकी से परखा। साथ ही, नकदी लेन-देन के सुरक्षा प्रोटोकॉल और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी के तरीकों की भी समीक्षा की गई। वही इस मौके पर राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने सभी बैंक प्रबंधकों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि सुरक्षा मानकों में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सुरक्षा उपकरणों के नियमित रखरखाव और बैंक कर्मचारियों को हमेशा सतर्क रहने का निर्देश दिया। इस पहल से राजमहल क्षेत्र के बैंकों में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने की उम्मीद जगी है।

ग्राहकों की सुरक्षा को लेकर पुलिस सख्त, बैंकों में चला सुरक्षा निरीक्षण अभियान

साहेबगंज(बिभा) । साहेबगंज में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तालझारी थाना क्षेत्र के विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था की गहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय ने स्टेट बैंक महाराजपुर, वनांचल ग्रामीण बैंक सकरीगली, महाराजपुर तथा बैंक ऑफ इंडिया तालझारी पहुंचकर सुरक्षा मानकों का निरीक्षण किया। वहीं निरीक्षण के दौरान सायरन, अलार्म सिस्टम और सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की बारीकी से जांच की गई। साथ ही बैंक प्रबंधकों को निर्देश दिया गया कि सभी सुरक्षा उपकरण हमेशा चालू एवं दुरुस्त स्थिति में रखें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई संभव हो सके। साथ ही थाना प्रभारी ने कहा कि बैंक आने वाले ग्राहकों की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने बैंक कर्मियों और सुरक्षा गार्डों को सतर्क रहने तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने का निर्देश दिया। साथ ही आम लोगों से भी अपील की गई कि बैंकिंग कार्य के दौरान सावधानी बरतें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस को दें। अभियान के दौरान पुलिस पदाधिकारी व जवान मौजूद थे।

संगठन की मजबूती व श्रमिक समस्याओं को लेकर मजदूर संघ की बैठक आयोजित

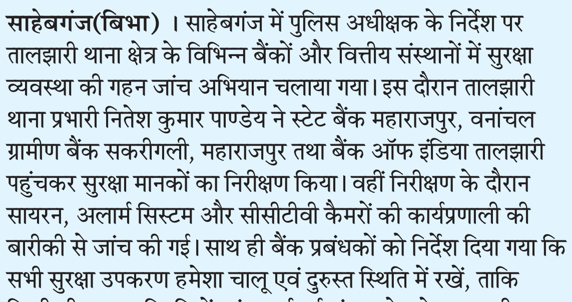

तालझारी (बिभा)। तालझारी प्रखंड परिसर में सोमवार को झारखंड मजदूर संघ की बैठक प्रखंड अध्यक्ष मो. इकरामुल अली की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान एवं श्रमिकों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं बैठक में केंद्र महामंत्री राजकुमार यादव, जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयूष एवं केंद्र उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी शामिल हुए। केंद्र महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि संगठन कार्यकताओं की रीढ़ होता है और इसके बिना किसी भी व्यवस्था का निर्माण संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जिले में बेरोजगारी, पलायन, रोजगार और भुखमरी जैसी समस्याएं गंभीर रूप ले चुकी हैं। मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी, नियुक्ति पत्र एवं अन्य अधिकार नहीं मिलने से वे शोषण के शिकार हो रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि बैठक के माध्यम से जिला प्रशासन का ध्यान श्रमिकों की समस्याओं की ओर आकृष्ट कराया जा रहा है। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने बीडीओ से मुलाकात कर क्षेत्र की सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य समेत अन्य प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया। वहीं जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयूष ने प्रखंड संगठन की सूची एक सप्ताह के अंदर जिला कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया। मौके पर प्रखंड संगठन प्रभारी निखिल यादव, अंसार खान, मिथुन यादव, दीपक मंडल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खेत बचाने की मुहिम में जुटे किसान, साहेबगंज में प्राकृतिक खेती पर मंथन

उत्पादन के साथ मिट्टी बचाने पर दें ध्यान : प्रमोद

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । खेती की बिगड़ती सेहत और मिट्टी की घटती उर्वरता को लेकर अब कृषि विभाग ने जागरूकता की नई पहल शुरू की है। इसी कड़ी में आत्मा समिति सहाय योजना के तहत कृषि विभाग एवं आत्मा साहेबगंज के संयुक्त तत्वावधान में आत्मा सभागार में सोमवार को ‟खेत बचाओ अभियान" विषय पर एक दिवसीय कृषक गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में किसानों को रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग, प्राकृतिक खेती, मृदा संरक्षण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि ‟खेत बचाओ अभियान" पूरे देश में 1 जून से 30 जून तक चलाया जा रहा है। वहीं साहेबगंज जिले की पंचायतों में भी इस दौरान जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण और किसानों से संवाद आयोजित होंगे। वहीं गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक (आत्मा) प्रमोद एक्का ने कहा कि अब समय आ गया है कि किसान केवल उत्पादन बढ़ाने पर नहीं, बल्कि मिट्टी को बचाने पर भी ध्यान दें। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत हरित खाद्य उत्पादन, जैविक खेती, संतुलित उर्वरक उपयोग और मृदा स्वास्थ्य कार्ड को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही किसानों को मिनीकिट, बीज वितरण, किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जोड़ने पर विशेष जोर रहेगा। वहीं वरीय कृषि वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ. सुप्रिया सिंह ने किसानों को चेतावनी देते हुए कहा कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अंधाधुंध इस्तेमाल से मिट्टी की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। उन्होंने वर्मी कम्पोस्ट, हरी खाद और जैविक उर्वरकों के उपयोग को अपनाने की अपील की, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए खेतों की उर्वरता सुरक्षित रह सके। वहीं कार्यक्रम में किसानों को कम लागत में बेहतर उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी भी दी गई। विशेषज्ञों ने सलाह दी कि किसान नियमित रूप से मिट्टी की जांच कराएं और मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार ही उर्वरकों का प्रयोग करें। वहीं गोष्ठी के दूसरे सत्र में किसानों ने फसलों में बीमारी, उन्नत बीज, खेती की लागत और कृषि योजनाओं से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। कृषि विशेषज्ञों ने सवालों के जवाब देते हुए तकनीकी सुझाव दिए। मौके पर जिला मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोक्ता, उप परियोजना निदेशक मंटु कुमार, विभिन्न प्रखंडों के बीटीएम, एटीएम, कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार समेत बड़ी संख्या में महिला और पुरुष किसान मौजूद थे।

11,323 फीट की ऊंचाई पर साहेबगंज का परचम, आईटीबीपी ट्रेकिंग अभियान में ऋषव की बड़ी उपलब्धि

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। हिमाचल प्रदेश के दुर्गम चितकुल पर्वतीय क्षेत्र में आयोजित भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के विशेष ट्रेकिंग अभियान में साहेबगंज के युवा ऋषव कुमार सिंह ने शानदार सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। 11,323 फीट की ऊंचाई तक कठिन ट्रेक पूरा कर ऋषव ने अपने साहस, धैर्य और जज्बे का परिचय दिया। यह साहसिक अभियान भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा आईटीबीपी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। दुर्गम पहाड़ियां, कठिन रास्ते और प्रतिकूल मौसम जैसी चुनौतियों के बीच ऋषव ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया। वहीं अपनी उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए ऋषव कुमार सिंह ने कहा कि यह उनके जीवन के सबसे यादगार अनुभवों में से एक है। उन्होंने इस अवसर के लिए आईटीबीपी और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि बेहतर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और सहयोग के कारण ही यह कठिन ट्रेक संभव हो पाया। वहीं राजमहल मॉडल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रंजीत सिंह ने ऋषव की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि न केवल कॉलेज बल्कि पूरे साहेबगंज जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि ऋषव का साहस और समर्पण जिले के युवाओं को नई प्रेरणा देगा। ऋषव की इस सफलता पर शिक्षकों, साथी छात्रों और जिलेवासियों में खुशी का माहौल है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे आगे भी इसी तरह नई ऊंचाइयों को छूकर राज्य और देश का नाम रोशन करें।

सरकारी रास्ता अतिक्रमण से मुक्त में चला प्रशासन का बुलडोजर

बिभा संवाददाता

राजमहल । सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ राजमहल प्रशासन ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नया बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण हटाकर सरकारी रास्ते को मुक्त करा दिया। बता दे कि राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो के निर्देश पर अंचल अधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ यह अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में प्रशासनिक सख्ती देखने को मिली। जानकारी के अनुसार, मौजा-नया बाजार, थाना संख्या-89, खाता संख्या-25, प्लॉट संख्या-0-39 की करीब 00-06-01 धूर सरकारी जमीन, जो राजस्व अभिलेख में रास्ता के रूप में दर्ज है, पर लंबे समय से अवैध कब्जा किया गया था। प्रशासनिक जांच में पाया गया कि लक्ष्मी रजक, मदन रजक और ऑखों रजक (तीनों स्व. मुरली रजक के पुत्र) द्वारा उक्त भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। वहीं मामले की शिकायत मिलने के बाद राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक ने स्थल जांच कर रिपोर्ट तैयार की थी। जांच रिपोर्ट में अतिक्रमण की पुष्टि होने पर एसडीओ ने तत्काल कार्रवाई का आदेश दिया। इसके बाद सोमवार को प्रशासनिक टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई। वहीं अभियान के दौरान अधिकारियों ने पहले अतिक्रमणकारियों से अपील की कि वे स्वेच्छा से अपना सामान हटा लें, क्योंकि जमीन सरकारी रास्ता के रूप में दर्ज है। प्रशासन की चेतावनी के बाद अतिक्रमित हिस्से को खाली कराया गया और रास्ते को पूरी तरह मुक्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान सीआई प्रवीण कुमार, अंचल अमीन मो. करीम, सहायक उपनिरीक्षक ब्रहमदेव मंडल, अर्जुन एक्का, एएसआई दिवान कुमार निराला एवं नंदकिशोर यादव दलबल के साथ मौजूद रहे। वहीं प्रशासन ने साफ कहा है कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में भी ऐसे अतिक्रमणों को चिह्नित कर हटाने की कार्रवाई जारी रहेगी।

चार सूत्री मांगों को लेकर एनएसयूआई ने कुलपति के नाम सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

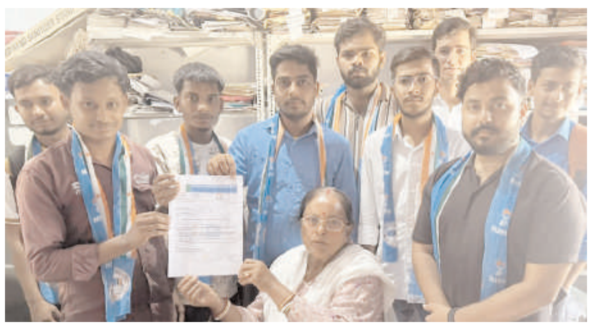

बरहरवा। प्लस टू महाविद्यालय बरहरवा में सोमवार को एनएसयूआई के नेतृत्व में छात्रों की विभिन्न शैक्षणिक समस्याओं को लेकर चार सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। वहीं एनएसयूआई जिला अध्यक्ष थॉमस रॉबर्ट की उपस्थिति एवं कॉलेज अध्यक्ष सोयेब अख्तर के नेतृत्व में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य के माध्यम से सिद्धू कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन भेजा गया। वहीं ज्ञापन में यूजी सत्र 26-30 के नामांकन प्रक्रिया जल्द शुरू करने, यूजी सेमेस्टर-6 सत्र 22-26 की परीक्षा प्रपत्र भरने की तिथि बिना विलंब शुल्क के बढ़ाने, परीक्षा पाठ्यक्रम में कटौती अथवा वैकल्पिक सुविधा देने तथा यूजी सेमेस्टर-1 सत्र 25-29 एवं यूजी सेमेस्टर-4 सत्र 23-27 का परीक्षा परिणाम शीघ्र प्रकाशित करने की मांग की गई। साथ ही एनएसयूआई नेताओं ने कहा कि परीक्षा प्रपत्र भरने के लिए मात्र पांच दिनों का समय दिया गया है, जो ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए पर्याप्त नहीं है। वहीं 24 जून से प्रस्तावित परीक्षा के लिए छात्रों को तैयारी का बेहद कम समय मिल रहा है, जिससे उन पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। वहीं कॉलेज अध्यक्ष सोयेब अख्तर ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्यपाल के निर्देश के बावजूद परीक्षा परिणाम समय पर जारी नहीं किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और छात्र लगातार अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने संथाल परगना के जनप्रतिनिधियों से भी शैक्षणिक समस्याओं को गंभीरता से लेकर समाधान की दिशा में पहल करने की अपील की। मौके पर नगर अध्यक्ष सत्यम यादव, जसीम अख्तर, शिवम भगत, रेबल इस्लाम, मो. मुसलेद्दीन, आशु साह, अक्षय भगत, सूरज ठाकुर, रौशन कुमार समेत अन्य छात्र मौजूद थे।

फोन पे से अवैध निकासी को लेकर थाने में दिया आवेदन

उधवा (बिभा)। राधानगर थाना क्षेत्र के पतौड़ा पंचायत अंतर्गत दरगाहडांगा गांव के एक युवक के फोन पे (यूपीआई) से एक लाख 53 हजार सात सौ रूपया अवैध निकासी का मामला सामने आया है। मामले को लेकर पीड़ित सफीक शेख ने सोमवार को राधानगर थाना में लिखित आवेदन दिया है। दिए गए आवेदन में पीड़ित ने बताया है कि बीते 5 जून की सुबह उधवा चौक के आसपास उनका मोबाइल फोन खो गया था। इसकी सूचना राधानगर में दी गई थी। पीड़ित ने बताया कि बीते 6 जून की शाम को पुनः फोन पे (यूपीआई) चालू करने पर जानकारी मिला कि अलग-अलग लेनदेन कर कुल एक लाख 53 हजार सात सौ रुपए की निकासी हो गई है। उन्होंने बताया कि उक्त लेनदेन से संबंधित किसी तरह की जानकारी नहीं है। पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई की मांग किया है। फिलहाल राधानगर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

भव्य कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय नौ कुंडीय शतचंडी महायज्ञ व श्रीमद भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । मां बायसी मंदिर प्रांगण सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और सनातन परंपरा के अद्भुत संगम का साक्षी बना। सात दिवसीय नौ कुंडीय शतचंडी महायज्ञ सह श्रीमद भागवत कथा के शुभारंभ भव्य कलश यात्रा निकाल कर कि गई। इस दौरान सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ जुटने लगी थी। महिलाएं सिर पर कलश लिए पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुईं, वहीं ‟जय माता दी" और ‟जय मां बायसी" के जयघोष से पूरा शहर भक्तिमय हो उठा। ढोल-नगाड़े, गाजे-बाजे, घोड़ा रथ और भक्ति संगीत के बीच कलश यात्रा मां बायसी मंदिर से शुरू होकर बड़तल्ला, कृष्ण नगर, कॉलेज रोड, पूर्वी फाटक और एसडीओ कोठी होते हुए ओझा टोली गंगा घाट पहुंची। वहीं गंगा घाट पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत जलभरी और कलश पूजन कराया गया। इस दौरान श्रीधाम वृंदावन से पहुंचीं कथा वाचिका सुदीक्षा कृष्णा ने बाल गोपाल के साथ मां गंगा की पूजा-अर्चना की। इसके बाद श्रद्धालुओं का जत्था पुनः मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला पहुंचा, जहां कलश यात्रा का समापन हुआ। वहीं मंदिर की भागतीन ने बताया कि 2100 कलशों के साथ निकली यह यात्रा पूरे शहर में आस्था का संदेश लेकर गुजरी। कहा शाम पांच बजे से श्रीमद भागवत कथा और रासलीला का आयोजन किया जाएगा। वहीं महायज्ञ आयोजक तांत्रिक विजय ने बताया कि मंगलवार सुबह आठ बजे वैदिक रीति-रिवाज और मंत्रोच्चारण के साथ नौ कुंडीय यज्ञ मंडप में अग्नि प्रवेश कराया जाएगा, जिसके बाद महायज्ञ विधिवत आरंभ होगा। वहीं समिति सदस्य आलोक ओझा ने कहा कि कलश यात्रा में करीब पांच हजार श्रद्धालु शामिल हुए। उन्होंने शहर और जिले के लोगों से सात दिवसीय महायज्ञ और कथा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की। वहीं कार्यक्रम में अध्यक्ष संजय यादव, जुगनू पाठक, राजीव ओझा, श्रीकांत ओझा, कालू यादव, प्रेमलाल यादव, अरुण चौधरी समेत बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे मौजूद रहे।

पूर्व मध्य रेल

कैब ए. सी. का कार्य के लिए ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरीय मंडल विद्युत अभियंता, टी.आर.एस., पूर्व मध्य रेलवे, गोमो सुयोग्य एवं अनुभवी प्रतिष्ठानों या ठेकेदारों से **ई–निविदा सं. ELS_401_Cab&AC_25&26_08R** हेतु खुला ई–निविदा आमंत्रित करती है। विवरण निम्नलिखित है: **1. कार्य का नाम तथा स्थान:** 3 – फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के कैब में एयर कंडीशनिंग की रेट्रो फिटिंग और कैब के थर्मल इंसुलेशन की व्यवस्था। **स्थान:** इलेक्ट्रिक लोको शेड, गोमोह **2. कार्य का अनुमानित लागत:** रू. 4,62,07,128.96/– (चार करोड़ बासठ लाख सात हजार एक सौ अट्ठाईस रुपये और छियानवे पैसे मात्र) **3. अग्रधन राशि:** रू. 9,24,200/– (नौ लाख चौबीस हजार दो सौ रुपये मात्र) **4. निविदा जमा करने तथा बंद होने की तिथि तथा समय:** 11.06.2026 से 25.06.2026 को 12:30 बजे निविदा बंद होने तक। **5. वेबसाइट का विवरण जहाँ निविदा दस्तावेज उपलब्ध है:** आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट http://www.ireps.gov.in । निविदा भरने वाले उनका मूल या परिशोधित बिड (निविदा प्रस्ताव) केवल इसी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के तहत मैनुवल (हस्तनिर्मित) निविदा प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं है तथा ऐसे किसी भी मैनुवल निविदा प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। सम्पूर्ण विस्तृत निविदा देखने के लिए सूचना पट्ट की स्थिति विद्युत लोको शेड, गोमो का सूचना पट्ट।

वरीय मंडल विद्युत अभियंता/टी.आर.एस./पूर्व मध्य रेल/गोमो

पीआर/0357/ईएलएस जीओएमओ/डीआरएम/टीआरएस/टी/26–27/40

भारतीय टीम की सबसे बड़ी टेस्ट जीत, अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हराया

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन ही अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हरा दिय। इस मैच में अफगानिस्तान की टीम फॉलोऑन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में भी केवल 112 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं वह पहली पारी में 152 रनों पर आउट हो गयी थी, भारत की ओर से सबसे अधिक 6 विकेट मानव सुधार ने लिए। फॉलोऑन खेलने उतरी अफगानिस्तान की टीम दूसरी पारी में भी केवल 112 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। ऐसे में उसे पहली पारी के आधार पर 412 रनों की बढ़त मिली थी। इसके बाद भारतीय टीम ने अफगान टीम को फॉलोऑन के लिए बुलाया। अफगान टीम दूसरी पारी में भी टिक नहीं पायी और केवल 112 रन ही बना पायी। सलामी बल्लेबाज सिद्दीकुल्लाह अटल ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम की ओर से सुंदर ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। कुलदीप यादव ने 3 विकेट, मोहम्मद सिराज ने 1 विकेट और मानव सुधार ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। भारत की ओर से अपना पहला टेस्ट खेल रहे स्पिनर मानव सुथार ने इस मैच में काफी अच्छी गेंदबाजी कर कुल 7 विकेट लिए। सुधार ने पहली पारी में 22 ओवर में 33 रन देकर छह विकेट लिए जबकि दूसरी पारी में एक विकेट लिया। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने अफगानिस्तान की दूसरी पारी में चार विकेट जबकि कुलदीप यादव ने तीन विकेट लिए। इस मैच में जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पारी और रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत 300 रनों से हासिल की है। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी और 272 रनों से जीत हासिल की थी।

इस मैच में भारतीय टीम पूरी तरह से हावी रही। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने शतक लगाये जबकि साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने अर्धशतक लगाया। शुभमन ने 15 चौके और 1 छक्के की मदद से 126 रनों की पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 11 चौके लगाकर 100 रन बनाए। साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने 81-81 रन जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 52 रन बनये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी अफगान टीम सुधार की फिरकी में उलझ गयी और पहली पारी में 152 रन ही बना पायी। केवल रहमत शाह ही 60 रनों की पारी खेली जबकि बाकी सभी बल्लेबाज विफल रहे। सुथार ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए जबकि प्रसिद्ध

कृष्णा ने 3 जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन टेनिस खिताब जीता

पेरिस (एजेंसी)। जर्मन के टेनिस स्टार अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के फ्लावियो कोबोली को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 का पुरुष एकल खिताब जीत लिया है। ज्वेरेव ने खिताबी मुकाबले में कोबोली को 4 घंटे 16 मिनट तक चला, जिसमें ज्वेरेव ने कोबोली को 6-1, 4-6, 6-4, 6-7 (5-7), 6-1 से जीत दर्ज की। इसी के साथ ही जर्मन खिलाड़ी ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब भी जीत लिया। पेरिस के प्रतिष्ठित रोलां गैरोस में खेला गया यह ऐतिहासिक मुकाबला 4 घंटे 16 मिनट तक चला। इस मैच में दूसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव शुरुआत से ही हावी रहे। पहले सेट में अपनी सर्विस और फोरहैंड का शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मन खिलाड़ी ने 6-1 से जीत दर्ज की। 10वीं वरीयता प्राप्त कोबोली ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए ज्वेरेव को कड़ी टक्कर दी। कोबोली ने हुए दूसरा सेट 6-4 से जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। तीसरे सेट में ज्वेरेव ने एक बार फिर वापसी करते हुए हुए 6-4 से बढ़त बना ली। चौथा सेट बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा। इसमें दोनों खिलाड़ियों ने पूरी ताकत लगा दी। ये सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा, जहां कोबोली ने 7-5 से जीत हासिल की और मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक पहुंचा दिया। इसके बाद ज्वेरेव की हार तय लग रही थी पर पांचवें सेट में, ज्वेरेव ने अपने अनुभव क इस्तेमाल करते हुए कोबोली की सर्विस दो बार तोड़ी और लगातार अंक हासिल हुए 6-1 से यह सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

यह जीत ज्वेरेव के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे पहले वह तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में हारे हैं। वह 2020 यूएस ओपन, 2024 फ्रेंच ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जीत के करीब पहुंचकर भी हार गए थे। इस बार जर्मन खिलाड़ी ने मानसिक मजबूती बनाये रखकर मुकाबले में जीत दर्ज की। इसी के साथ ही ज्वेरेव फ्रेंच ओपन के ओपन एरा में खिताब जीतने वाले पहले जर्मन पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले, 1937 में जर्मनी के हेनर हेन्केल ने रोलां गैरोस का खिताब जीता था। इस लिहाज से, ज्वेरेव ने 89 साल के लंबे इंतजार को समाप्त करते हुए ये ट्रॉफी जीती है।

मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं सूर्यकुमार, केकेआर या सीएसके जाने की संभावना

मुम्बई (एजेंसी)। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अब आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं। सूर्या के बाहर किये जाने की अटकलों को इस लिए भी बल मिल रहा है क्योंकि उन्होंने सोशल मीडिया में मुंबई इंडियंस को अनफॉलो कर दिया है। इतना ही नहीं, उनके अकाउंट से मुंबई इंडियंस की जर्सी वाली तस्वीरें भी हट गयी हैं। इससे ये साफ होता है कि सूर्या अब मुम्बई इंडियंस से नहीं खेलेंगे।

सूर्यकुमार को हाल ही में इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया और उनसे कप्तानी से भी हटा दिया गया। गौरतलब है कि इस आईपीएल सत्र में भी मुंबई इंडियंस के लिए भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उन्हें पिछली बार मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस ने 16.25 करोड़ रुपये में बरकरार रखा था जिस पर इस बार भी बरकरार रख गया था। वह साल 2018 से ही लगातार मुंबई इंडियंस का अहम हिस्सा रहे हैं पर जिस प्रकार से उनका प्रदर्शन खराब हुआ है। उससे अब लगता है कि मुम्बई भी उन्हें आगे बनाये नहीं रखना चाहती।

ऐसे में अब कई रिपोर्ट्स ये दावा कर रही हैं कि अगर सूर्यकुमार मुंबई से बाहर जाते हैं तो वह अपनी पुरानी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) जा सकते हैं। केकेआर को भी अपने लिए एक बेहतर कप्तान और शीर्ष क्रम में एक अनुभवी भारतीय बल्लेबाज की जरुरत है। कोलकाता के अलावा सूर्या चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) भी जा सकते हैं। इसका कारण है कि सीएसके भी एक बेहतर बल्लेबाज की तलाश में है।

मुंबई के लिए उन्होंने अब तक कुल 127 मैचों में 4020 रन बनाए हैं, जिसमें दो शानदार शतक भी शामिल हैं। वहीं केकेआर के लिए अपने पहले कार्यकाल में सूर्या ने 60 मैचों में 684 रन बनाए थे, जिसमें चैंपियंस लीग टी20 के 127 रन भी शामिल हैं।

महंगी कीमतों से फीफा विश्व कप 2026 के प्रति प्रशंसकों का आकर्षण घटा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से शुरु होने जा रहे फीफा विश्वकप फुटबॉल को लेकर प्रशंसकों में वैसा उत्साह नहीं दिखता जो आम तौर पर देखा जाता है। इस कारण विश्वकप के महंगे टिकट, तीन देशों के बीच यात्रा का अत्यधिक खर्च और अमेरिका में प्रवेश संबंधी दिक्कतें हैं। इससे प्रशंसक घर से ही मैच देखना चाहते हैं।

इंग्लैंड के एक ऐसे ही प्रशंसका का कहना है कि उससे पिछले चार विश्व कप देखें पर इस बार वह यूरोप में ही रहकर टूर्नामेंट के कुछ मुकाबलों का आनंद पुर्तगाल के समुद्र तट पर लगी स्क्रीन में उठाएगा। वहीं अर्जेंटीना के प्रशंसक ने कहा कि वह इस बार केवल दो मैच देखकर ही स्वदेश लौट जाएगा। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि इस बार पहले की तादाद में कम प्रशंसक विश्वकप में दिखेंगे। विश्व कप के दौरान अपनी टीम का समर्थन करने के लिए लंबी छुट्टियां लेकर विदेश यात्रा करने वाले प्रशंसक आमतौर पर धानी वर्ग से आते हैं पर पिछले टूर्नामेंटों में सीमित साधनों वाले प्रशंसक भी वर्षों तक बचत कर इस विश्वकप में पहुंच जाते थे पर इस बा कीमतें अधिक होने से उनकी कमी रहेगी।

पिछली बार, ग्रुप चरण के सबसे निचले श्रेणी के टिकट 69 डॉलर में उपलब्ध थे। वहीं इस बार, फीफा उन्हीं टिकटों को 265 डॉलर तक में बेच रहा है, जो चार गुना से भी अधिक की कीमत है। इसके अलावा, रूस 2018 और कतर 2022 विश्व कप में मेजबान शहरों के बीच निःशुल्क परिवहन सुविधा दी गई थी, जबकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में फैले 16 स्टेडियमों के बीच यात्रा करना कहीं अधिक महंगा साबित रहेगा। पहले, फीफा के आधिकारिक पुनर्विक्रय रीसेल मंच पर टिकट मूल कीमत से अधिक पर नहीं बेचे जा सकते थे पर इस बार, संस्था ने प्रशंसकों को अपनी इच्छानुसार ऊंची कीमत पर टिकट बेचने की अनुमति दे दी है और हर लेनदेन पर 30 फीसदी शुल्क भी वसूल रही है। वहीं फीफा का कहना है किटिकटों की अधिक कीमतों के बाद भी मांग पर विशेष असर नहीं पड़ा है। प्रशंसकों का मानन है कि इस बार कीमतें काफी अधिक हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका अब तक का सबसे खराब मेजबान साबित होगा।

ट्राई-सीरीज : इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच आज पहला मैच, सूर्यवंशी पर रहेगी नजर

मुम्बई । मंगलवार 09 जून 2026 से इंडिया ए, श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के बीच 7 मैचों की वनडे ट्राई सीरीज शुरू हो रही है। पहला मैच इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेला जाएगा और इस दौरान सभी की नजरें युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। सूर्यवंशी का क्रेज जबरदस्त है। स्क्वाड में उनका नाम घोषित होने के बाद ब्रॉडकास्टर्स ने अपनी रणनीति पर फिर से विचार किया। असल में इस सीरीज के लिए कोई ब्रॉडकास्टिंग चैनल तय नहीं था। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक BCCI की घोषणा के बाद सोनी स्पोर्ट्स मैच को लाइव दिखाने के लिए तैयार हो गया।

वैभव को अपने अनुसार खेलने दें, उसपर बेवजह दबाव न बनायें : गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी पर अभी से दबाव डालना सही नहीं है। साथ ही कहा कि वह अभी बच्चा है और उसे अपने अनुसार खेलने दें। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव को आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा है कि वैभव पर किसी तरह का बेवजह का दबाव न बनाये और उसे अपने स्वाभविक अंदाज में खेलने दें। गांगुली ने से बातचीत में प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों से विशेष तौर पर अपील की कि वे वैभव पर अनावश्यक अपेक्षाओं का बोझ न डालें। गांगुली ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें उसे उसके हाल पर छोड़ देना चाहिए। वह अभी केवल 15 साल का बच्चा है और मुझे नहीं लगता कि वह दबाव के बारे में बहुत अधिक सोचता होगा। आईपीएल में हमने देखा कि वह निडर होकर खेलता है हालांकि भारतीय टीम के लिए खेलना एक बिलकुल अलग अनुभव है, और वह उन विदेशी दौरों पर जा रहा है जहां की पिचें काफी हमारे यहां से काफी अलग होंगी।' गांगुली का मानना है कि वैभव में अपार प्रतिभा है पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत में उनसे तुरंत चमत्कारी प्रदर्शन की उम्मीद नहीं करनी चाहिये। उन्होंने जोर देकर कहा, 'उसे बस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने पैर जमाने का अवसर दें। भारत में कई अन्य खिलाड़ियों की तरह उसके पास भी जबरदस्त प्रतिभा है, इसलिए उम्मीदों का बोझ डालकर उसे परेशान न करें।' वैभव के लिए असली परीक्षा अब शुरू होगी। भारतीय टीम को 26 और 28 जून को आयरलैंड में दो टी20 मैच खेलने हैं, जिसके तुरंत बाद 1 जुलाई से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज होनी है। आईपीएल की सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों पर छक्के उड़ाना अलग बात है पर इंग्लैंड में यूनाइटेड तेज और उछल भरी पिचों पर अपने को साबित करना बिल्कुल अलग चुनौती होगी।

संन्यास के सवाल पर भड़कीं हरमनप्रीत

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय टी20 विश्वकप खेलने के लिए लंदन गयी हुई है। इसी दौरान सभी कप्तानों के लिए आयोजित एक संयुक्त पत्रकार वार्ता में संन्यास को लेकर पूछे गये सवाल पर भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भड़क गयीं। हरमनप्रीत ने उल्टे उस रिपोर्टर से ही पूछ लिया कि वह इस प्रकार के सवाल क्यों पूछ रहा है। इस बातचीत का एक वीडियो भी। सोशल मीडिया पर आया है। इसमें दिख रहा है कि हर पत्रकार वार्ता में रिपोर्टर बारी-बारी से हर कप्तान से सवाल पूछे जा रहे थे। जब भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की बारी आई, तो एक रिपोर्टर ने उनसे सीधा सवाल किया, क्या यह आपका आखिरी विश्व कप है? आप इस पर क्या कहना चाहेंगी? इस सवाल पर हरमनप्रीत ने उलटे रिपोर्टर से ही पूछ लिया। उन्होंने कहा, यह मेरा आखिरी विश्व कप क्यों? क्या आप चाहते हैं कि मैं सन्यास ले लूं? हरमनप्रीत के इस तीखे जवाब से रिपोर्टर झेंप गया। उसने तुरंत

अपनी बात संभालते हुए कहा, नहीं, मैं बस जानना चाह रहा था। मुझे यह सुनकर अच्छा लगा कि यह आपका आखिरी विश्व कप नहीं है। रिपोर्टर के इस जवाब पर भी हरमनप्रीत ने अपनी बात पूरी करते हुए पूछा, फिर आप ऐसा पूछ क्यों रहे हैं? हरमनप्रीत के इस अंदाज से पता चलता है कि वह बेहद स्पष्टवादी हैं।

गौरतलब है कि महिला टी20 विश्व कप 2026 का शुरुआती मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच 12 जून को खेला जाएगा। वहीं, भारतीय टीम अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 14 जून को परंपरागत-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। लीग स्टेज में भारत को कुल पांच मैच खेलने हैं। पाकिस्तान के बाद, भारतीय टीम का अगला मुकाबला 17 जून को नीदरलैंड्स से होगा। इसके बाद, 21 जून को भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। भारतीय टीम अपना अपना चौथा लीग मैच 25 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। वहीं अपना अंतिम मुकाबला 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। विश्वकप में कुल 12 टीमें भाग ले रही हैं, जिन्हें छह-छह टीमों के दो ग्रुप, ग्रुप ए और ग्रुप बी में बांटा गया है। भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है, जिसमें कुछ बेहद मजबूत टीमें भीशामिल हैं। इसी को लेकर हरमनप्रीत ने कहा कि टीम किसी भी प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड कर सकता है कोच और कप्तान में बदलाव, सरफराज और शान होंगे बाहर

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पाक टीम की करारी हार से बेहद नाराज है। पीसीबी अब कोच और कप्तान में बदलाव करने जा रहा है। इसी के तहत ही पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी टीम के मुख्य कोच सरफराज खान और कप्तान शान मसूद को उनके पदों से हटाकर नये कोच और कप्तान नियुक्त करने जा रहे हैं। पीसीबी पूर्व क्रिकेटर यूनिस खान को कोच जबकि मोहम्मद हफीज को नया कप्तान बनाना चाहता है। बांग्लादेश ने हाल ही में समाप्त हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज में पाक को 2-0 से हरा दिया था। इसी को देखते हुए पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के सलाहकारों ने टेस्ट टीम में बदलाव की सलाह दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी इस समय यूनिस और ऑलराउंडर हफीज के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। बोर्ड चाहता है कि ये दोनों दिग्गज राष्ट्रीय टीम में मुख्य भूमिकाएं संभालें। यूनिस और हफीज दोनों की ही पीसीबी अधिकारियों के साथ बोर्ड में प्रमुख पदों पर शामिल होने को लेकर बात हुई है, हालांकि, अभी तक चीजों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। वहीं मुख्य कोच सरफ़राज़ खान को हटाकर बोर्ड उन्हें वापस नेशनल अंडर-19 और 'ए' टीमों के प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपना चाहता है पर सरफराज को तभी हटाया जा सकता है जब पीसीबी पूर्व कप्तान यूनिस खान के साथ किसी समझौते पर पहुंच जाएगा। वहीं यूनिस ने पीसीबी में कोई भी पद स्वीकार करने के लिए बेहद कड़ी शर्तें रखी हैं, जिन पर अभी बात चल रही है। वहीं लगातार हार के बाद मसूद की टेस्ट कप्तानी भी जाना तय है। बोर्ड उन्हें कप्तान पद से हटाने पर विचार कर रहा है, लेकिन मसूद ने बोर्ड से कुछ और समय की मांग की है। शान मसूद चाहते हैं कि आगामी वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली विदेशी टेस्ट सीरीज में उन्हें टीम का नेतृत्व करने का एक और मौका दिया जाए। पाकिस्तान को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच 25 जुलाई से ब्रायन लारा क्रिकेट एकेडमी में खेलना है, जो मसूद के भविष्य के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। दूसरी ओर, मोहम्मद हफीज को मुख्य चयनकर्ता और 'हेड ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेट' जैसे बड़े पदों के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

ब्राजील ने चोटिल वेस्ली की जगह अपनी विश्वकप टीम में एडरसन को किया शामिल

ब्रासीलिया । ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने चोटिल डिफेंडर वेस्ली की जगह अपनी विश्वकप टीम में मिडफील्डर एडरसन को शामिल किया है। मिस्र के खिलाफ शनिवार को ब्राजील की 2-1 से मैत्री जीत में खेलने वाले वेस्ली को बाएं पैर की जांघ की मांसपेशी में खिंचाव के कारण बाहर होना पड़ा। बाद में मेडिकल टेस्ट से पुष्टि हुई कि इस चोट के कारण रोमा के विंग-बैक खिलाड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। ब्राजीलियन फुटबॉल परिसंघ (CBF) ने जारी एक बयान में कहा कि वेस्ली 'टीम के बहुत चहेते' हैं और वर्ल्ड कप में न खेल पाने के बावजूद उन्हें टीम की भविष्य की योजनाओं का हिस्सा माना जाएगा। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने पुष्टि की है कि अंतिम मंजूरी मिलने के बाद अटलांटा के एडरसन को 26 खिलाड़ियों वाली टीम में उनकी जगह बुलाया जाएगा। उम्मीद है कि एडरसन सोमवार को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में राष्ट्रीय टीम के ट्रेनिंग कैंप में शामिल होंगे। 26 वर्षीय एडरसन ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए तीन बार सीनियर स्तर पर खेल चुके हैं, जिसमें लगभग दो साल पहले मैक्सिको के खिलाफ एक मैत्री मैच में शुरुआती लाइन-अप में शामिल होना भी शामिल है। वह कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका में होने वाले विश्वकप में खेलने वाले 60 से अधिक सीरी-ए खिलाड़ियों में से एक हैं। ब्राजील अपने विश्व कप ग्रुप सी अभियान की शुरुआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगा, इसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच होंगे।

फ्लोरेंटिनो पेरेज चुनाव जीते, साल 2030 तक रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट बने रहेंगे

मैड्रिड रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट फ्लोरेंटिनो पेरेज को एक बार फिर चुनावों में जीत हासिल हुई। दो दशक के बाद हुए इन चुनावों के बाद अब वह साल 2030 तक के लिए रियल के प्रेसिडेंट बने रहेंगे। 79 वर्षीय पेरेज को अब अगले चार साल तक क्लब संभालने की जिम्मेदारी मिल गयी है। वहीं क्लब के इलेक्टोरल बोर्ड द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पेरेज को कुल वोटों में से 65 फीसदी हासिल किये। उन्हें 21,741 सोसियोस (क्लब के सदस्य-मालिक) के वोट मिले। वहीं उनके विरोधी 37 वर्षीय रिन्यूएबल एनर्जी एंटरप्रेन्योर एनरिक रिक्वेल्मे को केवल 11,814 वोट ही मिले, जो कुल वोटों का 35 फीसदी था। रियल मैड्रिड के इलेक्टोरल बोर्ड ने 100 फीसदी इन-पर्सन और मेल-इन वोटों की गिनती के बाद घोषणा की कि पेरेज की टीम ने रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव जीत लिए हैं। रियल मैड्रिड सिटी बास्केटबॉल पवेलियन में कुल 33,555 सदस्यों ने इन-पर्सन और मेल-इन बैलेट के जरिए मतदान किया। दोबारा चुने जाने के बाद, पेरेज ने अपनी जीत को एक बहुत अच्छा परिणाम बताया। उन्होंने कहा, हम चुनाव जीत गए हैं और खिताब जीतते रहने के लिए काम करते रहेंगे। हमने सभी पोलिंग स्टेशन पर जीत हासिल की है और रियल मैड्रिड के चुनावों के इतिहास में दूसरा सबसे बेहतरीन परिणाम दर्ज किया है। फ्लोरेंटिनो पेरेज की इस जीत के साथ ही रियल मैड्रिड में अब बड़े बदलाव की तैयारी है। उनकी वापसी का मतलब है कि सोमवार को जोस मोरिन्हो को क्लब का नया मैनेजर आधिकारिक रूप से घोषित किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, मोरिन्हो को टीम में वापस लाने के लिए रियल मैड्रिड पुर्तगाली क्लब बेनफिका को 1.5 करोड़ यूरो (15 मिलियन यूरो) की रिलीज फीस का भुगतान करेगा।

ऑस्ट्रेलिया ओपन:सिंधू की निगाह खिताब पर, पुरुष वर्ग में आयुष करेंगे अगुवाई

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से यहां शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगी, जबकि उभरते सितारे आयुष शेट्टी पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कवायद में हैं।

पूर्व विश्व चैंपियन का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा है। सिंधू को यहां अनुकूल ड्रॉ मिला है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का पहला मैच पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका सामना हमवतन इशारानी बरुआ और चीन की हान कियान शी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिंधू पिछले सप्ताह इंडोनेशिया ओपन में राउंड-ऑफ-16 में पहुंची थी जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था।

अगर सिंधू सेमीफाइनल तक पहुंचती है तो वहां उनका सामना जापान की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से हो सकता है। फाइनल में उनका मुकाबला थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से हो सकता है। महिला एकल ड्रॉ में ही तन्वी शर्मा का सामना चीनी ताइपे की पांचवीं वरीयता प्राप्त चियू पिन-चियान से, जबकि मालविका बंसोड़ का मुकाबला मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा।

अनमोल खरब को जापान की पूर्व विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। आकर्षी कश्यप का मुकाबला मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से, जबकि तान्या हेमंत का अमेरिका की इशिका जायसवाल से होगा। पुरुष एकल में विश्व के 20वें नंबर के खिलाड़ी और यहां छठी वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी अपना पहला मैच क्वालीफायर के खिलाफ खेलेंगे। एचएस प्रणय का मुकाबला इंडोनेशिया के मोहम्मद जाकी उबा से होगा, जबकि किरण जॉर्ज पहले दौर में मलेशिया के जस्टिन होह का सामना करेंगे।

पुरुष युगल में इंडोनेशिया ओपन में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन को पहले दौर

में चीनी ताइपे के ली फांग-चिह और ली फांग-जेन की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अच्युतादित्य राव डोड्डावारापू और पोचना अर्जुन रेड्डी का मुकाबला चीन के हुआंग डि और लियू यांग से होगा। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में कोई भी भारतीय जोड़ी भाग नहीं ले रही है। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी हांगकांग के चान यिन चक और एनजी त्स यौ के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

बाबा आम्रेश्वर धाम के श्रावणी मेला को लेकर उपायुक्त व एसपी ने किया स्थलीय निरीक्षण

बिभा संवाददाता

खूँटी । पवित्र श्रावणी माह आगामी 30 जुलाई से आरम्भ होनेवाला है। इस दौरान झारखण्ड में भोलेनाथ की दूसरी बड़ी नगरी खूँटी जिले के बाबा आम्रेश्वर धाम में एक माह तक दूर दराज से लाखों श्रद्धालु भक्त जलाभिषेक करने आएंगे।

इसलिए सोमवार को उपायुक्त मो० जावेद हुसैन एवं पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने बाबा आम्रेश्वर धाम पहुंचकर मंदिर परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया तथा आगामी श्रावण माह में आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों एवं लगनेवाले श्रावणी मेला के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों से बातचीत कर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली।

इसके पूर्व मंदिर परिसर पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने बाबा आम्रेश्वर धाम मंदिर में दर्शन भी किए। वहीं निरीक्षण उपरांत मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से उन्हें बाबा आम्रेश्वर धाम का स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने पूरे मंदिर परिसर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, यातायात प्रबंधन आदि के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया। उन्होंने श्रावण माह में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने पर बल दिया। जिसमें बनई नदी में शौचालय व लाईट सड़कों पर लाईट की व्यवस्था आदि के लिए चर्चा की?।

मौके पर , उपायुक्त ने बताया कि आगामी श्रावणी मेला में किसी प्रकार की दिक्कत ना हो इसके लिए जानकारी प्राप्त करने हेतु बाबा आम्रेश्वर धाम पहुँचे। जहाँ उन्होंने श्रावण माह के मेले में आनेवाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शौचालय, स्नानागार, बिजली , एवं अन्य व्यवस्था पर जानकारी प्राप्त किए। उपायुक्त ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। वहीं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था एवं भीड़ प्रबंधन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिसपर उन्होंने बताया कि दूर-दूर से बाबा आम्रेश्वर धाम पूजा करने के लिए लोग आते हैं। उनकी सुरक्षा और आवागमन में कठिनाई तथा विभाजनक बनाने के लिए क्या दिया जा सकता है इस पर निरीक्षण किया गया। जिसमें सीसीटीवी फुटेज, फोर्स की व्यवस्था पर आकलन की गई।

इस अवसर पर खूँटी डीएसपी मंगल सिंह जामूदा, तोरपा विजय कुमार सिंह, तोरपा थाना प्रभारी मनीष कुमार आदि उपस्थित थे।

अफीम तस्करों पर पुलिस का बड़ा प्रहार, 12 लाख की अफीम के साथ चार गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी । अफीम का नशा से अधिक अफीम तस्करी का नशा खूंटी जिले में व्याप्त है। जहाँ आए दिन तस्करों को पकड़ने और गैरकानूनी अफीम के धंधेबाजों को पुलिस सलाखों के पीछे धकेलने का काम कर रही है। इसी बीच फिर इस बार चार लोगों को पुलिस ने रंगेहाथ धर दबोचा है। ये चारों पश्चिम सिंहभूम के सेरेंगदा थाना क्षेत्र के विभिन्न गाँवों के निवासी हैं।

जिस पर खूंटी पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया है। ये सभी को रनिया थाना क्षेत्र के तांबा गांव के पास से गिरफ्तार किया है। जिन्हें गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में पुलिस ने 2 किलो 328 ग्राम अवैध अफीम भी बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये बताई जा रही है। साथ ही तीन मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिल भी जब्त की गई हैं।

खूंटी एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया की सूचना मिली थी कि तांबा गांव के पास कुछ लोग अफीम की खरीद-बिक्री के लिए जुटे हुए हैं। सूचना के सत्यापन के बाद एसडीपीओ तोरपा विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम को देखते ही मौके पर मौजूद चारों आरोपी भागने लगे, लेकिन पुलिस ने पीछा कर सभी को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नाथ लोमगा, बिरसा बरजो, सुपार कंडायबुरू और गांडु उर्फ संदीप बरजो के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके पास से 2.328 किलोग्राम अफीम, तीन मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया है कि पश्चिमी सिंहभूम जिले में अफीम की खेती कर खूंटी, रांची और आसपास के क्षेत्रों में इसकी सप्लाई की जाती थी। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर चारों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। नशे के खिलाफ खूंटी पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है। इस छापामारी में तोरपा डीएसपी विजय कुमार सिंह, एनडीपीएस थाना प्रभारी मणी दीप , पुअनि रामदेव राम , पुअनि मनोज कच्छप व सशस्त्र बल शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर को लेकर कांग्रेस ने किया तोरपा प्रखंड में कार्यकर्ता बैठक
लोकतंत्र की मजबूती का आधार एसआईआर : कांग्रेस जिलाध्यक्ष

तोरपा । एसआईआर मुद्दे को लेकर तोरपा प्रखंड में सोमवार को कांग्रेस के प्रखंड समिति की प्रखंड स्तरीय बैठक प्रखंड अध्यक्ष अजय गुप्ता की अध्यक्षता में की गयी। इस दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर पार्टी की आगामी रणनीति पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रखंड के सभी कांग्रेस बुथ स्तरीय एजेंट को अधिकारियों ने निर्देशित दिया है कि वे अपने-अपने बूथों पर मतदाता सूची का सत्यापन कार्य पूरी निष्ठा एवं सक्रियता से करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी योग्य मतदाता का नाम सूची से न छूटे और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि विशेष गहन पुनरिक्षण कार्य लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेगा। प्रखंड प्रभारी प्रनीत तोपनो ने बी.एल.ए. के कार्यों की समीक्षा किया। बैठक में सर्वसम्मति से संकल्प लिया गया कि तोरपा प्रखंड में र.कफ अभियान को सफल बनाने हेतु कांग्रेस संगठन कोई कसर नहीं छोड़ेगा। प्रखंड एवं जिला पदाधिकारियों को भी पंचायत की जिम्मेदारी सौंपी गई। मौके पर आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, नमन तोपनो, मार्टिन हेम्ब्रोम आदि उपस्थित थे।

भाजपा का जिला स्तरीय बैठक में अर्जुन मुंडा ने मंडल व जिला स्तरीय कार्यकताओं के साथ की मंत्रणा

केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी देने का काम करेगी भाजपा : अर्जुन मुंडा

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिला के भाजपा कार्यालय में सोमवार को मण्डल एवं उपर के अधिकारियों का जिला स्तरीय बैठक किया गया। इस बैठक में झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा विशेष रूप से उपस्थित थे। इस बैठक के पहले जनसंघ के संस्थापक दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित की गयी। मौके पर , जिलाध्यक्ष आनन्द कुमार की अध्यक्षता में जिलेभर के मण्डल स्तरीय व जिला स्तरीय कार्यकताओं के साथ की मंत्रणा की गयी। जिसमें क्षेत्र की जनसमस्याओं और विकास कार्यों के अलावे संगठन मजबूत करने के लिए योजना बनी गयी। मौक पर , केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर पैनी नजर रखते हुए लाभुकों को इसका लाभ मिले इसपर क्षेत्र में भ्रमणशील होने की बात कही गयी। जहाँ भी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनता को नही मिले और शिथिलता दिखाई दे इसपर जानकारी लेने की बात कही गयी । मौके पर , अर्जुन मुंडा ने बताया कि झारखंड कृषि प्रधान प्रदेश है। खूंटी जिला समेत झारखंड के अधिकतर लोग खेती बाड़ी पर निर्भर करते हैं। खेती बाड़ी का कार्य और आगे कैसे बढ़े उन्हें बाजार कैसे मिले साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ मिले इस पर विशेष चचाएं हुई है। भाजपा हमेशा गरीबों और मेहनतकश लोगों के लिए योजना लाकर उन्नत बनाने का कार्य करते रहा है। जिस पर देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन गरीबों को ध्यान में रखते हुए योजना बनाकर लोगों को लाभान्वित करने का काम किए हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन को चाहिए कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं को किसानों के हित में उन तक पहुंचाने का कार्य करे।

मौके पर , पूर्व विधायक कोचे मुण्डा, महामंत्री निखिल कण्डुलना व रुपेश जायसवाल, रुकमिला सारु के अलावे जिले के विभिन्न मण्डल व जिला स्तरीय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रांची में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई, आठ दिन में काटे गए 3,775 चालान

रांची। राजधानी में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ रांची ट्रैफिक पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक (यातायात) राकेश सिंह के नेतृत्व में एक जून से आठ जून तक शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। एसपी राकेश सिंह ने सोमवार को बताया कि कुल आठ दिनों में 3,775 चालान काटे गए। इनमें बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 1479 लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई। वहीं, नो पार्किंग और सड़क पर वाहन खड़ा करने के मामले में 1818 चालान जारी किए गए। इसके अलावा 162 वाहन चालक रेड लाइट जंप करते पकड़े गए।

कारोबार

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 719 अंक, निफ्टी 243 अंक गिरा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अमेरिका, इजरालय और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 719.08 अंकों की गिरावट के साथ ही 73,524.26 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 243.70 अंक नीचे आकर 23,123 पर पहुंच गया। इसके अलावा व्यापक बाजार में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.40 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.92 फीसदी की गिरावट रही। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑटो में 2 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई जबकि निफ्टी मीडिया, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में भी एक फीसदी गिरावट रही।

निफ्टी के केवल 9 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई, जबकि अन्य सभी शेयर गिरावट पर कारोबार करते दिखे।

मैक्स हेल्थ, पावरग्रिड, भारती एयरटेल, बीईएल, नेस्ले इंडिया और टेक महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गयी जबकि विप्रो , जियो फाइनेंस, हिंडाल्को और श्री राम फाइनेंस के शेयरों में गिरावट आई।बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी और ईरान के बीच शांति समझौते पर संशय से भी बाजार में गिरावट आई है।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। सेंसेक्स 700 अंक से अधिक लुढ़क कर 73,500 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी भी 23,150 के करीब गिरा। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 724.51 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 73,518.83 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सोना 1700 से ज्यादा टूटा, चांदी में 5900 की गिरावट

सोने का भाव 1,53,844 प्र ति दस ग्राम, चांदी 2,42,614 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों पर सोमवार को दबाव देखने को मिला। जहां शुरुआती तेज उछाल के बाद चांदी के भाव फिसल गए, वहीं सोने ने दिन की शुरुआत ही गिरावट के साथ की और इसमें और नरमी आई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतरराष्ट्रीय कॉमैक्स दोनों बाजारों में बहुमूल्य धातुओं के वायदा भाव में कमजोरी दर्ज की गई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने के समय 1,750 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,844 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने दिन की शुरुआत ही नरमी के साथ की थी, जहां यह 1,417 रुपये की गिरावट के साथ 1,54,177 रुपये पर खुला था। इसका पिछला बंद भाव 1,55,594 रुपये था। कारोबारी सत्र के दौरान सोने ने 1,54,434 रुपये का उच्च स्तर और 1,53,802 रुपये का निचला स्तर छुआ।

बीएमडब्ल्यू समूह इंडिया एक जुलाई से वाहन कीमतों में करेगी दो फीसदी तक का इजाफा

मुंबई। जर्मनी की लग्जरी कार विनिमार्ता कंपनी बीएमडब्ल्यू समूह इंडिया अपने सभी बीएमडब्ल्यू और मिनी श्रेणी के वाहनों की कीमतों में 2 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। नई दरें एक जुलाई से प्रभावी होगी। यह मूल्य वृद्धि भारत में स्थानीय रूप से विनिर्मित और पूरी तरह आयातित (सीबीयू) दोनों ब्रांड पर लागू होगी बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हरदीप सिंह बरार ने कहा कि वृहद आर्थिक चुनौतियों, खासकर रुपये में गिरावट एवं बढ़ती लॉजिस्टिक लागत के मद्देनजर प्रीमियम मानकों की रक्षा के लिए हम 1 जुलाई से समूचे खंड की कीमतों में दो फीसदी तक की वृद्धि लागू कर रहे हैं। बरार ने कहा कि हमारी मजबूत मांग और बेहतरीन प्रोडक्ट रेंज की वजह से बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया लग्जरी मोबिलिटी के क्षेत्र में लगातार नए बेंचमार्क सेट कर पा रहा है। बीएमडब्ल्यू इंडिया की स्थानीय रूप से विनिर्मित कारों में 2-सीरीज ग्रैन कूपे, 3-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, 5-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, 7-सीरीज, एक्स1, एक्स3, एक्स5, एक्स7, एम340आई और आईएक्स1 लॉन्ग व्हीलबेस शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी आई5 एम60, आई7, आई7 एम70, बीएमडब्ल्यू आईएक्स एम440आई कन्वर्टिबल, एम2 कूपे, एम4 कॉम्पिटिशन, एम5 और एक्सएम जैसे पूरी तरह आयातित मॉडल भी पेश करती है।

सरकार ने बैंकों से मांगा एटीएम नकदी संकट पर तत्काल जवाब

नई दिल्ली ।

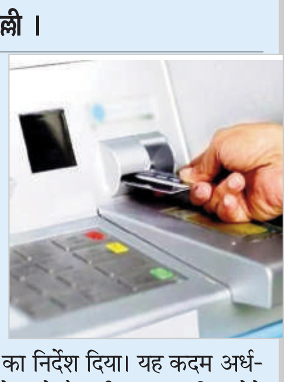

वित्तीय सेवा विभाग ने देशभर में एटीएम में नकदी की कमी की समस्या पर बैंकों से तत्काल विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विभाग ने बैंकों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को भेजे ईमेल में नकदी भरने में आ रही दिक्कतों के कारणों और उन्हें दूर करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी अनिवार्य रूप से देने का निर्देश दिया। यह कदम अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एटीएम सेवाओं के बुरी तरह प्रभावित होने की आशंकाओं के बीच उठाया गया है, जहां प्रत्यक्ष हस्तांतरणलाभार्थियों के लिए नकदी पर निर्भरता अधिक है। एटीएम उद्योग परिसंघ ने पिछले सप्ताह भारतीय बैंक संघ को आगाह किया था कि नकदी की उपलब्धता समस्या बनती जा रही है, जिससे देश भर में एटीएम सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को नकदी कमी होने पर तुरंत आपूर्ति का आश्वासन दिया था। हालांकि, बैंकरों के अनुसार, एटीएम में नकदी खत्म होने पर बैंकों को भी लागत वहन करनी पड़ती है। आरबीआई के अक्टूबर 2021 के नियमों के अनुसार, यदि कोई एटीएम महीने में 10 घंटे से अधिक समय तक नकदी से खाली रहता है (10,000 रुपए या उससे कम), तो संबंधित बैंकों/ऑपरेटरों पर जुर्माना लगता है। व्हाइट-लेबल एटीएम के मामले में, जुर्माने का भुगतान पहले कैश मुहैया कराने वाला बैंक करता है, जिसे ऑपरेटर से वसूला जाता है।

एफपीआई को कर छूट, वैश्विक बॉन्ड सूचकांक में भारत की दावेदारी मजबूत

सरकार का फैसला ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में सॉवरिन बॉन्ड के शामिल होने की संभावना बढ़ाएगा

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) से होने वाले ब्याज और पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट देकर वैश्विक बॉन्ड बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस निर्णय से भारतीय सॉवरिन बॉन्ड के ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में शामिल होने की संभावना काफी बढ़ गई है, जिसकी समीक्षा इस महीने के मध्य में प्रस्तावित है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब जनवरी में ब्लूमबर्ग सर्विसेज इंडेक्स (बीआईएसएल) ने परिचालन और बाजार ढांचे से जुड़े मुद्दों का हवाला देते हुए भारत के सरकारी बॉन्ड को अपने वैश्विक सूचकांक में शामिल करने का फैसला टाल दिया था। सूत्रों ने बताया कि बॉन्ड बाजार को सुदृढ़ बनाना सरकार की मुख्य नीतिगत प्राथमिकता बनी हुई है। सरकार यह समझती है कि एक व्यापक और अधिक लिक्विड बॉन्ड बाजार के लिए घरेलू बैंकों और बीमा कंपनियों जैसे निवेशकों तक सीमित न रहकर वैश्विक संस्थागत निवेशकों को आकर्षित करना आवश्यक है। ये निवेशक लंबे समय के लिए निवेश करते हैं और अधिक जोखिम उठाने की क्षमता के साथ बड़ी मात्रा में स्थिर पूंजी उपलब्ध कराते हैं। पहले, एफपीआई की ब्याज और पूंजीगत प्राप्तियों से होने वाली कमाई पर कर नियमों की वजह से सरकारी बॉन्ड पर कर के बाद मिलने वाला रिटर्न कम हो जाता था, जो अन्य उभरते बाजारों की तुलना में भारत को कम प्रतिस्पर्धी बनाता था। इस संरचनात्मक नुकसान को दूर करना जरूरी था। बार्कलेज के विश्लेषकों ने इस कर छूट को महत्वपूर्ण बताया है और कहा है कि इस कदम से भारत की वास्तविक यील्ड में सुधार होगा। बार्कलेज ने कहा कि सबसे अहम बात यह है कि इससे बॉन्ड सूचकांक में शामिल होने में आ रही संरचनात्मक बाधा भी दूर होती है। विश्लेषकों का मानना है कि पूर्ण पहुंच मार्ग (एफएआर) के विस्तार और निवेश से जुड़ी पाबंदियों में ढील को सूचकांक प्रदाता सकारात्मक रूप से देख सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस कर सुधार का मुख्य मकसद भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेश के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और निवेशक-अनुकूल माहौल देना, सॉवरिन बॉन्ड बाजार को मजबूत करना और वैश्विक सूचकांक में भारत की दावेदारी को मजबूती प्रदान करना है।

सैमसंग ने एआई पावर वाले रोजाना के हेल्थ कंपैनियन के लिए नए गैलेक्सी वॉच फीचर्स लॉन्च किए

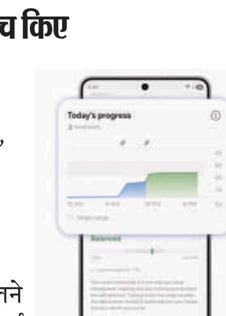

रांची : सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज सैमसंग हेल्थ ऐप के लिए एक बड़े अपडेट की घोषणा की है, जो आने वाली गैलेक्सी वॉच को एक सक्रिय और समझदार हेल्थ पार्टनर में बदल देगा। 8 जून से सैमसंग इस ऐप अपडेट को रोल आउट करना शुरू कर देगा ताकि आगामी गैलेक्सी वॉच में मिलने वाले मुख्य हेल्थ फीचर्स की झलक दिखाई जा सके। यह अपडेट रात की नींद से लेकर दिनभर की गतिविधियों तक के जटिल बायोमेट्रिक डेटा को सरल और काम आने वाले सुझावों में बदलकर रोजाना के स्वास्थ्य प्रबंधन को बहुत आसान बना देता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस (MX) बिजनेस में डिजिटल हेल्थ टीम के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हेड, होन पाक ने कहा, सैमसंग हेल्थ ऐप अब गैलेक्सी वॉच द्वारा मापे गए हेल्थ डेटा को एआई आधारित जानकारियों से जोड़ने के लिए विकसित हो रहा है। इससे यूजर्स अपनी शारीरिक और मानसिक स्थिति को अधिक आसानी से और बेहतर तरीके से समझ सकेंगे। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कनेक्टेड गैलेक्सी इकोसिस्टम और डिजिटल हेल्थ इनोवेशन्स के आधार पर सक्रिय और व्यक्तिगत स्वास्थ्य प्रबंधन के अनुभवों का विस्तार करना जारी रखेगा। यह प्रगति वास्तव में एआई-संचालित हेल्थ प्लेटफॉर्म के लिए सैमसंग के व्यापक दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसे यूजर्स को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और आगे रहने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। नए घोषित हेल्थ फीचर्स सबसे पहले आने वाली गैलेक्सी वॉच पर उपलब्ध होंगे।

उपायुक्त ने कृषि, पशुपालन सहित अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा

बिभा संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक की। बैठक में कृषि, आत्मा शासकीय निकाय, पशुपालन, गव्य विकास, सहकारिता, मत्स्य, उद्यान एवं जिला भूमि संरक्षण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गयी।

बैठक में उपायुक्त श्री शेखावत ने खरीफ मौसम की तैयारियों, बीज एवं उर्वरक उपलब्धता, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान पाठशाला, पशुधन विकास योजनाओं, वैक्सीनेशन अभियान तथा मत्स्य एवं उद्यान विभाग की योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उपायुक्त ने जिला पशुपालन पदाधिकारी को योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन लाभुकों को अनुदान की राशि उपलब्ध करा दी गयी है, लेकिन उनके स्तर से योजनाओं के क्रियान्वयन में रुचि नहीं दिखाई जा रही है, ऐसे लाभुकों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाये साथ ही उन्होंने पशुओं के वैक्सीनेशन कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।

बैठक में खरीफ 2026-27 के लिए बीज वितरण, उर्वरक आवश्यकता एवं आपूर्ति योजना की समीक्षा की गयी। जिले में खरीफ फसलों के लिए 1 लाख 37 हजार 270 हेक्टेयर क्षेत्र में खेती का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।वहीं किसानों को अनुदानित दर पर धान बीज उपलब्ध कराने हेतु राज्य स्तर से अब तक 2000 क्विंटल बीज आवंटित किया गया है।

उपायुक्त ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को अधिकाधिक किसानों को केसीसी से जोड़ने का निर्देश दिया। समीक्षा में बताया गया कि विशेष शिविरों के माध्यम से केसीसी आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं।बैठक में किसान पाठशाला के अंतर्गत संचालित कार्यों की भी समीक्षा की गयी। विभिन्न केंद्रों पर फेंसिंग, सोलर पंप, पॉली हाउस, वर्मी कम्पोस्ट यूनिट, मत्स्य पालन तालाब, प्रशिक्षण केंद्र, पशु शेड एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी दी गयी।

मत्स्य विभाग अंतर्गत वेद व्यास योजना एवं मत्स्य विपणन योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वेद व्यास योजना के तहत कुल 35 लाभुकों को लाभान्वित किया जाना है तथा इसके लिए लाभुकों से आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं।उद्यान विभाग की समीक्षा के दौरान सब्जी एवं पुष्प खेती, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, गृह वाटिका एवं शेड नेट जैसी योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी गयी। बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

यात्रियों के लिए नई सुबहः मानसून-रोधी उन्नत सुविधाओं के साथ मुरारई अंडरपास फिर से खुला

बिहान भारत

कोलकाता : स्थानीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में, लंबे समय से प्रतीक्षित मुरारई सीमित ऊंचाई वाले सबवे (एलएचएस संख्या 32) को 7 जून 2026 को सड़क यातायात के लिए आधिकारिक रूप से पुनः खोल दिया गया। यह महत्वपूर्ण कार्य पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के गतिशील नेतृत्व में पूरा हुआ, जिनकी सुरक्षित और आधुनिक अवसंरचना संबंधी दूरदर्शिता ने टीम को जटिल इंजीनियरिंग चुनौतियों से सफलतापूर्वक पार पाने में मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस परियोजना को मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा, श्री विशाल कपूर की निकट निगरानी में महत्वपूर्ण गति मिली। उन्होंने व्यापक विकास कार्यों के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया। यह अंडरपास पहली बार 20 फरवरी 2025 को खोला गया था, लेकिन संरचनात्मक समस्याओं और जलभराव की चुनौतियों के समाधान हेतु 23 मई 2025 को इसे बंद करना पड़ा। एक वर्ष तक चले सूक्ष्म और व्यापक पुनर्निर्माण कार्यों के बाद अब इसे पुनः खोला गया है।

उन्नत अंडरपास में अब एक मजबूत जल निकासी प्रणाली, अप लाइन की ओर उच्च क्षमता वाला जल भंडारण सम्प (संप), तथा ऊर्ध्वाधर दरारों की मरम्मत की गई है। हर मौसम में निर्बाध उपयोग सुनिश्चित करने के लिए दोनों एप्रोच सड़कों पर टिकाऊ कंक्रीट वेयरिंग कोर्स बिछाया गया है और उनके ऊपर सुरक्षात्मक शेड लगाए गए हैं। दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अप एवं डाउन दोनों ओर बैरिकेडिंग का कार्य भी पूरा कर लिया गया है।

अंडरपास के पुनः खुलने से हजारों दैनिक यात्रियों और स्थानीय व्यवसायों को बड़ी राहत मिली है। पुराने समपार फाटकके स्थान पर बने इस आधुनिक अंडरपास ने यातायात जाम की समस्या को पूरी तरह समाप्त कर दिया है, यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी लाई है तथा भारी मानसूनी वर्षा के दौरान भी सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया है।

परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा, यह उन्नत अंडरपास सुरक्षा, सुगम स्थानीय परिवहन और लंबे समय तक टिकाऊ सार्वजनिक अवसंरचना उपलब्ध कराने के प्रति पूर्व रेलवे की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

संक्षिप्त खबरें

कतरासगढ़ स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर कार्य प्रगति पर

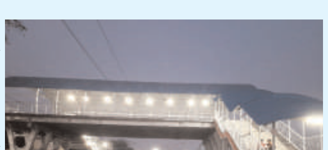

धनबाद(बिभा): धनबाद मंडल के अंतर्गत कतरासगढ़ स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए आधारभूत संरचना के विकास कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं। इसी क्रम में धनबाद मंडल का पहला 12 मीटर चौड़े नवनिर्मित फुट ओवरब्रिज का निर्माण कार्य कतरासगढ़ स्टेशन पर किया गया है` यह फुट ओवरब्रिज यात्रियों को विभिन्न प्लेटफार्मों के बीच सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन की सुविधा प्रदान करेगा तथा ट्रैक पार करने की प्रवृत्ति को कम कर रेल सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाएगा` इसके अतिरिक्त, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों तथा अन्य जरूरतमंद यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्टेशन पर दिव्यांग-अनुकूल रैंप का भी निर्माण किया जा रहा है। रैंप के निर्माण से स्टेशन परिसर में सभी यात्रियों की पहुंच सुगम होगी। रेल प्रशासन द्वारा इन विकास कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है` इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के उपरांत कतरासगढ़ स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सहज एवं आधुनिक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।

जूनियर नेशनल थ्रोबॉल चैंपियनशिप में झारखंड की बेटियों ने जीता कांस्य

रांची/ब्यावर (बिभा): राजस्थान में आयोजित 36वीं जूनियर नेशनल थ्रोबॉल चैंपियनशिप 2026-27 में झारखंड बालिका टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। टीम ने पूरे लीग चरण में अजेय रहते हुए बिहार, मध्य प्रदेश एवं तमिलनाडु को पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में झारखंड की बेटियों ने बेहद रोमांचक मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन किया। तीन सेटों तक चले संघर्षपूर्ण मैच में गोल्डन प्वाइंट तक पहुंचे मुकाबले को जीतकर टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में झारखंड का मुकाबला प्रतियोगिता की विजेता टीम कर्नाटक से हुआ, जहां कड़े संघर्ष के बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा और कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता के दौरान झारखंड की खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत उपलब्धियां भी हासिल कीं। लीग चरण में प्रमिला सोरेन, सुनीता सोरेन एवं सुरभि सिंह को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि क्वार्टर फाइनल में टीम को विजय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली आकांक्षा को ₹प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

उपायुक्त ने की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनगणना 2027 से संबंधित कार्यों की समीक्षा

दुमका(बिभा) : उपायुक्त-सह-प्रधान जनगणना पदाधिकारी अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनगणना 2027 से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी चार्ज पदाधिकारी एवं जनगणना 2027 से संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी जुड़े। बैठक के दौरान जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में जामा चार्ज द्वारा उक्त कार्य को शत-प्रतिशत पूर्ण किए जाने पर उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी, जामा एवं संबंधित टीम को बधाई दी तथा अन्य चार्ज क्षेत्रों को भी निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान नगर परिषद दुमका एवं नगर पंचायत बसुकीनाथ क्षेत्र में कार्य की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी पाई गई। इस पर उपायुक्त ने कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद दुमका एवं नगर पंचायत बसुकीनाथ सहित सभी चार्ज पदाधिकारियों को कार्य में तेजी लाते हुए जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य ससमय पूर्ण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी संबंधित पदाधिकारी समन्वय स्थापित करते हुए गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। बैठक के दौरान अबुआ जाति-निवासी प्रमाण पत्र अभियान की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि अभियान का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्यक्रम आयोजन से पूर्व व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के अधिकाधिक लोग शिविरों में पहुँचकर लाभ प्राप्त कर सकें। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के दौरान शिविरों का नियमित आयोजन किया जाए तथा प्रत्येक कार्यक्रम में संबंधित प्रधान एवं पदाधिकारी की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजनों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके।

प्रयागराज मंडल ने कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए चलाई एग्जाम स्पेशल ट्रेन

बिहान भारत

प्रयागराज। प्रयागराज मंडल द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2026 में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के आवागमन को देखते हुए प्रयागराज मंडल प्रशासन द्वारा आवश्यकतानुसार एग्जाम स्पेशल ट्रेन का संचालन आज किया गया।

जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने सोमवार को बताया कि मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज रजनीश अग्रवाल के निर्देशन में पूरी व्यवस्था को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया गया। प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल एवं अन्य प्रमुख स्टेशनों परीक्षार्थियों की सुविधा के दृष्टिगत प्लेटफॉर्म, टिकट काउंटर तथा प्रवेश-निकास द्वारों पर विशेष व्यवस्थाएं की गईं। इसके साथ ही मंडल स्तर पर स्थापित वार रूम से प्रमुख स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी गई। अधिकारियों द्वारा भीड़ की स्थिति, यात्री आवागमन तथा प्लेटफॉर्म व्यवस्था का अवलोकन किया जाता रहा, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर तुरंत आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

उन्होंने बताया कि प्रयागराज मंडल द्वारा संचालित एग्जाम स्पेशल ट्रेन एवं रिशिड्यूल में प्रयागराज जंक्शन से बांदा की ओर के लिए प्लेटफॉर्म प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या 10 पर 18:50 बजे ट्रेन प्लेस की गई। कानपुर सेंट्रल-झांसी एग्जाम स्पेशल ट्रेन ने कानपुर सेंट्रल से 13:43 बजे, कानपुर सेंट्रल- झांसी एग्जाम स्पेशल ट्रेन ने कानपुर सेंट्रल से 18:45 बजे, कानपुर सेंट्रल-लखनऊ एग्जाम स्पेशल ट्रेन ने कानपुर सेंट्रल से 13:43 बजे, कानपुर सेंट्रल-लखनऊ एग्जाम स्पेशल ट्रेन ने कानपुर सेंट्रल से 19 बजे तथा गाड़ी 64212 कानपुर सेंट्रल-लखनऊ मेमू को 12:20 बजे से रिशिड्यूल कर 13:30 बजे चलाया गया।

परीक्षार्थियों की सहायता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल तथा राजकीय रेलवे पुलिस के जवानों को प्रमुख स्टेशनों एवं ट्रेनों में तैनात किया गया। इसके अतिरिक्त वाणिज्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भी स्टेशन पर यात्रियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई गई। रेलवे प्रशासन द्वारा अभ्यार्थियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुचारु संचालन को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। भीड़ प्रबंधन को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की गई तथा यात्रियों को लाइन में व्यवस्थित रूप से प्रवेश एवं निकास के लिए प्रेरित किया गया।

प्रयागराज मंडल में मोबाइल वीडियो वैन के माध्यम से रेल सुरक्षा जागरूकता अभियान

प्रयागराज : मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में प्रयागराज मंडल के संरक्षा एवं सुरक्षा विभाग तथा रेलवे सुरक्षा बल द्वारा आमजन में रेल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु सतर्कता एवं जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत मोबाइल वीडियो वैन के माध्यम से विशेष जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है।इस अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों एवं रेल मार्गों के आसपास सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा देना तथा रेल दुर्घटनाओं एवं असुरक्षित गतिविधियों की रोकथाम करना है। इसी क्रम में सोमवार को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कानपुर सेंट्रल द्वारा पोस्ट क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया । अभियान के अंतर्गत सरसौल रेलवे स्टेशन, रूमा रेलवे स्टेशन, चकरी रेलवे स्टेशन, चंदारी रेलवे स्टेशन, कानपुर रेलवे स्टेशन, गेट संख्या-75, गेट संख्या-2, गेट संख्या-3, पार्सल एरिया तथा सकुर्लेटिंग एरिया में मोबाइल वीडियो वैन के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया। मोबाइल वीडियो वैन के माध्यम से लोगों को एकत्रित कर रेलवे सुरक्षा एवं सतर्कता संबंधी वीडियो संदेश, लघु फिल्में तथा जागरूकता सामग्री प्रदर्शित की गई। साथ ही रेलवे सुरक्षा बल एवं रेलवे प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए ई-पम्पलेट्स वितरित किए गए तथा लाउडहेलर के माध्यम से रेल सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण संदेश प्रसारित किए गए।

जेसीआई ने जूनियर जेसीज के लिए स्पीक टू लीड प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची: जेसीआई रांची द्वारा वन टीम वन विजन और लीड कनेक्ट इवॉल्व 26 के तहत नौवीं से बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए स्पीक टू लीड प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन जेसीआई कार्यालय में किया गया।इस विशेष सत्र को इस तरह डिजाइन किया गया है जिससे स्कूली छात्रों के वर्तमान और भविष्य को एक नई दिशा मिल सके।कार्यक्रम के दौरान छात्रों को मंच पर बोलने के डर से उबरने, प्रभावी पब्लिक स्पीकिंग की कला सीखने तथा आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।प्रशिक्षकों ने बताया कि बेहतर संवाद कौशल न केवल स्कूल स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, समूह चचाओं एवं प्रस्तुतियों में सहायता करता है, बल्कि भविष्य में कॉलेज प्रवेश एवं नौकरी के साक्षात्कारों में भी विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करता है।

आसनसोल मंडल में मानसून से पहले स्टेशनों और कॉलोनियों में व्यापक रूप से नालियों की सफाई का अभियान शुरू किया गया

बिहान भारत

आसनसोल: आसनसोल मंडल ने मानसून से पहले की तैयारियों के तहत अपने अधिकार क्षेत्र में पड़ने वाले रेलवे स्टेशनों और कॉलोनियों में 08 जून से 10 जून, 2026 तक नालियों की सफाई का एक जोरदार अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करना, सफाई और स्वच्छता बनाए रखना और मलेरिया व डेंगू जैसी बीमारियों (जो मच्छरों/कीड़ों से फैलती हैं) के जोखिम को कम करना है।

यह अभियान आसनसोल, अंडाल, रानीगंज, मधुपुर, जसीडीह, दुर्गापुर, उखरा, दुमका और सीतारामपुर सहित कई स्टेशनों और रेलवे कॉलोनियों में चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत नालियों में जमी गंदगी, कचरा और जमा हुआ पानी हटाना शामिल है, ताकि गंदे पानी का निकासी सुचारू रूप से किया जा सके और आने वाले मानसून के मौसम में जलजमाव की समस्या न हो।

इस अभियान में संबंधित विभागों के अधिकारीगण और कर्मचारीगण सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं और सफाई कार्यों की प्रगति पर नजर रख रहे हैं। स्टेशन परिसर, सकुर्लेटिंग एरिया, सर्विस बिल्डिंग और रेलवे कॉलोनियों में स्वच्छता और जल निकासी प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस अभियान के तहत नालियों की सफाई करने का उद्देश्य मानसून से पहले मंडल में किए जाने वाले नियमित स्वच्छता उपायों का ही एक हिस्सा है। इन गतिविधियों का उद्देश्य रेलवे परिसर में साफ-सफाई बनाए रखना और जल निकासी की स्थिति में सुधार करना है।

भारतीय रेल ने तीन सेक्शन में 163 किमी चालू करके कवच 4.0 सेफ्टी रोलआउट में तेजी लाई

बिहान भारत

हाजीपुर: भारतीय रेल ने आज अपने नेटवर्क के तीन सेक्शन में कवच वर्जन 4.0 (ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम) के 163 रूट किलोमीटर चालू किए, जो रेल सेफ्टी को मजबूत करने में एक और बड़ा मील का पत्थर है। नए चालू किए गए सेक्शन में धनबाद और पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के सरमाटांर से निमियाघाट (76किमी), फ्लाईओवर केबिन से भभुआ रोड (43 किमी) और सासाराम से फेसर (44 किमी) सेक्शन शामिल हैं। पूर्व मध्यि रेल के दीन दयाल उपाध्याय मंडल में कवच सिस्टम को शामिल किया गया है। इस कमीशनिंग के साथ, इंडियन रेलवे हाई-डेंसिटी रूट पर ट्रेन प्रोटेक्शन, ऑपरेशनल सेफ्टी और रिलायबिलिटी बढ़ाने के लिए स्वदेशी कवच सिस्टम के डिप्लॉयमेंट में तेजी ला रहा है।

आज के शामिल होने के बाद, कवच वर्जन 4.0 को पूर्व मध्य रेल में कुल 256.3 रूट किलोमीटर पर कमीशन किया गया है। इसमें पूर्व मध्य रेल का मानपुर-सरमाटांर (93.3 किमी) सेक्शन भी शामिल है।

पूर्व मध्य रेल पर कवच 4.0 की कार्यान्वयन की प्रगति -

पूर्व मध्य रेल के धनबाद और पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के सरमाटांर से निमियाघाट, फ्लाईओवर केबिन से भभुआ रोड और सासाराम से फेसर के लेटेस्ट कमीशन किए गए 163 रूटकिमी सेक्शन पर कवच 4.0 के साथ ट्रेन ऑपरेशन शुरू हो गया है। फेसर-सासराम सेक्शन पर कवच युक्त पहली ट्रेन 15137 बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस सफलतापूर्वक चलायी गयी । यह फेसर से 03:02 बजे गुजरी और सासाराम 03:50 बजे पहुंची । भभुआ-पंडित दीन दयाल उपाध्याय/फ्लाईओवर केबिन सेक्शन पर यह भभुआ से 04:39 बजे निकली और पंडित दीन दयाल उपाध्याय/एफओसी से 05.20 बजे गुजरी।

कवच को पूर्व मध्य रेल के 4,238 रूट किलोमीटर पर लगाया जा रहा है, जिसमें पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-प्रधानखंटा सेक्शन पर 417 रूट किलोमीटर शामिल हैं। यह दिल्ली-हावड़ा ग्रैंड ट्रंक रूट का एक जरूरी हिस्सा है जो उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड से होकर गुजरता है। इस सेक्शन पर यात्री यातायात एवं माल गाड़ियों को मिला जुला ट्रैफिक है और वर्तमान में यहाँ 130 किमी प्रति घंटे की गति की अनुमति है।

कवच के बारे में संक्षिप्त विवरण

कवच वर्ज़न 4.0, भारत की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली का नवीनतम और सबसे उन्नत संस्करण है। इसे परिचालन फीडबैक और स्वतंत्र सुरक्षा आकलनों के आधार पर निरंतर तकनीकी अपग्रेड के माध्यम से विकसित किया गया है। अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा अनुमोदित, कवच 4.0 रेलवे सुरक्षा में एक बड़ी प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है।

इसे विशेष रूप से भारत के विविध, उच्च-घनत्व और मल्टी-लाइन रेल नेटवर्क की परिचालन मांगों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो बेहतर विश्वसनीयता, त्वरित प्रतिक्रिया और मौजूदा सिग्नलिंग एवं इंटरलॉकिंग सिस्टम के साथ सहज एकीकरण प्रदान करता है। वैश्विक सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए एक स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकनकर्ता (आईएसए) द्वारा प्रमाणित, कवच 4.0 भारतीय रेलवे में बड़े पैमाने पर तैनाती के लिए पूरी तरह तैयार है।

कवच सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने के लिए माइक्रोप्रोसेसर, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) और रेडियो संचार प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करता है। जब एक पूर्व-निर्धारित दूरी के भीतर उसी ट्रैक पर दूसरी ट्रेन का पता चलता है, तो यह सिस्टम लोको पायलट को सचेत करता है और आवश्यकता पड़ने पर ऑनबोर्ड उपकरणों के माध्यम से स्वचालित रूप से ब्रेक लगा देता है।

कवच सिग्नल पासिंग एट डेंजर (एसपीएडी) के खिलाफ स्वचालित सुरक्षा प्रदान करता है और साइड, आमने-सामने और पीछे से होने वाली टक्करों को प्रभावी ढंग से रोकता है। यह निरंतर ओवरस्पीडिंग की निगरानी और नियंत्रण भी करता है, जिससे कम दृश्यता और प्रतिकूल मौसम की स्थिति में भी सुरक्षित संचालन सुनिश्चित होता है। इसके अतिरिक्त, यह सिस्टम गलत दिशा और रिवर्स मूवमेंट के दौरान अलर्ट जारी करता है और लेवल क्रॉसिंग गेटों के बारे में स्वचालित जानकारी प्रदान करता है।

कवच एसआईएल-4 सुरक्षा मानकों का पालन करता है, जो वैश्विक स्तर पर सुरक्षा अखंडता का उच्चतम स्तर है। एक स्वदेशी रूप से डिजाइन और लागत प्रभावी प्रणाली होने के नाते, यह आयातित प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता को कम करता है और भारतीय सिग्नलिंग उद्योग को बढ़ावा देता है।

भारतीय रेलवे निरंतर कवच के दायरे का विस्तार कर रहा है, जो सुरक्षित एवं विश्वसनीय ट्रेन परिचालन और लाखों यात्रियों के लिए सुरक्षित रेल यात्रा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है। यह कमीशनिंग एक अधिक सुरक्षित, स्मार्ट और आत्मनिर्भर भारतीय रेलवे की ओर एक और कदम है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com